केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

जीवन में हमेशा सीखते रहिए.. क्योंकि जिंदगी सर्टिफिकेट से नहीं, स्किल से चलती है, डिग्री तो दीवारों पर लगती है..और 'हुनर' दिलों पर राज करते हैं...

वर्ष : 16 अंक : 333 | उज्जैन, शुक्रवार 15 मई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

योगी सरकार 6955 करोड़ का लेगी हिसाब, कारोबार शुरू न करने वाले युवाओं से वसूली जाएगी राशि

लखनऊ/ जीएनएस। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विभाग ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान योजना के तहत ऋण लेने वाले युवाओं का सत्यापन का कार्य शुरू किया है। विभाग ने इसके लिए मोबाइल एप्लीकेशन (एप) तैयार किया है। इस एप के जरिए योजना के तहत ऋण लेने वाले युवाओं का स्थलीय सत्यापन किया जा रहा है। सत्यापन की जिम्मेदारी एमएसएमई विभाग ने सीएम फेलो को दी है। सीएम फेलो अपने-अपने क्षेत्रों में ऋण लेने वाले युवा की जानकारी देंगे कि संबंधित युवा ने ऋण लेने के बाद काम शुरू किया या नहीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर 24 जनवरी 2025 को योजना का शुभारंभ किया था। योजना के तहत राज्य के युवाओं को बिना गारंटी व ब्याज के अपना उद्यम शुरू करने के लिए पांच लाख रुपये तक का ऋण प्रदान किया जा रहा है। अभी तक 1,69,271 युवाओं को 6955 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया जा चुका है। एमएसएमई विभाग की जानकारी इस प्रकार के कई मामले आए हैं जिनमें युवाओं ने ऋण लेने के बाद कारोबार शुरू नहीं किया है। नतीजतन अब विभाग ने ऋण लेने वाले सभी युवाओं का सत्यापन शुरू कराया है। सत्यापन के कार्य में जुटे कर्मी युवाओं की उनके उद्यम के साथ फोटो और वीडियो के साथ गूगल के जरिए मोबाइल एप पर लोकेशन भी अपडेट कर रहे हैं। सत्यापन के समय इस बात की भी जानकारी एकत्र की जा रही है कि संबंधित युवा ने अपना कारोबार शुरू करने के बाद कितने लोगों को रोजगार दिया है। किस प्रकार का कारोबार शुरू किया है, ऋण लेते समय जिस उद्यम को स्थापित किए जाने की सहमति संबंधित युवा ने दी थी उसने वही उद्यम स्थापित किया है या नहीं। माह में कितनी कमाई हो रही है, जैसी जानकारियां भी एप पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। अगर किसी युवा ने ऋण ले लिया और कारोबार शुरू नहीं किया है तो उससे ऋण की राशि की वसूली की जाएगी।

बंगाल में बकरीद पर बकरे की कुर्बानी पर लगा ग्रहण, शुभेंदु सरकार ने बनाए कड़े नियम

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम बंगाल की नई नवेली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने राज्य में पशु वध को लेकर कड़े निर्देश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार ने बंगाल पशु वध नियंत्रण अधिनियम, 1950 और 2018 के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए एक नोटिस जारी किया है। इस नोटिस के अनुसार, अब अनिवार्य फिटनेस सर्टिफिकेट के बिना किसी भी मवेशी या भैंस के वध पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। भाजपा सरकार का यह आदेश बकरीद के ठीक पहले जारी किया गया है, जिससे बंगाल की सियासत गरमाने सकती है। आपको बता दें कि 26 मई को ईद उल-अजहा मनाया जाएगा, जिसमें बकरे की खुलेआम कुर्बानी दी जाती है। सरकार द्वारा स्पष्ट किया गया है कि फिटनेस सर्टिफिकेट जारी करने की प्रक्रिया काफी सख्त होगी। इसके लिए कई शर्तें अनिवार्य की गई हैं। यह प्रमाणपत्र किसी भी नगर पालिका के अध्यक्ष या पंचायत समिति के अध्यक्ष द्वारा सरकारी पशु चिकित्सा अधिकारी के साथ संयुक्त रूप से जारी किया जाएगा। दोनों अधिकारियों को लिखित रूप में इस बात पर सहमत होना होगा कि पशु वध के योग्य है। प्रमाणपत्र केवल तभी दिया जाएगा जब पशु की आयु 14 वर्ष से अधिक हो, वृद्धावस्था, चोट, विकृति या किसी लाइलाज बीमारी के कारण स्थायी रूप से अक्षम हो गया हो। राज्य सरकार ने सार्वजनिक स्लॉटर हाउस पर भी प्रतिबंध लगा दिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में जल आत्मनिर्भरता की ओर मध्यप्रदेश

6 हजार 201 करोड़ की लागत से 1.77 लाख जल संरक्षण कार्य पूर्ण

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी नेतृत्व में मध्यप्रदेश जल आत्मनिर्भरता का एक नया इतिहास लिख रहा है। प्रदेश की जल संरचनाओं के पुनरुद्धार और नवीन जल स्त्रोतों के निर्माण के उद्देश्य से शुरू किया गया जल गंगा संवर्धन अभियान अब अपने निर्णायक दौर में है। अभियान में न केवल लुप्त हो रही जल संरचनाओं को जीवनदान मिल रहा है, बल्कि वैज्ञानिक पद्धतियों से वर्षा जल के संग्रहण की क्षमता में भी ऐतिहासिक वृद्धि हुई है। प्रदेश में अब तक 1 लाख 77 हजार 121 जल संरक्षण संबंधी कार्यों को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है, जो राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पर्यावरणीय संतुलन के लिए एक सुखद संकेत है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा महात्मा गांधी नरेगा (मनरेगा) के समन्वय से संचालित इस विशाल अभियान के लिए राज्य सरकार ने व्यापक वित्तीय प्रावधान किए हैं। पूरे प्रदेश में कुल 2 लाख 42 हजार 188 कार्यों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके लिए 6,201.81 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस महत्वाकांक्षी योजना के क्रियान्वयन में अब तक 4,443.85 करोड़ रुपये का व्यय किया जा चुका है। अभियान का मुख्य उद्देश्य खेत का पानी खेत में और गांव का पानी गांव में रोकने की अवधारणा पर है, ताकि आगामी मानसून में वर्षा की हर बूंद का संचयन सुनिश्चित किया जा सके।

सूक्ष्म स्तर पर हो रही मॉनिटरिंग- अभियान के अंतर्गत कार्यों को विभिन्न श्रेणियों में विभाजित कर सूक्ष्म स्तर पर मॉनिटरिंग की जा रही है। विशेष रूप से डग वेल रिचार्ज (सूखे कुओं का पुनर्भरण) में प्रदेश ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, जहाँ 88,123 से अधिक कुओं को रिचार्ज करने का कार्य पूर्ण हो चुका है। इसी प्रकार, ग्रामीण क्षेत्रों में सिंचाई और पशुपालन की सुविधा के लिए 53,568 खेत तालाबों का निर्माण पूरा कर लिया गया है। जल संरक्षण और पुनर्भरण की अन्य विधियों के तहत 27,332 कार्य संपन्न हुए हैं। इसके अतिरिक्त, पर्यावरण को मजबूती देने के लिए वृक्षारोपण और स्कूलों में जल टैंकों की सफाई जैसे रचनात्मक कार्यों को भी इस अभियान का हिस्सा बनाया गया है। JSJB 2.0 (जल संचयन जल भागीदारी) पहल के तहत भी 10 लाख से अधिक कार्यों का पंजीकरण राज्य की सक्रियता को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभियान की सफलता को जन-भागीदारी का परिणाम बताया है। जल संरक्षण समाज के अस्तित्व से जुड़ा विषय है। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि इन स्थायी जल संरचनाओं के माध्यम से भू-जल स्तर को बढ़ाया जाए, ताकि भविष्य में पेयजल संकट का स्थायी समाधान हो सके और किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध हो। जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से मध्य प्रदेश आज देश के अन्य राज्यों के लिए जल प्रबंधन के क्षेत्र में एक मार्गदर्शक बनकर उभर रहा है।

खंडवा अग्रणी जिलों में शामिल- जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिलों के प्रदर्शन की नवीनतम रैंकिंग (14 मई, 2026) के अनुसार, खंडवा जिला 7.51 के स्कोर के साथ प्रदेश में प्रथम स्थान पर बना हुआ है। खंडवा में अब तक कुल 9,131 कार्य प्रारंभ किए गए हैं, जिनमें से 2,944 कार्य पूर्ण हो चुके हैं और 5,400 कार्यों की भौतिक पूर्णता सुनिश्चित की गई है। रैंकिंग में दूसरे स्थान पर खरगोन जिला (स्कोर 7.38) है, जिसने 81.17 प्रतिशत के साथ सबसे अधिक बुक्ड एक्सपेंडिचर (वित्तीय प्रगति) दर्ज की है। इसके पश्चात बड़वानी 7.23 के स्कोर के साथ तीसरे, उज्जैन 7.08 के स्कोर के साथ चौथे और राजगढ़ 6.90 के स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर है।

मुख्य आंकड़े एक नजर में=
कुल लक्षित कार्य = 2,42,188
पूर्ण हुए कार्य = 1,77,121
कुल स्वीकृत बजट = ?6,201.81 करोड़
खेत तालाब पूर्ण = 53,568
कुआं पुनर्भरण - 88,123

वकील की यूनिफॉर्म और HC में ममता की दलील... बार काउंसिल ने मांग ली प्रैक्टिस डिटेल, वकालत पर उठे सवाल

नई दिल्ली/ जीएनएस। बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कोलकाता हाई कोर्ट में वकील की पोशाक पहनकर पेश होने के बाद बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने पश्चिम बंगाल बार काउंसिल से उनकी वकालत से जुड़े सभी रिकॉर्ड मांगे हैं।

BCI ने कहा कि ममता बनर्जी 2011 से 2026 तक पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री रहीं और ऐसे में यह तथ्यात्मक रूप से स्पष्ट किया जाना जरूरी है कि इस दौरान उनकी वकालत की स्थिति क्या थी।

BCI ने बयान में क्या कहा- BCI ने अपने बयान में कहा कि वह अभी इस बात पर कोई राय नहीं दे रहा है कि मुख्यमंत्री रहते हुए अदालत में पेश होना नियमों के तहत सही था या नहीं, लेकिन राज्य बार काउंसिल से उनके नामांकन, प्रैक्टिस, किसी प्रकार के निलंबन और दोबारा प्रैक्टिस शुरू करने से जुड़े रिकॉर्ड की जांच कर जानकारी मांगी गई है।

बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने पश्चिम बंगाल बार काउंसिल को 16 मई तक रिपोर्ट सौंपने को कहा है। इसके साथ ही पूरे मामले से जुड़े मूल दस्तावेज सुरक्षित रखने का भी निर्देश दिया गया है।

BCI ने कहा है कि सारी जानकारी केवल आधिकारिक रिकॉर्ड के आधार पर दी जाए। इसमें नामांकन रजिस्टर, स्टेट रोल रिकॉर्ड, प्रैक्टिस सर्टिफिकेट, निलंबन या प्रैक्टिस बंद करने से जुड़े दस्तावेज और अन्य फाइल रिकॉर्ड शामिल होंगे।

इसके अलावा, राज्य बार काउंसिल के सचिव को सभी दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियां भेजने को कहा गया है। क्ष्ष्ठ्र ने यह भी निर्देश दिया कि मामले से जुड़े मूल रिकॉर्ड में किसी तरह का बदलाव, ओवरराइटिंग या पुनर्निर्माण नहीं किया जाए।

BCI ने कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो मूल दस्तावेजों का निरीक्षण भी किया जा सकता है। राज्य बार काउंसिल को पत्र मिलने के दो दिन के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया गया है।

ममता बनर्जी गुरुवार को कोलकाता हाई कोर्ट में पूरी वकीली पोशाक में पहुंची थीं। उन्होंने अपनी सफेद-नीली बॉर्डर वाली साड़ी के ऊपर काला कोट और सफेद बैंड पहना हुआ था।

ये तो भारत के लिए भी अच्छा नहीं है, ईरान ने यूएई का नाम लेकर क्यों कही ऐसी बात?

नई दिल्ली/ जीएनएस। ईरान के उप विदेश मंत्री काजिम गरीबाबादी इस समय भारत के दौरे पर हैं। नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों के अहम सम्मेलन से ठीक पहले उन्होंने पश्चिम एशिया के तनाव, भारत की भूमिका और वैश्विक व्यापार से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर खुलकर बात की है। काजिम गरीबाबादी ने स्पष्ट रूप से कहा कि संयुक्त अरब अमीरात ब्रिक्स समूह के अंदर पश्चिम एशिया विवाद पर एक आम सहमति बनने में बाधा डाल रहा है। ब्रिक्स का एक सदस्य देश लगातार इस बात पर जोर दे रहा है कि ईरान की निंदा की जाए। इसके जवाब में ईरान का कहना है कि उसने कभी अपने किसी पड़ोसी देश पर हमला नहीं किया। उलटे, इन अरब देशों ने अमेरिका को ईरान पर हमला करने के लिए अपने सैन्य अड्डे इस्तेमाल करने दिए हैं। ईरान का मानना है कि ब्रिक्स के अंदर ऐसी फूट दुनिया में गलत संदेश देगी, जो कि भारत की अध्यक्षता के लिए भी अच्छा नहीं है।

सिर कटे शव और बंद कमरों का रहस्य, कैमूर में टुकड़ों में मिले चार शवों ने उड़ाई पुलिस की नींद; सुराग पर 50 हजार इनाम

नई दिल्ली/ जीएनएस। कैमूर जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र में लगातार मिल रहे सिर कटे और टुकड़ों में शवों ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। पुलिस अब उन किराएदारों की तलाश में जुट गई है, जो पिछले कुछ दिनों से कमरा बंद कर अचानक गायब हो गए हैं।

दो अलग-अलग जगहों से चार शवों के टुकड़े मिलने के बाद पुलिस ने मकान मालिकों के लिए विशेष गाइडलाइन जारी की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस हर एंगल से जांच में जुटी है।

किराएदारों की तलाश में जुटी पुलिस- रामगढ़ थाना पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि ऐसे किराएदारों की जानकारी तुरंत थाने को दें, जो एक मई के बाद बिना सूचना दिए कमरा बंद कर गायब हो गए हैं।

बिहार में महागठबंधन की बल्ले-बल्लेः भोजपुर-बक्सर MLC उपचुनाव में JDU को झटका, RJD की जीत

आरा/ जीएनएस। भोजपुर-बक्सर स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र के विधान परिषद उपचुनाव के नतीजों को लेकर बना सस्पेंस आज खत्म होने वाला है।

राजकीय कन्या प्लस टू विद्यालय में गुरुवार सुबह 8 बजे से कड़ी सुरक्षा के बीच मतगणना की प्रक्रिया शुरू हो गई है। दोपहर तक यह साफ हो जाएगा कि क्षेत्र के मतदाता कन्हैया प्रसाद पर भरोसा जताते हैं या राजद के सोनू राय के सिर जीत का ताज सजता है। आरा-बक्सर एमएलसी चुनाव में महागठबंधन के प्रत्याशी सोनू राय के जीत की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है, उन्हें प्रमाण पत्र भी प्रदान कर दिया गया।

टोककला पटाखा विस्फोट कांड : प्रशासनिक लापरवाही पर उठे सवाल, अमलतास हॉस्पिटल बना घायलों के लिए सहारा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास जिले के टोककला गांव में स्थित पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया। हादसे में कई लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि अनेक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। धमाका इतना भयावह था कि उसकी आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी और कुछ ही पलों में घटनास्थल चीख-पुकार और अफरा-तफरी में बदल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार फैक्ट्री में अचानक तेज विस्फोट हुआ, जिसके बाद आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। हादसे के समय बड़ी संख्या में मजदूर फैक्ट्री के भीतर काम कर रहे थे। कई लोग मलबे में दब गए, जिन्हें स्थानीय ग्रामीणों, पुलिस और राहत-बचाव दल ने कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। घायलों को जिला अस्पताल सहित निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

इस दर्दनाक हादसे के बीच मानवता और संवेदनशीलता की मिसाल भी देखने को मिली। देवास के बांगर गांव स्थित अमलतास सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल ने गंभीर घायलों के उपचार की जिम्मेदारी मानवीय आधार पर संभाली। अस्पताल प्रबंधन ने तत्काल एंबुलेंस भेजकर राहत कार्य में सहयोग किया और कई गंभीर घायलों का निशुल्क उपचार शुरू कराया। अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टर देर रात तक जिला अस्पताल और उपचार केंद्रों पर मौजूद रहकर घायलों की चिकित्सा व्यवस्था में जुटे रहे। संकट की इस घड़ी में अमलतास हॉस्पिटल ने पीड़ित परिवारों के लिए राहत और उम्मीद का बड़ा सहारा बनने का काम किया।

घटना के बाद प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा सहित कई नेता घटनास्थल और अस्पताल पहुंचे। नेताओं ने घायलों के हालचाल जाने और मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर संवेदनाएं व्यक्त कीं।

वहीं संभाग आयुक्त आशीष सिंह, जिला कलेक्टर ऋतुराज सिंह और पुलिस अधीक्षक पुनीत गहलोत सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी अस्पताल पहुंचे और उपचार व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

ग्रामीणों और स्थानीय लोगों ने प्रशासन पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि फैक्ट्री लंबे समय से सुरक्षा नियमों की अनदेखी कर संचालित की जा रही थी। विस्फोटक सामग्री के भंडारण और सुरक्षा इंतजामों में भारी लापरवाही बरती जा रही थी, जिसकी शिकायतें पहले भी की गई थीं, लेकिन प्रशासन ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हादसे में मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। हालांकि ग्रामीणों और विपक्षी नेताओं ने इस सहायता राशि को अपर्याप्त बताते हुए मृतकों के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये की राहत राशि देने की मांग की है।

इसके साथ ही विपक्षी नेताओं और ग्रामीणों ने जिले में संचालित सभी पटाखा फैक्ट्रियों की सूक्ष्म जांच कराने तथा अवैध एवं असुरक्षित फैक्ट्रियों पर सख्त कार्रवाई की मांग उठाई है। इस हादसे ने प्रशासनिक निगरानी, सुरक्षा व्यवस्था और औद्योगिक मानकों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

फिलहाल राहत एवं बचाव कार्य जारी है और प्रशासन मृतकों व घायलों के आंकड़े जुटाने में लगा हुआ है। पूरे क्षेत्र में शोक, पीड़ा और आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

पीएम मोदी से मिले BRICS देशों के विदेश मंत्री, ईरान-रूस के भी शामिल

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को ब्रिक्स देशों के शीर्ष राजनयिकों की मेजबानी की। नई दिल्ली में इस प्रभावशाली समूह के विदेश मंत्रियों का एक अहम सम्मेलन शुरू हुआ। प्रधानमंत्री से संयुक्त रूप से मुलाकात करने वाले मेहमानों में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव, ईरान के अब्बास अराघची, ब्राजील के मौरो विएरा, इंडोनेशिया के सुगियोनो और दक्षिण अफ्रीका के रोनाल्ड लामोला शामिल थे।

भारत की मेजबानी में हो रही इस बैठक का महत्व और भी बढ़ गया है, क्योंकि यह प्रभावशाली समूह पश्चिम एशिया संकट के आर्थिक नतीजों, खास तौर पर ऊर्जा आपूर्ति में गंभीर रुकावटों, और व्यापार व टैरिफ को लेकर वॉशिंगटन की नीतियों से जूझ रहा है। ब्रिक्स के अध्यक्ष के तौर पर, भारत सितंबर में होने वाले समूह के सालाना शिखर सम्मेलन से पहले, गुरुवार से दो-दिवसीय सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। BRICS, जिसमें मूल रूप से ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल थे, का 2024 में विस्तार हुआ और इसमें मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात भी शामिल हो गए। वहीं इंडोनेशिया 2025 में शामिल हुआ।

बता दें कि यह एक प्रभावशाली समूह के तौर पर उभरा है, क्योंकि यह दुनिया की 11 प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ लाता है, जो वैश्विक आबादी का लगभग 49.5 प्रतिशत, वैश्विक GDP का लगभग 40 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार का लगभग 26 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करते हैं। BRICS बैठक की अध्यक्षता विदेश मंत्री एस. जयशंकर करेंगे।

AKVN के दिशा-सूचक बोर्ड पर अतिक्रमण, सार्वजनिक संपत्ति के दुरुपयोग पर उठे सवाल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में सार्वजनिक संपत्तियों के दुरुपयोग और नियमों की अनदेखी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ताजा मामला औद्योगिक केंद्र विकास निगम के दिशा-सूचक बोर्ड से जुड़ा है, जो कि इंदौर के सांवेर रोड स्थित औधोगिक क्षेत्र का है। जहां सरकारी दिशा-सूचक बोर्ड को प्रचार-प्रसार के माध्यम में बदल दिया गया। बोर्ड पर राजनीतिक प्रचार सामग्री और पोस्टर लगाए जाने से न केवल उसकी मूल उपयोगिता प्रभावित हुई है, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार औद्योगिक क्षेत्र में लगाए गए दिशा-सूचक बोर्ड का उद्देश्य आने-जाने वाले लोगों और उद्योगों को मार्गदर्शन देना था, लेकिन अब उस पर नेताओं के फोटो और प्रचार सामग्री चस्पा कर उसे विज्ञापन बोर्ड का रूप दे दिया गया है। नागरिकों का कहना है कि इस तरह की गतिविधियां आमतौर पर कुछ स्थानीय राजनीतिक कार्यकर्ताओं और स्वयंभू नेताओं द्वारा की जाती हैं, जो बड़े नेताओं की तस्वीरों का उपयोग कर अपनी राजनीतिक पहचान बनाने का प्रयास करते हैं।

क्षेत्रवासियों ने सवाल उठाया है कि यदि राजनीतिक प्रचार ही करना है तो इसके लिए नगर निगम और प्रशासन द्वारा मान्यता प्राप्त होर्डिंग्स एवं विज्ञापन स्थलों का उपयोग किया जाना चाहिए। सार्वजनिक संपत्ति पर इस तरह पोस्टर और बैनर लगाना नियमों के खिलाफ होने के बावजूद संबंधित विभागों द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किए जाने से लोगों में नाराजगी है।

नागरिकों का कहना है कि इस प्रकार के कृत्यों से शहर की सुंदरता और व्यवस्थाएं प्रभावित होती हैं। साथ ही यह भी आशंका जताई जा रही है कि कहीं न कहीं ऐसे मामलों में राजनीतिक संरक्षण या मौन सहमति भी हो सकती है, क्योंकि खुलेआम सरकारी बोर्डों का उपयोग प्रचार सामग्री के लिए किया जा रहा है और प्रशासन की ओर से कोई सख्त कदम नजर नहीं आ रहा।

विशेषज्ञों का मानना है कि दिशा-सूचक बोर्ड जैसी सार्वजनिक सुविधाओं पर अतिक्रमण केवल सौंदर्यीकरण का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह प्रशासनिक लापरवाही और नियमों के कमजोर पालन को भी दर्शाता है। यदि समय रहते ऐसे मामलों पर कार्रवाई नहीं हुई तो भविष्य में अन्य सार्वजनिक संपत्तियों का दुरुपयोग भी बढ़ सकता है।

अब देखना यह होगा कि शासन और प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं और सार्वजनिक संपत्तियों को अतिक्रमण एवं राजनीतिक प्रचार से मुक्त कराने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

आयुक्त ने जोन-15 में सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण, स्वच्छता में जनभागीदारी बढ़ाने की अपील

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने गुरुवार सुबह जोन क्रमांक-15 के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर स्वच्छता व्यवस्थाओं, नागरिक सुविधाओं और स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जोनल अधिकारी नदीम खान, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

आयुक्त ने दशहरा मैदान के सामने स्थित क्षेत्र, बैंक कॉलोनी उद्यान, महालक्ष्मी मंदिर परिसर, स्कीम नंबर-71 सेक्टर-सी, अन्नपूर्णा मंदिर क्षेत्र, गुमास्ता नगर, विश्वकर्मा नगर, उषा नगर, छत्रीपुरा चौराहा, महाराणा प्रताप उद्यान और गुलजार कॉलोनी सहित कई स्थानों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने सफाई व्यवस्था, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति, उद्यानों के रखरखाव और रहवासी एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने सीटीपीटी परिसरों में नियमित सफाई, पेयजल एवं प्रकाश व्यवस्था का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने, डस्टबिन की नियमित सफाई और कचरे के पृथक्करण की व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाए।

आयुक्त क्षितिज सिंघल ने शहर के उद्यानों में हरियाली संरक्षण, नियमित सिंचाई और साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी उद्यानों में सौंदर्यीकरण कार्य लगातार किए जाएं। साथ ही मंदिरों और प्रमुख चौराहों के आसपास विशेष सफाई अभियान चलाकर क्षेत्र को स्वच्छ और व्यवस्थित रखने के निर्देश भी दिए गए।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने उद्यानों और व्यावसायिक क्षेत्रों में नागरिकों से संवाद कर स्वच्छता अभियान में जनभागीदारी बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण को देखते हुए नगर निगम लगातार कार्य कर रहा है और शहर को बेहतर रैंक दिलाने में नागरिकों का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रगति नगर में 60 फीट सड़क निर्माण का शुभारंभ, महापौर ने स्वच्छता और सोलर ऊर्जा अपनाने का किया आह्वान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने पश्चिमी क्षेत्र के प्रगति नगर में 60 फीट चौड़ी नई सड़क निर्माण कार्य का भूमि पूजन कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक मधु वर्मा, एमआईसी सदस्य अभिषेक शर्मा बबलू, स्थानीय पार्षद प्रशांत बड़वे, नगर निगम अधिकारी, भाजपा पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि नई सड़क बनने से क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और नागरिकों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। उन्होंने क्षेत्रीय पार्षद प्रशांत बड़वे की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से वार्ड में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं और अब तक लगभग 30 करोड़ रुपये के विकास कार्य पूरे किए जा चुके हैं, जिससे क्षेत्र की आधारभूत सुविधाओं में व्यापक सुधार हुआ है।

महापौर ने कहा कि जिस तरह विजयनगर क्षेत्र में आधुनिक और आकर्षक चौराहों का विकास हुआ है, उसी प्रकार अब पश्चिमी क्षेत्र में भी सुंदर और सुव्यवस्थित चौराहे विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने प्रगति नगर और राजेंद्र नगर क्षेत्र के नागरिकों की जागरूकता की सराहना करते हुए कहा कि सार्वजनिक संपत्तियों के संरक्षण और स्वच्छता के प्रति नागरिकों की भागीदारी ने इंदौर को देश का आदर्श शहर बनाया है।

उन्होंने बताया कि सुबह जोन क्रमांक 14, 15 और 16 का निरीक्षण कर स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया गया। सिरपुर तालाब क्षेत्र में स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए गए हैं।

महापौर ने स्वच्छता को लेकर सख्त संदेश देते हुए कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। विशेष रूप से पालतू कुत्तों को घुमाने के दौरान गंदगी फैलाने वाले लोगों पर नगर निगम चालानी कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि इंदौर को देश का सबसे स्वच्छ शहर बनाए रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

इस दौरान महापौर ने नागरिकों से हर घर सोलर अभियान से जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि घरों में सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने से बिजली खर्च में कमी आएगी और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही शहर ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सकेगा।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने प्रधानमंत्री Narendra Modi की पर्यावरण संरक्षण संबंधी अपील का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने स्वयं निर्णय लिया है कि प्रत्येक शुक्रवार को नो कार डे के तहत दोपहिया वाहन से ही आवागमन करेंगे। उन्होंने नागरिकों से भी ईंधन बचत और प्रदूषण नियंत्रण के लिए ऐसी छोटी-छोटी पहल करने का आह्वान किया।

पशुपतिनाथ दर्शन यात्रा के लिए इंदौर से रवाना होगी भारत गौरव डीलक्स एसी ट्रेन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड IRCTC द्वारा मध्यप्रदेश के तीर्थ यात्रियों के लिए पशुपतिनाथ (नेपाल) दर्शन यात्रा का विशेष टूर पैकेज शुरू किया जा रहा है। इसके तहत भारत गौरव डीलक्स एसी ट्रेन 12 जून 2026 को इंदौर से रवाना होगी। यह यात्रा 9 रात और 10 दिनों की होगी, जिसमें यात्रियों को नेपाल के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे।

यह ट्रेन इंदौर, उज्जैन, शुजालपुर, सीहोर, रानी कमलापति, इटारसी, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी और सतना रेलवे स्टेशनों से होकर गुजरेगी, जहां से यात्री ट्रेन में सवार हो सकेंगे। यात्रा के दौरान यात्रियों को चितवन राष्ट्रीय उद्यान, पोखरा और काठमांडू सहित विभिन्न धार्मिक एवं दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा।

आईआरसीटीसी द्वारा इस यात्रा के लिए विभिन्न श्रेणियों में किराया निर्धारित किया गया है। 3एसी कम्फर्ट श्रेणी के लिए प्रति व्यक्ति 62 हजार 710 रुपये, 2एसी डीलक्स श्रेणी के लिए 76 हजार 550 रुपये तथा 1एसी सुपीरियर श्रेणी के लिए 90 हजार 400 रुपये शुल्क तय किया गया है। यह शुल्क डबल ऑक्यूपेंसी के आधार पर रहेगा।

आईआरसीटीसी के इस सर्वसमावेशी टूर पैकेज में भारत गौरव डीलक्स एसी ट्रेन में आरामदायक रेल यात्रा, ऑन-बोर्ड एवं ऑफ-बोर्ड भोजन, एसी बसों द्वारा स्थानीय भ्रमण, होटल आवास, टूर एस्कॉर्ट, यात्रा बीमा, सुरक्षा एवं हाउसकीपिंग जैसी सुविधाएं शामिल रहेंगी। विशेष बात यह है कि यात्रियों को ट्रेन में रेस्टोरेंट सुविधा के साथ भोजन उपलब्ध कराया जाएगा।

इच्छुक यात्री IRCTC Tourism Website-पर ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं। इसके अलावा अधिकृत एजेंटों के माध्यम से भी बुकिंग सुविधा उपलब्ध रहेगी। यात्रा से संबंधित अधिक जानकारी और बुकिंग के लिए 8287931729, 8287931624, 8287931711 एवं 9321901865 नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है।

सिविल सेवा की प्रारंभिक परीक्षा 24 मई को इंदौर के 27 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े की अध्यक्षता में आज संघ लोक सेवा आयोग नई दिल्ली द्वारा आयोजित सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा-2026 की तैयारियों के सम्बंध में बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान उन्होंने इस परीक्षा में संलग्न हों रहे अधिकारियों और केन्द्राध्यक्षों से कहा कि आयोग द्वारा निर्धारित निर्देशों का अक्षरशः पालन करना सभी के लिए आवश्यक है। आयोग द्वारा निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाओं व सुविधाओं के लिये संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने जानकारी प्राप्त करने के निर्देश है। बैठक में उपायुक्त राजस्व श्रीमती सपना लोवंशी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रमोद सिंह सहित नगर निगम, एमपीईबी, पोस्ट ऑफिस और कोषालय अधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में बताया गया कि संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा के लिए इंदौर में 27 केंद्र बनाए गए है।

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट के प्रयासों से सांवेर को मिली बड़ी सौगात

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट के प्रयासों से सांवेर विधानसभा क्षेत्र को बड़ी सौगात मिली है। सांवेर विधानसभा क्षेत्र में छोटे बच्चों, किशोरियों एवं गर्भवती महिलाओं के पोषण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा संबंधी सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से 1 करोड़ 35 लाख रुपये की लागत से 12 आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन द्वारा दी गई इस स्वीकृति से सांवेर क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि आंगनवाड़ी केन्द्र बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य एवं प्रारंभिक शिक्षा के साथ ही किशोर युवतियों, गर्भवती महिलाओं एवं शिशुओं की देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं नगरीय वार्डों में 1 करोड़ 35 लाख रुपये की लागत से इन 12 आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण से क्षेत्रवासियों को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी। उन्होंने बताया कि इन आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण हो जाने से छोटे बच्चों की पोषण एवं शिक्षा संबंधी आवश्यकताओं की आसानी से पूर्ति होगी। साथ ही महिलाओं एवं शिशुओं को शासन की विभिन्न योजनाओं का बेहतर लाभ भी मिल सकेगा।

बताया गया कि शहर क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 35 में भानगढ़ कांकड़, लसूडिया मोरी न्यू ग्राम, संत रविदास नगर, पंचवटी कांकड़, वार्ड क्रमांक 36 की मायाखेड़ी, वार्ड क्रमांक 76 में टिगरियाराव कनाडिया एवं कनाडिया हरिजन बस्ती सहित ग्रामीण क्षेत्र की ग्राम पंचायत कम्पेल, खुडैल बुजुर्ग, बुरानाखेड़ी एवं पंचोला में आंगनवाड़ी भवनों का निर्माण किया जाएगा। प्रत्येक आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण पर लगभग 11 लाख 22 हजार रुपये की लागत आएगी।

वरिष्ठ स्वयंसेवक महेंद्र केकरे का निधन, गार्ड ऑफ ऑनर के साथ दी गई अंतिम विदाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक महेंद्र जी केकरे का 82 वर्ष की आयु में बुधवार सायंकाल निधन हो गया। उनके निधन से संघ परिवार और सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। बाल्यकाल से ही संघ से जुड़े महेंद्र जी जीवनभर नियमित स्वयंसेवक के रूप में सक्रिय रहे और विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए संगठन एवं समाज सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

महेंद्र जी केकरे पूर्व में जिला माननीय संघचालक के दायित्व पर भी रहे। आपातकाल के दौरान उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष किया और 18 माह तक जेल में रहे। संघ कार्य और सामाजिक सरोकारों के प्रति उनका समर्पण सदैव प्रेरणादायी रहा।

उन्होंने अपने जीवन के अंतिम समय में भी समाज सेवा का संदेश देते हुए देहदान का संकल्प लिया, जिसे एक अनुकरणीय उदाहरण माना जा रहा है। उनके निधन के बाद गार्ड ऑफ ऑनर के साथ अंतिम विदाई दी गई। अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में स्वयंसेवक, समाजजन और शुभचिंतक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विभाग संघचालक डॉ. मुकेश मोढ़, प्रांत कार्यवाह विनीत नवाथे एवं सह कार्यवाह श्रीनाथ गुप्ता सहित अनेक पदाधिकारियों ने श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

महेंद्र जी केकरे की पावन स्मृति में श्रद्धांजलि सभा 15 मई को सायं 5:30 बजे से 6:30 बजे तक उनके निज निवास 14, रविंद्र नगर पर आयोजित की जाएगी।

पार्षद पुत्र ने की दफ्तर में घुसकर निगमकर्मी के साथ मारपीट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विजय नगर क्षेत्र की पानी की टंकी पर तैनात कर्मचारी को पार्षद पुत्र और उसके साथियों ने पीट दिया। इस घटना से आहत अन्य कर्मचारियों ने काम बंद कर दिया। इस कारण आसपास के क्षेत्रों में जलापूर्ति प्रभावित हो गई। यह घटनाक्रम सीसीटीवी में भी कैद हो गया, हालांकि इस घटनाक्रम का मामला पुलिस तक नहीं पहुंचा। पिटाई करने वाले अमित सोनी के पिता, पार्षद बालमुकुंद सोनी का कहना है कि कर्मचारी टंकी पर वाल्वमेन का काम करता है और वह शराब के नशे में थे और मेरे बेटे पर पानी चोरी करने का आरोप लगा रहा था। विजय नगर क्षेत्र की 114 पानी की टंकी पर कर्मचारी अभिषेक तैनात है। रात को दफ्तर में अमित सोनी और उसके साथी घुसे और कहासुनी के बाद उन्होंने अभिषेक को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद वे वहीं नहीं रुके और कर्मचारी पर थप्पड़ बरसाने शुरू कर दिया। उसके साथ झूमाझटकी भी की।

बाद में दूसरे कर्मचारियों ने बीच-बचाव कर अभिषेक को छुड़वाया। बुधवार सुबह जब मारपीट की घटना दूसरे कर्मचारियों को पता चली तो उन्होंने घटना के विरोध में काम नहीं किया। ये कर्मचारी वाल्व ऑपरेट करने और जलापूर्ति से जुड़े काम देखते हैं। काम बंद करने के कारण जब नल नहीं आए तो शिकायत नगर निगम कंट्रोल रूम तक पहुंची।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग को तकनीकी मदद देने वाला आरोपी गिरफ्तार, क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्राइम ब्रांच इंदौर ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर व्यापारियों और व्यवसायियों को धमकी देने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रोहित बर्रा उर्फ नाना निवासी महिदपुर सिटी जिला उज्जैन के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी गैंग का तकनीकी मास्टरमाइंड था और गैंग सदस्यों को वर्चुअल नंबर उपलब्ध कराने सहित तकनीकी सहायता देता था।

पुलिस के मुताबिक इंदौर शहर में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर धमकी देने के मामलों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर क्राइम ब्रांच की एसआईटी टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में पूर्व में गिरफ्तार आरोपी राजपाल चंद्रावत निवासी नागदा से पूछताछ के दौरान रोहित बर्रा उर्फ नाना की भूमिका सामने आई थी। एसआईटी टीम ने साइबर तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर तंत्र की सहायता से आरोपी को गिरफ्तार किया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह गैंग के अन्य सदस्य कुलदीप चौहान, सचिन उर्फ वेद प्रकाश शर्मा और राजपाल चंद्रावत को तकनीकी सहायता उपलब्ध कराता था। आरोपी वर्चुअल नंबर जनरेट करने का काम करता था, जिनका उपयोग धमकी भरे कॉल करने और अन्य गतिविधियों में किया जाता था।

जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म और तकनीकी माध्यमों का उपयोग कर गैंग की गतिविधियों में सहयोग कर रहा था। पुलिस आरोपी द्वारा इस्तेमाल किए गए तकनीकी संसाधनों और डिजिटल साक्ष्यों की विस्तृत जांच कर रही है।

क्राइम ब्रांच के अनुसार आरोपी रोहित बर्रा का पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है। उसके खिलाफ महिदपुर थाने में मारपीट, धमकी और अन्य धाराओं में पहले भी प्रकरण दर्ज हैं।

पुलिस ने बताया कि मामले में अपराध शाखा थाना इंदौर में अपराध क्रमांक 48/2026 और 50/2026 के तहत धारा 308(5) और 351(4) बीएनएस के अंतर्गत प्रकरण दर्ज है। आरोपियों से पूछताछ जारी है और विवेचना के दौरान अन्य महत्वपूर्ण खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

इस प्रकरण में पुलिस पूर्व में राजपाल चंद्रावत निवासी नागदा, सोनू उर्फ रितेश खंगार निवासी इंदौर और सचिन उर्फ वेद प्रकाश शर्मा निवासी उज्जैन को भी गिरफ्तार कर चुकी है।

कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर जिला प्रशासन एवं आरटीओ इंदौर ने की यात्री बसों की सघन जांच

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार इंदौर शहर में लोक परिवहन वाहनों की लगातार सघन जांच की जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को जिला प्रशासन एवं आरटीओ विभाग द्वारा तीन इमली चौराहा एवं राजकुमार ब्रिज के नीचे संयुक्त रूप से यात्री बसों की जांच अभियान चलाया गया।

जांच अभियान के दौरान बसों में ओवरलोडिंग, अधिक किराया वसूली, अवैध पार्किंग, इमरजेंसी एग्जिट, फायर सेफ्टी सिस्टम, आपातकालीन निकास व्यवस्था, पैनिक बटन, प्रेशर हॉर्न, जीपीएस, स्पीड गवर्नर तथा निर्धारित बैठक क्षमता से अधिक सवारियां बैठाने जैसे बिंदुओं की सूक्ष्मता से जांच की गई। साथ ही बसों के पंजीयन प्रमाण पत्र, बीमा, फिटनेस, परमिट एवं पीयूसी दस्तावेजों का भी परीक्षण किया गया। जांच में कई बसों में फायर सेफ्टी उपकरण खराब अथवा मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए। कुछ बसों के इमरजेंसी एग्जिट बंद मिले तथा मेडिकल किट भी उपलब्ध नहीं थी। कई बसें अवैध पार्किंग में खड़ी पाई गईं।

सघन कार्रवाई के दौरान बताया गया कि नियमों के उल्लंघन एवं परमिट शर्तों का पालन नहीं करने पर कुल 13 यात्री बसों पर कार्रवाई की गई, जिनमें से 11 बसें जब्त की गईं तथा 2 बसों के फिटनेस प्रमाण पत्र निरस्त किए गए। इसके अतिरिक्त 8 बसों से 80 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। जबकि शेष 3 बसों से लगभग 1 लाख 50 हजार रुपये का जुर्माना वसूला जाना प्रस्तावित है।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी शिवम वर्मा ने कुख्यात अपराधी गौरव भाट को रासुका में निरुद्ध करने का आदेश जारी किया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री शिवम वर्मा ने आपराधिक गतिविधियों में संलग्न रहने पर मोती तबेला निवासी कुख्यात अपराधी गौरव पिता बाबू भाट को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (रासुका) के तहत निरुद्ध करने के आदेश जारी किए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार गौरव भाट वर्ष 2006 से लगातार आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय रहा है। उसके विरुद्ध हत्या के प्रयास, मारपीट, अवैध हथियार रखने, अवैध वसूली, धोखाधड़ी, घर में घुसकर मारपीट, अवैध शराब बिक्री तथा प्राणघातक हमला जैसे गंभीर अपराध विभिन्न थानों में दर्ज हैं। कुख्यात अपराधी गौरव पिता बाबू भाट की आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण हेतु पूर्व में उसके विरुद्ध धारा 110 जाफौ एवं जिला बदर जैसी प्रतिबंधात्मक कार्रवाइयाँ भी की गई थीं, किंतु उसके व्यवहार में सुधार नहीं आया तथा वह लगातार अपराध करता रहा। उसकी गतिविधियों से आम नागरिकों में भय एवं असुरक्षा का वातावरण व्याप्त था। लोग उसके विरुद्ध शिकायत करने एवं गवाही देने से भी डरते हैं।

पुलिस को लगातार सूचना प्राप्त हो रही थी कि आरोपी एवं उसके सहयोगियों द्वारा क्षेत्र में दहशत फैलाकर राहगीरों, दुकानदारों एवं आम नागरिकों को धमकाया जा रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस द्वारा कई बार दबिश दी गई, किंतु आरोपी शातिर एवं चालाकी से मौके से फरार हो जाता था। दिनांक 19, 20 व 21 अप्रैल, 2026 को थाना पंढरीनाथ क्षेत्र के मोती तबेला एवं जयरामपुर कॉलोनी क्षेत्र में भ्रमण के दौरान स्थानीय नागरिकों ने आरोपी की गतिविधियों के संबंध में भय एवं असुरक्षा व्यक्त की। लोगों ने बताया कि आरोपी गौरव पिता बाबू भाट द्वारा लगातार धमकाने, डराने एवं मारपीट की घटनाओं के कारण व्यापारी, महिलाएँ, बच्चे एवं राहगीर स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। क्षेत्र में भय एवं आतंक का वातावरण निर्मित हो गया है।

आरोपी की निरंतर आपराधिक गतिविधियों, लोक व्यवस्था पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव तथा क्षेत्र की संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुए उसके विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के अंतर्गत निरोधात्मक कार्रवाई की गई है। पुलिस प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि सार्वजनिक शांति भंग करने वाले एवं आमजन में भय का वातावरण निर्मित करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध भविष्य में भी कठोर कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

वर्दी को किया शर्मसार! छुट्टी पर आते ही गुंडा बन जाता है ये फौजी, नीमच में जमकर मचाया तांडव

नीमच जिले में नशे में धुत फौजी और उसके साथियों ने राहगीरों को बेरहमी से पीटा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सरहद पर देश की रक्षा करने वाली वर्दी की धमक जब रक्षक से भक्षक बन जाए, तो जनता का भरोसा डगमगाने लगता है। मध्यप्रदेश के नीमच जिले से एक ऐसी ही शर्मनाक घटना सामने आई है, जहाँ सावन गांव का रहने वाला एक फौजी राहुल बावरी छुट्टी पर आते ही सेवा भूलकर %गुंडागर्दी% पर उतारू हो गया। आरोप है कि शराब के नशे में चूर इस फौजी और उसके गुर्गों ने सरेराह न सिर्फ लोगों को लहूलुहान किया, बल्कि उनकी गाड़ी में भी जमकर तोड़फोड़ की।

बीच सड़क बाइक अड़ाकर रोका रास्ता, फिर शुरू हुआ खूनी खेल- जानकारी के अनुसार, बुधवार दोपहर करीब 3=30 बजे फरियादी अभिषेक चंदेल अपने साथियों जगदीश, दुर्गा, वकील और गोमा बंजारा के साथ ईको कार (मारुति वैन) से नीमच की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनकी गाड़ी सावनकुंड के दूरभाष केंद्र के पास पहुंची, बिना नंबर की बाइक पर सवार मुकेश बावरी और श्यामलाल बावरी ने फिल्मी अंदाज में कार के सामने गाड़ी अड़ा दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार रुकते ही फौजी राहुल बावरी और उसके साथियों ने गालियां देना शुरू कर दिया। विरोध करने पर हमलावरों ने कार के शीशे चकनाचूर कर दिए और कार सवार बंजारा समाज के लोगों को खींचकर बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया।

इलाके में बावरी गैंग का खौफ, ग्रामीण बोले- निकालो जुलूस- सावन गांव और आसपास के इलाकों में बावरी समाज के कुछ युवकों का आतंक इस कदर बढ़ गया है कि आम राहगीरों का नीमच-मनासा मार्ग से गुजरना दूभर हो गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि ये युवक अक्सर शराब के नशे में धुत्त होकर राह चलते लोगों से मारपीट और लूटपाट करते हैं।

फौजी होने के रसूख के कारण राहुल बावरी का गांव में तगड़ा खौफ है।

दहशत के मारे कोई इनके खिलाफ मुंह खोलने की हिम्मत नहीं जुटा पाता।

पुलिस की कार्रवाई= फौजी समेत साथियों पर केस दर्ज - मामले की गंभीरता को देखते हुए नीमच सिटी थाना पुलिस ने तत्परता दिखाई है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत पर आरोपी फौजी राहुल बावरी, मुकेश बावरी और श्यामलाल बावरी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। इधर, आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि इन बदमाशों का सरेआम जुलूस निकाला जाए ताकि इलाके से इनकी गुंडागर्दी का खौफ खत्म हो सके।

सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार 2025-26 के लिए 20 मई तक आवेदन आमंत्रित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन आत्मा अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार दिए जाने हैं।

परियोजना संचालक आत्मा नीमच ने बताया कि जिले के सभी 3 विकासखंडों से पांच-पांच सर्वोत्तम किसान (कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं कृषि अभियांत्रिकी प्रत्येक क्षेत्र से 1-1) को 10,000/- का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। जिला स्तरीय पुरस्कार हेतु उक्त पांचों क्षेत्रों के प्रत्येक विजेता को 25,000/- का पुरस्कार दिया जाएगा।

आवेदन एवं चयन प्रक्रिया= अंतिम तिथि- विकासखंड स्तरीय एवं जिला स्तरीय कृषक पुरस्कार के लिए 20 मई 2026 तक प्रविष्टियां आमंत्रित की जाती हैं।

विकासखंड स्तर पर चयन= गठित चयन समिति द्वारा 30 मई 2026 तक विकासखंड स्तरीय सर्वोत्तम कृषक का चयन किया जाएगा।

राज्य स्तर पर प्रेषण= चयनित नाम जिला स्तरीय पुरस्कार हेतु राज्य स्तर पर परीक्षण के लिए 15 जून 2026 तक भेजे जाएंगे।

राज्य स्तर पर चयन= राज्य स्तरीय समिति द्वारा 30 जून 2026 तक अंतिम चयन किया जाएगा।

पुरस्कार वितरण= चयनित किसानों को प्रमाण पत्र सहित पुरस्कार 26 जनवरी 2027 को पूरे प्रदेश में एक साथ प्रदान किए जाएंगे।

चयन समिति- विकासखंड स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार के लिए गठित चयन समिति के अध्यक्ष कलेक्टर होंगे। परियोजना संचालक आत्मा सदस्य सचिव तथा उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन विभाग के जिला प्रमुख एवं कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी अधिकारी इस समिति में सदस्य बनाए गए हैं।

डॉ. मेहता ने जिले के किसानों तथा कृषक समूहों से इस पुरस्कार के लिए अधिक से अधिक आवेदन प्रस्तुत करने का आग्रह किया है। किसान भाई प्रत्येक विकासखंड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी/ब्लॉक टेक्नोलॉजी मैनेजर (B.T.M.) कार्यालय तथा संबंधित विभाग के कार्यालय से आवेदन पत्र प्राप्त कर पूर्ण रूप से भरकर बंद लिफाफे में 20 मई 2026 तक प्रस्तुत कर सकते हैं।

भगवान श्री शनिदेव जयंती पर खानपुरा शनि मंदिर पर महाप्रसादी का आयोजन होगा, तैयारियां प्रारंभ

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी खानपुरा स्थित भगवान श्री शनिदेव मंदिर खानपुरा पर शनि जयंती महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया जायेगा। दिनांक 16 मई शनिवार को शनि जयंती के उपलक्ष में प्रातः 6 बजे भगवान श्री शनिदेव की प्रतिमा पर तेलाभिषेक एवं विशेष पूजन होगा। उसके बाद प्रातः 10 बजे से लेकर रात्रि 11 बजे तक भगवान शनिदेव मंदिर पर दर्शन हेतु आने वाले धर्मावलंबियों हेतु समाजसेवी चयन कोमल बाफना परिवार के द्वारा महाप्रसादी का आयोजन होगा। लगभग 13 घण्टे तक अनवरत रूप से होने वाले इस महाप्रसादी के आयोजन में लगभग 25 हजार शनि भक्तों के पहुँचने की संभावना है। इस आयोजन की तैयारियां समाजसेवी कोमल बाफना परिवार के द्वारा प्रारंभ कर दी गयी है। भगवान शनिदेव मंदिर के पास स्थित खुले मैदान में धर्मावलंबियों को भोजन प्रसादी ग्रज़हण कराने हेतु विशाल पंडाल बनाया जा रहा है। पंडाल परिसर में महाप्रसादी तैयार करने हेतु 5 भट्टियां बनायी गयी हैं जहाँ शुक्रवार को महाप्रसादी तैयार करने का कार्य शुरू हो जायेगा। समाजसेवी कोमल बाफना परिवार ने सभी शनि भक्तों से महाप्रसादी महाप्रसादी के आयोजन में शामिल होने की विनती की है।

सेवा और संस्कार से समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने का संकल्पः विक्रांत खंडेलवाल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत विकास परिषद मध्य भारत रिजन के क्षेत्रीय संगठन मंत्री विक्रांत खंडेलवाल का बुधवार को नीमच आगमन हुआ। इस दौरान जिले की पांचों शाखाओं की सामूहिक बैठक आयोजित की गई, जिसमें परिषद के सेवा, संस्कार और राष्ट्र निर्माण के उद्देश्यों पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए विक्रांत खंडेलवाल ने कहा कि भारत विकास परिषद का मूल उद्देश्य पीड़ित मानवता की सेवा करना है। परिषद भारतीय संस्कृति के आदर्शों, राष्ट्रीय एकता, सर्वपंथ समभाव और विश्वबंधुत्व की भावना को आत्मसात करते हुए समाज के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि संगठन का संकल्प सेवा और संस्कार के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना है तथा प्रत्येक सदस्य को इस उद्देश्य के साथ समाज सेवा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

कार्यक्रम में सुनील लवंगीकर, सुनील सिंघल एवं राजेश गट्टानी मंचासीन रहे।

बैठक में परिषद की जावद, मनासा, नीमच मुख्य शाखा, विवेकानंद शाखा एवं सुभाष शाखा के पदाधिकारी और सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन सुशील गट्टानी ने किया। उन्होंने परिषद के प्रत्येक सदस्य से सदस्यता ग्रहण करते समय लिए गए संकल्प को सदैव स्मरण रखते हुए समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

नीमच में कलयुगी बेटे ने की माँ की हत्या!

स्टील के कड़े से किए ताबड़तोड़ वार, अदालत ने सुनाई उम्रकैद की सजा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मनासा से एक ऐसी खबर सामने आई हैज जिसे सुनकर हर किसी का दिल दहल जाएगा।

एक मां जिसने अपने बेटे को बचपन से पाल-पोसकर बड़ा कियाज उसी बेटे ने शराब और गुस्से में अपनी ही मां की हत्या कर दीज

और अबज करीब 5 साल बाद अदालत ने आरोपी बेटे को उम्रकैद की सजा सुनाई है।

मनासा के द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश आशुतोष यादव की अदालत ने आरोपी कैलाश सेन को धारा 302 के तहत दोषी मानते हुए आजीवन कारावास और 1000 रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है।

पूरा मामला मनासा तहसील के ग्राम चपलाना का है, घटना 23 फरवरी 2021 की रात करीब 11 बजे की बताई गई है।

जांच में सामने आया कि आरोपी कैलाश सेन शराब पीने का आदी था- गांव में आए दिन झगड़ा, मारपीट और उत्पात करता था- इतना ही नहींज पत्नी भी मारपीट से परेशान होकर कई साल पहले मायके चली गई थी, परिवार के लोग आरोपी के आतंक से इतने परेशान हो चुके थे कि उसके पिता, भाई और अन्य सदस्य गांव छोड़कर दूसरे गांव में रहने चले गएज्लेकिन मांज सोहनबाईज अपने बेटे को छोड़कर नहीं गई।

वो उसी बेटे के साथ घर में रहती रहीज्शायद उसे उम्मीद थी कि एक दिन उसका बेटा सुधर जाएगा।

लेकिन किसे पता थाजजिस बेटे के लिए मां ने सब सहा, वही उसकी मौत की वजह बन जाएगा, घटना वाली रात आरोपी कैलाश ने अपनी मां के सिर और कनपटी पर स्टील के कड़े से हमला कर दिया, हमला इतना गंभीर था कि मां लहूलुहान होकर गिर पड़ी, बाद में खुद आरोपी ने ही परिवार को सूचना दीज100 डायल की मदद से घायल मां को पहले मनासा अस्पताल और फिर उदयपुर रेफर किया गयाज्लेकिन इलाज के दौरान सोहनबाई ने दम तोड़ दिया, पुलिस जांच में हत्या में इस्तेमाल किया गया स्टील का कड़ा भी जब्त किया गया, वैज्ञानिक और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में चालान पेश किया।

विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष ने सभी गवाहों और सबूतों के जरिए अदालत को बताया कि आरोपी लगातार हिंसक व्यवहार करता था और अपनी मां के साथ भी मारपीट करता था।

आखिरकारज अदालत ने इस जघन्य हत्या को गंभीर अपराध मानते हुए आरोपी बेटे को उम्रकैद की सजा सुना दी।

ये कहानी सिर्फ एक हत्या की नहींज्ये उस मां के टूटे भरोसे की कहानी हैज्जो आखिरी सांस तक अपने बेटे को नहीं छोड़ सकी। लेकिन उसी बेटे ने उसकी जिंदगी छीन लीज।

देश एवं प्रदेश की अनोखी औषधीय मण्डी के रूप में सुप्रसिद्ध है नीमच मण्डी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा जिला नीमच के निर्देशन में कृषि उपज मंडी समिति, नीमच द्वारा कृषकों की उपज की नियत समय पर नीलामी, शीघ्र तौल एवं भुगतान व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए वर्ष 2025-26 में बहुआयामी एवं उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं।

प्रमुख उपलब्धियां= राजस्व एवं आवक में अभूतपूर्व वृद्धि=वर्ष 2024-25 की तुलना में 2025-26 में आवक 64,16,201 क्विंटल से बढ़कर 72,40,492 क्विंटल हुई, जो 13 प्रतिशत की वृद्धि है। मंडी शुल्क 33.02 करोड़ से बढ़कर 34.58 करोड़ हुआ, जिसमें 1.56 करोड़ (+5 प्रतिशत) की वृद्धि दर्ज की गई। ई-अनुज्ञा पोर्टल पर विलंब शुल्क एवं ब्याज के रूप में 1.73 लाख की अतिरिक्त वसूली की गई है।

पारदर्शी नीलामी से रिकॉर्ड राजस्व= नवीन मंडी प्रांगण डुंगलावदा में 248 भू-खण्डों की पारदर्शी नीलामी से अपसेट वैल्यू 5.02 करोड़ के विरुद्ध 55.81 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ। उड़नदस्ता कार्रवाई से 36 प्रकरणों में 3.68 लाख वसूले गए है।

अधोसंरचना एवं तकनीकी उन्नयन= नवीन मंडी प्रांगण को हाई टेक मंडी के रूप में विकसित किया जा रहा है। किसानों हेतु आर.ओ. संयंत्र स्थापित किए गए हैं।

मुख्य मंडी, नवीन मंडी एवं उप मंडी जीरन को सी.सी.टी.वी. सर्विलांस युक्त किया गया तथा फायर फाइटर लगाए गए। दो बड़े इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटों से सीधे गोदाम डिलीवरी की व्यवस्था प्रारंभ की गई। बिजनेस एग्रो मॉल का प्रस्ताव स्वीकृति हेतु वरिष्ठालय प्रेषित किया गया। नवीन मंडी डुंगलावदा-चंगेरा एवं उपमंडी जीरन हेतु शासकीय भूमि आवंटन की कार्यवाही प्रचलित है।

ई-मंडी एवं औषधि उपजों का सशक्तिकरण= गेहूं, जौ, मक्का, सोयाबीन, लहसुन, धनिया, रायड़ा सहित प्रमुख उपजों का ई-मंडी से घोष विक्रय प्रारंभ किया गया। अन्य उपजों को भी शीघ्र जोड़ना प्रस्तावित है।

नीमच मंडी औषधि एवं मसाला फसलों का प्रमुख केंद्र है। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के प्रयासों से चिया सीड, किनोवा सहित कुल 26 औषधि/वन उपजों को ई-अनुज्ञा पोर्टल पर अधिसूचित करवाया, जिससे किसानों-व्यापारियों को विक्रय में सुविधा हुई।

औषधि मंडी हेतु केंद्रीय अनुदान= मुख्य मंडी प्रांगण के औषधि मंडी के उन्नयन हेतु केंद्र सरकार राष्ट्रीय पादप बोर्ड द्वारा 5.50 करोड़ का अनुदान स्वीकृत किया गया है। मंडी समिति द्वारा किए गए उक्त कार्यों से पारदर्शिता, राजस्व वृद्धि, कृषक सुविधाओं का विस्तार एवं औषधि-मसाला उपजों के व्यापार को राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहन मिला है। यह प्रदेश में मंडी व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण का उत्कृष्ट उदाहरण है।

नीमच कृषि उपज मंडी- देश की एकमात्र ऐसी मंडी जहां औषधीय फसलों की बोली लगाकर सार्वजनिक नीलामी होती है। इस मण्डी में 65+ प्रकार की औषधीय फसलें ङ्क अश्वगंधा, सफेद मूसली, गिलोय, चिया सीड, किनोवा, नागरमोथा, अकरकरा, बेल फल, गुलाब की सूखी पत्ती, भटकटैया कांटे, नीम की पत्ती, संतरे के छिलके तक नीलामी के लिए आते है। गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान समेत कई राज्यों के किसान यहां आते हैं। इसे भारत की अनोखी औषधी मंडी कहा जाता है।

नीमच मंडी को खास क्या बनाता है- नीमच देश की पहली मंडी है जहां कांटे, पत्ती, छिलके सब बिकते हैं। यहां उपज के आधार पर 500 रुपये से 2 लाख रुपये तक के भाव मिलते हैं। अप्रैल के बाद यहां आवक दोगुनी हो जाती है।

अगर आप किसान हैं और औषधीय फसल उगाते हैं, तो म.प्र. सरकार के नए आदेश के बाद अब 15 औषधीय फसलें प्रदेश की सभी मंडियों में बिक सकेंगी। फिर भी सबसे बड़े भाव और देशभर के खरीदार नीमच मंडी में ही उपलब्ध होते है। उक्त जानकारी मण्डी सचिव नीमच श्री उमेश बसेडिया शर्मा ने दी है।

हर घर जल योजना के सभी कार्य जून तक पंचायतों को हैंडओवर करें

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर अदिति गर्ग की अध्यक्षता में सुशासन भवन स्थित सभागार में निर्माण विभाग से जुड़े सभी विभागों के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित निर्माण एवं विकास कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि हर घर जल योजना अंतर्गत जिले में संचालित सभी कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करते हुए जून माह तक शत-प्रतिशत पंचायतों को हैंडओवर किया जाए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को इसके लिए स्पष्ट कार्ययोजना बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए।

विद्युत विभाग को निर्देशित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि गर्मी एवं वर्षा काल को देखते हुए कंट्रोल रूम को हमेशा सक्रिय रखा जाए। साथ ही 33 केवी केंद्र, केवी लाइन, सब स्टेशन तथा नए ट्रांसफार्मर स्थापना के कार्यों को शीघ्र पूर्ण किया जाए। बैठक में जल निगम के कार्यों की फेसवाइज समीक्षा करते हुए डब्ल्यूटीपी कार्य, इंटकवेल, सप्लाई लाइन, पाइपलाइन, हाउस सर्विस कनेक्शन एवं अन्य कार्यों की प्रगति की जानकारी ली गई। जल संसाधन विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाओं की प्रगति प्रतिदिन प्रस्तुत की जाए। साथ ही ग्राम स्तर पर जल उपभोक्ता समितियों का गठन कर उनके संचालन हेतु संबंधित जनपद सीईओ को प्रभारी बनाया जाए। इसके अतिरिक्त बैठक में लोक निर्माण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आयुष विभाग, जल संसाधन विभाग, ब्रिज, आरईएस तथा योजना एवं सांख्यिकी विभाग के निर्माण सांसद एवं विधायक निधि वाले कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

स्वर्ण कलश चढ़ते ही शंखध्वनि और जयघोष से गूंज उठा खेड़ापति बालाजी धाम

दिव्यता के अद्भुत उत्सव में उमड़ा आस्था का जनसैलाब, सेवाभावियों का हुआ सम्मान, हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण की प्रसादी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गरोठ की पावन धरती गुरुवार को भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास के अनुपम संगम की साक्षी बनी। नव निर्मित खेड़ापति बालाजी मंदिर में स्वर्ण कलशारोहण, राम दरबार एवं शीतला माता की प्राण प्रतिष्ठा, पंचकुण्डीय महायज्ञ की पूर्णाहुति, विशाल भंडारा तथा सहयोगकर्ताओं के सम्मान समारोह का भव्य आयोजन हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। पूरा मंदिर परिसर वैदिक मंत्रोच्चार, शंखध्वनि और जयकारों से गुंजायमान रहा।

आयोजन निरंजन पंचायती अखाड़ा, हरिद्वार मायापुर के पीठाधीश्वर 1008 स्वामी महामंडलेश्वर मधुसूधानंद गिरी महाराज के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। आयोजन के दौरान कालवा स्थान के संत बालकदास महाराज, गरोठ विधायक चंदरसिंह सिसोदिया सहित अनेक संत, समाजसेवी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान श्रद्धालुओं की आस्था देखते ही बन रही थी। मंदिर शिखर पर स्वर्ण कलश स्थापित होते ही वातावरण जय श्री राम और बालाजी महाराज की जय के उद्घोष से गूंज उठा। इसके साथ ही राम दरबार एवं शीतला माता की प्रतिमाओं की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न कराई गई।

मुख्य यजमान के रूप में ओमप्रकाश अग्रवाल एवं श्रीमती गीता अग्रवाल उपस्थित रहे। खेड़ापति बालाजी मंदिर सेवा समिति अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल सहित महायज्ञ के सभी यजमानों ने पूजा-अर्चना में सहभागिता की। आचार्य पंडित जगदीश व्यास, शामगढ़-असावती द्वारा वैदिक रीति-रिवाजों के साथ सभी धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न कराए गए। धार्मिक आयोजन का सबसे भावपूर्ण क्षण पंचकुण्डीय महायज्ञ की पूर्णाहुति का रहा, जब श्रद्धालुओं ने यज्ञ में आहुतियां देकर परिवार और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। विधायक चंदरसिंह सिसोदिया ने मात्र सात माह में मंदिर निर्माण पूर्ण होने पर समिति और क्षेत्रवासियों की सराहना करते हुए इसे जनसहयोग और आस्था का अद्भुत उदाहरण बताया। खेड़ापति बालाजी मंदिर सेवा समिति अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल ने बताया कि मंदिर निर्माण का सपना प्रारंभ में डेढ़ वर्ष में पूरा होने की कल्पना के साथ शुरू हुआ था, लेकिन क्षेत्रवासियों और श्रद्धालुओं के सहयोग, सेवा भावना और समर्पण ने इस कार्य को अभूतपूर्व गति दी। परिणामस्वरूप मात्र सात माह में मंदिर का भव्य निर्माण पूर्ण हो सका। पूर्णाहुति अवसर पर मंदिर निर्माण और आयोजन में विशेष सहयोग देने वाले सहयोगकर्ताओं का सम्मान भी किया गया। इसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। भंडारे में मावा बटरस्कॉच बर्फी, श्रीखंड, रतलामी सेव, सब्जी-पूड़ी सहित विभिन्न व्यंजनों की व्यवस्था की गई थी। अनुमानतः दस हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण कर धर्मलाभ प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि चार दिवसीय धार्मिक महोत्सव के अंतर्गत हेमाद्रि प्रायश्चित, संकल्प, पंचांग पूजन, जल यात्रा, मंडप प्रवेश, गणपति पूजन, देव आह्वान, मूर्ति संस्कार, जलाधिवास, देव पूजन, अग्नि स्थापना, अभिषेक एवं भव्य शोभायात्रा सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान विधिविधान से सम्पन्न हुए। रात्रिकालीन अनुष्ठानों के दौरान मंदिर परिसर दीपों की रोशनी और भक्ति रस से सराबोर दिखाई दिया।

पटेल चौराहा रास्ता खुलवाने एवं रेल्वे स्टेशन के पुराने दोनों रास्ते खुलवाने के मामले में न्यायालय में सिविल वाद दायर हुआ, सुनवाई हेतु स्वीकार

महाप्रबंधक पश्चिम रेल्वे, कलेक्टर मन्दसौर एवं नगर पालिका मन्दसौर को दोनों मामलों में अलग अलग नोटिस जारी, अगली सुनवाई 22 जून को होगी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मन्दसौर के सरदार पटेल चौराहा के रास्ता खुलवाने एवं रेल्वे स्टेशन के पुराने दोनों रास्ते खुलवाने के मामले में सामाजिक कार्यकर्ता एवं अभिभाषक डॉ राघवेन्द्रसिंह तोमर एवं तनुऋषि राठौर ने अपने अभिभाषक महेश कुमार मोदी के माध्यम से केन्द्र एवं राज्य सरकार के खिलाफ न्यायालय श्रीमान चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड मन्दसौर न्यायाधीश श्री उत्कर्षराज सोनी के न्यायालय में 8 मई को अलग अलग दो सिविल वाद दायर किये थे, जिन्हें न्यायालय ने 13 मई 2026 सुनवाई हेतु स्वीकार किया है। वादीगण ने रेल्वे स्टेशन वाले मामले में भारत शासन एवं मध्यप्रदेश शासन व नगर पालिका व सर्वसाधारण के विरुद्ध तथा सरदार पटेल चौराहा रास्ते वाले मामले में मध्यप्रदेश शासन व नगर पालिका एवं सर्वसाधारण के विरुध्द वाद वास्ते पब्लिक न्यूसेंस हटाने के लिए स्थाई निषेधाज्ञा बाबत सिविल दावा प्रस्तुत किया। साथ ही वाद प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए आदेश 1 नियम 8 सीपीसी एवं धारा 80 (2) सीपीसी के अंतर्गत अलग अलग दोनों सिविल वाद में आवेदन प्रस्तुत किये गए जिन्हें माननीय न्यायालय ने स्वीकार किया एवं भारत शासन को महाप्रबंधक पश्चिम रेल्वे मुम्बई,मध्यप्रदेश शासन को कलेक्टर मन्दसौर के माध्यम से नोटिश भेजा गया है । माननीय न्यायालय द्वारा सर्वसाधारण के लिए विज्ञप्ति प्रकाशन का भी आदेश किया गया है।

मामले की जानकारी देते हुए डॉ. तोमर एवं राठौर के अभिभाषक महेश कुमार मोदी ने बताया कि पहले नोटिश भेज दिया गया था उसके न्यायालय में सिविल वाद प्रस्तुत किया है। माननीय न्यायालय ने दोनों मामले में प्रस्तुत अलग अलग दोनों सिविल वाद को सुनवाई हेतु स्वीकार कर लिया है। डॉ तोमर एवं श्री मोदी ने बताया कि लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल चौराहा (बीपीएल चौराहा) पर जिला प्रशासन द्वारा मुख्य डाकघर,जैन मंदिर, अफीम गोदाम, नई आबादी, जनपद पंचायत,कमला नेहरू स्कूल,कृषि विभाग कार्यालय,गीताभवन, अभिनंदन, संजीत रोड़ आदि जाने वाले वर्षों पुराने अत्यंत व्यस्ततम रास्ते को स्थाई अवरोधक लगाकर बिना किसी उचित कारण के रोक दिया गया है। जिस कारण इस रास्ते से नियमित रूप से आने जाने वाले हजारों नागरिकों को बहुत ही कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस सम्बंध में बार बार पत्र आदि लिखने के बाद तपती धूप में आंदोलन होने के बाद भी रास्ता नहीं खोला जाना जन विरोधी निर्णय होकर बाधा उत्पन्न करने वाला निर्णय है।

डॉ तोमर एवं श्री मोदी ने बताया कि इसी प्रकार स्थानीय रेल्वे प्रशासन द्वारा आरक्षण केन्द्र वाले गेट को बंद कर दिया है। साथ ही वर्षों पुराने रास्ते को चुकी है। डॉ तोमर, श्री मोदी ने बताया कि एवं भी अवरोध लगाकर बंद कर दिया है। उन्होंने बताया कि मन्दसौर को पूरी दुनिया में भगवान पशुपतिनाथजी की पवित्र नगरी रूप में जाना पहचाना जाता है। दूर दूर से यात्रीगण बड़ी संख्या में ट्रेन के माध्यम अपना सफर तय करके मन्दसौर पधारते है। लेकिन मन्दसौर रेल्वे स्टेशन की भारी अव्यवस्थाओं के कारण ट्रेन का लंबा सफर तय कर स्टेशन पर उतरने वाले यात्रियों को बाहर निकलने के लिए भारी मसक्कत करनी पड़ती है साथ ही मन्दसौर से ट्रेन पकड़ने वाले यात्रिओं को अपना सामान लेकर ट्रैफिक अव्यवस्थाओं के बीच से बड़ा संघर्ष कर स्टेशन तक पहुंचना पड़ता है। क्योंकि रेल्वे के स्थानीय प्रशासन की हठधर्मिता एवं मनमानी के चलते रेल्वे स्थानीय प्रशासन ने कुछ लोगों को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए स्टेशन परिसर जो कि बड़ा परिसर है, उसमें जबरन ऑटो रिक्शा, ई रिक्शा एवं अन्य वाहनों को प्रवेश लेने से रोक दिया है। जिस कारण सभी वाहन सकरे रास्ते पर दोनों ओर से आकर खड़े हो जाते है जिस कारण यात्रियों को स्टेशन जाने और आने में बड़ी मसक्कत करनी पड़ती है तथा कई बार यात्रियों की ट्रेन छूट जाती है। डॉ तोमर श्री मोदी ने बताया कि अव्यवस्थित यातायात व्यवस्था एवं रेल्वे के स्थानीय प्रशासन के तानाशाही पूर्ण रवैये के कारण कई बार यहां पर दुर्घटनाएं, लड़ाई झगड़े, मारपीट तक कि स्थिति बन जाती है। ऑटो रिक्शा, ई रिक्शा एवं अन्य छोटे वाहन एक साथ दोनों ओर से आने पर भयंकर जाम लग?ने से यात्रिओं का पैदल निकलना तक मुश्किल हो रहा है। घटनाये दुर्घटनाए लगातार बढ़ रही है। जनहित में इस मामले में तत्काल निर्णय लेना अत्यंत आवश्यक हो गया है। दोनों मामलों में अगली सुनवाई तारीख 22 जून 2026 प्रतिवादीगण की उपस्थिति एवं लिखित उत्तर हेतु तय हुई है।

सम्पादकीय

दवा नहीं, जहर का कारोबार: भारत की साख पर संकट

पिछले दिनों सामने आई खबरों ने पूरे देश को चिंता और बेचैनी में डाल दिया कि जीवनरक्षक और सामान्य उपयोग की अनेक दवाइयां गुणवत्ता के मानकों पर खरी नहीं उतरीं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा जारी ड्रग अलर्ट में जिन दवाओं के नमूने फेल पाए गए, उनमें हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मिर्गी, संक्रमण, विटामिन सप्लीमेंट और कफ सिरप जैसी आम उपयोग की दवाएं भी शामिल थीं। यह कोई सामान्य प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि मानव जीवन के साथ किया जा रहा ऐसा खतरनाक खिलवाड़ है, जिसने देश की स्वास्थ्य सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। जिस दवा को रोगी जीवन बचाने की आशा में खरीदता है, वही यदि उसके शरीर में जहर का काम करने लगे तो यह केवल चिकित्सा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के पतन की पराकाष्ठा है। विडंबना यह है कि दवाओं के निर्माण और वितरण के लिए देश में कठोर नियम, निरीक्षण और परीक्षण की व्यवस्थाएं मौजूद हैं। कच्चे माल की गुणवत्ता से लेकर उत्पादन प्रक्रिया तक कई स्तरों पर जांच होती है, फिर भी बड़ी-बड़ी नामी कंपनियों की दवाइयां यदि अमानक पाई जाती हैं तो यह साफ संकेत है कि कहीं-न-कहीं मुनाफे की अंधी दौड़ ने नैतिकता और मानवता को कुचल दिया है। यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि जिन लोगों पर समाज की जिंदगी बचाने की जिम्मेदारी है, वही लोग अपने स्वार्थ के लिए लोगों की जिंदगी दांव पर लगा रहे हैं।

भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी दवा उत्पादन शक्तियों में शामिल है। भारतीय दवाइयां अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, एशिया और मध्य-पूर्व के अनेक देशों में निर्यात होती हैं। भारत को ÷फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड÷ कहा जाता है क्योंकि सस्ती और प्रभावी दवाओं की आपूर्ति में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने वैक्सीन और आवश्यक दवाइयों की आपूर्ति कर पूरी दुनिया में अपनी विश्वसनीयता और मानवीय प्रतिबद्धता का परिचय दिया था। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुडुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं। यानी एक-दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। यूं कहें कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की प्रतिष्ठा को धक्का लगता है और दुनिया भारतीय दवा उद्योग को संदेह की दृष्टि से देखने लगती है। यह स्थिति ऐसे समय में सामने आ रही है जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 तक स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर विकसित भारत का सपना साकार करने की दिशा में अनेक नए आयाम स्थापित कर रहा है। भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधारों के माध्यम से देश वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। भारत को विश्वगुरु बनाने का सपना केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि नैतिकता, गुणवत्ता और विश्वसनीयता से भी जुड़ा हुआ है। यदि जीवनरक्षक दवाओं में ही मिलावट और घटियापन सामने आएगा, तो यह सारे सकारात्मक प्रयासों पर धब्बा लगाने जैसा होगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार दवा नियंत्रण व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाए। केवल औपचारिक निरीक्षण और समय-समय पर जारी होने वाले ड्रग अलर्ट पर्याप्त नहीं हैं। दवा निर्माण इकाइयों की नियमित और पारदर्शी जांच होनी चाहिए। जिन कंपनियों की दवाएं बार-बार मानकों पर फेल होती हैं, उनके लाइसेंस तुरंत रद्द किए जाएं और उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई हो। दवा माफिया और नकली दवा बनाने वाले गिरोहों के खिलाफ विशेष अभियान चलाए जाने चाहिए। यह भी जरूरी है कि दोषियों को केवल आर्थिक जुर्माने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें कठोर कारावास की सजा दी जाए ताकि दूसरों के लिए भी कड़ा संदेश जाए। यह भी एक गंभीर चिंता का विषय है कि कई बार राज्य सरकारें और नियामक एजेंसियां प्रभावशाली दवा कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करने से बचती दिखाई देती हैं। धनबल और प्रभाव के कारण जांच प्रक्रियाएं धीमी पड़ जाती हैं और अंततः आम जनता ही इसकी कीमत चुकाती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक शासन और प्रशासनिक जवाबदेही दोनों के लिए खतरनाक है।

रोगी इस उम्मीद में दवा लेते हैं कि इससे उनकी बीमारी ठीक होगी। लेकिन यह पता लगे कि जिन दवाइयों का वे सेवन कर रहे हैं वे दवा नहीं बल्कि जहर के रूप में बाजार में आ गई हैं तो क्या बीतेगी? हिंदुस्तान में आज लाखों लोगों को ये दवाएं जीवन-रक्षा नहीं दे रही है बल्कि मार रही है, इंसान का लोभ एवं लालच इंसान को मार रहा है। ऐसे स्वार्थी लोगों एवं जीवन से खिलवाड़ करने वालों को राक्षस, असुर या दैत्य कहा गया है जो समाज एवं राष्ट्र में तरह-तरह से स्वास्थ्य सुरक्षा के नाम पर मौत बांट रहे हैं। अमानक एवं गुणवत्ता में दोषपूर्ण पाई गई इन दवाओं में कई नामी कंपनियों की दवाएं भी शामिल हैं। दवा उद्योग केवल व्यापार नहीं है, यह विश्वास का उद्योग है। यहां नैतिकता का महत्व सबसे अधिक होना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से आज लालच और मुनाफाखोरी ने इस क्षेत्र में भी गहरी जड़ें जमा ली हैं। नकली इंजेक्शन, मिलावटी दवाएं, एक्सपायरी दवाओं की री-पैकेजिंग और घटिया कच्चे माल के उपयोग जैसी घटनाएं यह साबित करती हैं कि समाज में संवेदनाओं का स्रोत सूखता जा रहा है। इंसान केवल अपने लाभ के लिए दूसरों की जिंदगी से खेलने को तैयार हो गया है। यह केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक पतन का भी संकेत है। आवश्यकता इस बात की भी है कि आम जनता को दवाओं के प्रति जागरूक बनाया जाए। दवा खरीदते समय बिल लेना, पैकेजिंग और निर्माण तिथि की जांच करना, संदिग्ध दवाओं की शिकायत संबंधित विभागों को करना और बिना चिकित्सकीय सलाह के दवाओं का सेवन न करना, ये सब छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कदम हैं। मेडिकल स्टोरों की भी नियमित निगरानी होनी चाहिए ताकि नकली या घटिया दवाओं की बिक्री रोकी जा सके। दवाओं की गुणवत्ता से खिलवाड़ दवा निर्माता कम्पनियों का एक घिनौना, क्रूर एवं अमानवीय चेहरा ही है जो मनुष्य के स्वास्थ्य को चैपट कर रहे हैं।

सहज योग: आत्मिक उन्नति का मार्ग

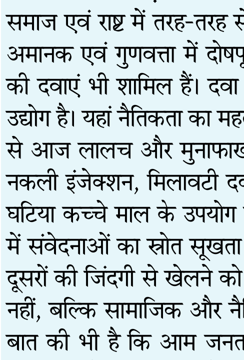

नियमित ध्यान आत्मिक प्रगति का आधार है। यदि हम ध्यान नहीं करते, तो अपने भीतर विद्यमान शक्ति, शांति और आनंद का वास्तविक अनुभव नहीं कर पाते। सहज योग हमें स्वयं को जानने तथा अपनी कुंडलिनी की जागृति और उसकी शीतल स्पंदनों को अनुभव करने का अवसर प्रदान करता है।

हमें आलस्य और आत्म-संतोष को त्याग कर निरंतर आत्मचिंतन एवं आत्म-सुधार की ओर अग्रसर रहना चाहिए। दूसरों की कमियाँ देखने या उनके विषय में नकारात्मक बोलने के बजाय हमें अपने व्यक्तित्व को निखारने पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि हम सभी एक ही परम चेतना के अभिन्न अंग हैं। सहज योग प्रेम, एकता और सामूहिकता का मार्ग है। जब हम मिलकर सकारात्मक भाव और निर्मल हृदय से कार्य करते हैं, तब कठिन से कठिन कार्य भी सहज हो जाते हैं। इसलिए हमें एक-दूसरे का सम्मान करना, सहयोग करना तथा सदैव मधुरता और विनम्रता बनाए रखना चाहिए। यही एक सच्चे साधक और संत के गुण हैं। आइए, इन अनमोल आध्यात्मिक गुणों का अनुभव करें और अपनी आत्मा का योग परमात्मा से स्थापित करें। सहज योग पूर्णतः एवं सदैव निःशुल्क है।

आर्थिक शक्ति बढ़ रही है, पर बौद्धिक शक्ति सीमाएँ लाँघ रही है

जब दुनिया की अर्थव्यवस्था अदृश्य संबंधों से नई दिशा गढ़ती है, तब भारत वह धुरी बनकर उभरता है जहाँ प्रवासन केवल स्थानांतरण नहीं, बल्कि वैश्विक प्रभाव की प्रक्रिया बन जाता है—यही चित्र विश्व प्रवासन रिपोर्ट 2026 प्रस्तुत करती है। 2024 में 138 अरब डॉलर (लगभग 11.5 लाख करोड़ रुपये) का रेमिटेंस सिर्फ आँकड़ा नहीं, बल्कि 19 मिलियन भारतीय प्रवासियों की प्रतिभा, परिश्रम और उनके योगदान का सशक्त प्रमाण है। यह पहली बार है जब किसी देश ने 100 अरब डॉलर की सीमा पार की है। अब गल्फ देशों से आगे बढ़कर अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया से आने वाले उच्च-कुशल भारतीय पेशेवरों का योगदान भारत की बदलती प्रवासन संरचना और उसकी तेजी से उभरती वैश्विक आर्थिक शक्ति को दर्शाता है।

आज का भारतीय प्रवासन अब श्रम-आधारित नहीं, बल्कि तेज़ी से उच्च-कुशल वैश्विक गतिशीलता में बदल चुका है। आईटी विशेषज्ञ, डॉक्टर, इंजीनियर, शोधकर्ता और छात्र बेहतर वेतन, उन्नत शोध अवसरों और उच्च जीवन स्तर के लिए विदेश जा रहे हैं। विश्व बैंक और विभिन्न अध्ययनों के अनुसार एच-1बी जैसी नीतियों ने भारतीय आईटी कौशल को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत बनाया, लेकिन घरेलू प्रशिक्षण और रोजगार पर भी असर डाला है। आईआईटी जैसे संस्थानों के कई छात्र, खासकर टॉप रैंकर्स में एक तिहाई या अधिक विदेश जाते हैं, जिससे प्रतिभा का बड़ा हिस्सा बाहर चला जाता है, हालांकि कुछ मामलों में यह ब्रेन सर्कुलेशन का रूप भी लेता है।

रेमिटेंस आज भारतीय अर्थव्यवस्था की एक सशक्त वित्तीय धारा बन चुका है, जो परिवारों की आय को तुरंत सुदृढ़ कर शिक्षा, स्वास्थ्य और उपभोग व्यय को तेज़ी से बढ़ाता है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी नई ऊर्जा, स्थिरता और क्रय शक्ति का विस्तार होता है। आरबीआई के अनुसार पश्चिमी देशों से आने वाला उच्च-मूल्य रेमिटेंस अब गल्फ देशों की तुलना में अधिक प्रभावी भूमिका निभा रहा है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत होता है और घरेलू मांग को निरंतर बल मिलता है। लेकिन यह विकास का पूर्ण आधार नहीं है, क्योंकि उच्च-कुशल प्रतिभा के बाहर जाने से दीर्घकाल में नवाचार, अनुसंधान एवं उत्पादकता पर दबाव भी बढ़ सकता है।

यह प्रवासन केवल आर्थिक नहीं, बल्कि गहरे सामाजिक बदलावों की परतें भी उकेरता है। 'गल्फ वाइव्स' और 'एनआरआई पैरेंट्स' जैसी नई पारिवारिक संरचनाएँ तेजी से आकार ले रही हैं, जहाँ परिवार का एक हिस्सा विदेश में और दूसरा देश में भावनात्मक दूरी के साथ जीवन जीने को मजबूर होता है। बुजुर्ग माता-पिता अकेलेपन और मानसिक तनाव से जूझते हैं, जिससे उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। युवा पीढ़ी में विदेश-गमन की आकांक्षा एक मजबूत सामाजिक प्रवृत्ति बन चुकी है, जिससे घरेलू शिक्षा और करियर के मानक भी विदेशी मॉडल की ओर झुकते जा रहे हैं। साथ ही, महिलाओं पर पारिवारिक जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ने से उनके जीवन में सामाजिक और भावनात्मक दबाव और अधिक गहरा हो जाता है।

ब्रेन ड्रेन और ब्रेन गेन का विमर्श आज वैश्विक विकास की सबसे निर्णायक बहसों में बदल चुका है। अनेक अध्ययनों से यह संकेत मिलता है कि विदेश जाने की संभावना घरेलू स्तर पर कौशल उन्नयन को भी गति देती है, जैसा कि फिलीपींस के नर्सिंग क्षेत्र में स्पष्ट रूप से देखा गया। भारत में भी यह प्रभाव आईटी सेक्टर में दिखाई देता है, जहाँ वैश्विक मांग ने प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धा दोनों को नई ऊँचाई दी है। साथ ही ब्रेन गेन के रूप में रिवर्स माइग्रेशन भी बढ़ा है—2023-24 में लाखों प्रोफेशनल्स भारत लौटे, जिन्होंने ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स और स्टार्टअप्स को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की। फिर भी स्वास्थ्य और उच्च शिक्षा जैसे क्षेत्रों में डॉक्टरों और प्रोफेसरों की कमी आज भी एक गंभीर और चुनौतीपूर्ण स्थिति बनी हुई है।

जब देश के भीतर अवसर सीमित और संरचनात्मक बाधाएँ स्पष्ट होती हैं, तब युवाओं का रुझान विदेश की ओर बढ़ता है। सीमित रोजगार, अनुसंधान में अपर्याप्त फंडिंग, असंतुलित वर्क-लाइफ और जटिल नौकरशाही उन्हें बाहर जाने के लिए प्रेरित करती है। उद्योग विशेषज्ञ श्रीधर वेम्बू इसे केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय क्षमता और दीर्घकालिक आर्थिक मजबूती को प्रभावित करने वाली प्रवृत्ति मानते हैं, जो रुपये की स्थिरता और तकनीकी आत्मनिर्भरता की गति को भी धीमा करती है। साथ ही, विदेश शिक्षा पर होने वाला भारी व्यय देश से पैसा बाहर जाने की मात्रा बढ़ाता है, जिससे भारत के वित्तीय संतुलन पर दबाव पड़ता है।

नीति स्तर पर प्रतिभा को देश में बनाए रखना अब एक अनिवार्य और निर्णायक आवश्यकता बन चुका है। यदि भारत को अपने विदेशों में कार्यरत उच्च-कुशल भारतीयों के लाभ को संतुलित करना है, तो अनुसंधान एवं विकास में निवेश को बढ़ाकर इसे कम से कम जीडीपी के 0.64 प्रतिशत से ऊपर ले जाना होगा। इसके साथ कर प्रोत्साहन, स्टार्टअप इकोसिस्टम का विस्तार और गुणवत्तापूर्ण रोजगार सृजन को तेज़ करना आवश्यक है। शिक्षा प्रणाली को भी वैश्विक मानकों के अनुरूप मजबूत करना होगा, ताकि प्रतिभा को देश के भीतर ही अवसरों की व्यापक संभावनाएँ स्पष्ट रूप से दिखाई दें। केवल आर्थिक प्रोत्साहन ही नहीं, बल्कि प्रभावी और दूरगामी संस्थागत सुधार भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

जब वैश्विक प्रवासन की वास्तविक तस्वीर सामने आती है, तो 138 अरब डॉलर का रेमिटेंस भारत की आर्थिक शक्ति और व्यापक प्रवासी नेटवर्क की मजबूत पुष्टि करता है, लेकिन यह केवल एक पक्ष है। इसके भीतर प्रतिभा के निरंतर पलायन और सामाजिक ढांचे में हो रहे सूक्ष्म लेकिन गहरे परिवर्तन छिपे हैं। उच्च-कुशल प्रवासी भारत को दुनिया से जोड़ते हैं, पर देश के भीतर संतुलन स्थापित करना अब अनिवार्य हो गया है। ब्रेन ड्रेन को ब्रेन गेन में बदलने के लिए शिक्षा, नवाचार और जीवन-गुणवत्ता में ठोस सुधार जरूरी हैं। विश्व प्रवासन रिपोर्ट 2026 स्पष्ट करती है कि प्रवासन अब केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और मानवीय परिवर्तन की जटिल प्रक्रिया है, जिसे समझना और संतुलित करना भारत की सबसे बड़ी प्राथमिकता बन चुकी है।

-प्रो. आरके जैन

अर्थव्यवस्था को चाहिए स्थिर नीति

भारत द्वारा आर्थिक सुधारों की राह अपनाने के करीब 35 वर्ष बाद भी देश की अर्थव्यवस्था द्वारा पूरी संभावनाओं का दोहन करने के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना है। नीति आयोग के सदस्य राजीव गौबा ने इस सप्ताह भारतीय उद्योग परिसंघ यानी सीआईआई के सालाना व्यापार सम्मेलन में भारतीय नीति निर्माण की एक बड़ी कमी को उचित रूप से वर्णित किया। उन्होंने कहा, '1991 के सुधारों ने औद्योगिक लाइसेंसिंग को समाप्त कर दिया लेकिन लाइसेंस राज को नहीं।' कारोबारों और सरकार के बीच जुड़ाव का स्तर और साथ ही किसी उद्यम को शुरू करने और चलाने के लिए आवश्यक अनेक अनुमतियां, लाइसेंस और अनुपालन आदि अक्सर उद्यमियों को हतोत्साहित करते हैं। निष्पक्ष रूप से देखें तो, सरकार इस मोर्चे पर काम कर रही है। उसने हजारों अनुपालन आवश्यकताओं को समाप्त कर दिया है और बड़ी संख्या में प्रावधानों को अपराधमुक्त कर दिया है। साफ है कि अभी बहुत कुछ किया जाना है। यह मानना होगा कि वैश्विक कारोबारी माहौल बीते कुछ सालों में बदला है और भारत जैसे देश को अपने कारोबारी माहौल में सक्रिय बदलाव लाना होगा। भारत चालू खाते के घाटे में है जो बहुत बड़ा तो नहीं है लेकिन उसकी भरपाई के लिए टिकाऊ रूप से विदेशी मुद्रा की आवक की आवश्यकता होगी। मौजूदा समय में जब देश से पूंजी बाहर जा रही है तब इस आवश्यकता को विशेष रूप से महसूस किया जा रहा है। अर्थशास्त्रियों ने संकेत दिया है कि चालू वर्ष लगातार ऐसा तीसरा वर्ष हो सकता है जब भुगतान संतुलन में घाटा दर्ज होगा। पश्चिम एशिया संकट वर्तमान में पूंजी प्रवाह को प्रभावित कर रहा है और शुद्ध स्तर पर भारत कुछ समय से कमजोर प्रवाह देख रहा है। पश्चिम एशिया में युद्ध विराम निश्चित रूप से अल्पकालिक राहत देगा लेकिन भारत को मध्यम और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से अपने व्यापक आर्थिक प्रबंधन ढांचे पर पुनर्विचार करना होगा। यह न केवल व्यापक स्थिरता के लिए महत्त्वपूर्ण है बल्कि दीर्घकाल में वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए भी आवश्यक है। हालांकि केवल विदेशी निवेशक ही हिचकिचा नहीं रहे हैं, भारतीय व्यवसाय भी विभिन्न नीतिगत हस्तक्षेपों के बावजूद आक्रामक रूप से निवेश नहीं कर रहे हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं जिनमें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मांग की परिस्थितियां शामिल हैं लेकिन कारोबारी सुगमता संभवतः उनमें से एक है। केंद्र ने परिस्थितियों को सुधारने के लिए कई कदम उठाए हैं लेकिन कंपनियों को राज्य और स्थानीय सरकारों से भी निपटना पड़ता है जिनका नजरिया हमेशा एक जैसा नहीं होता। गौबा ने सही कहा कि भारत को ऐपल जैसी कई कामयाबियों की आवश्यकता है। हालांकि यह मानना होगा कि ऐपल को उन तरीकों से सुविधा दी गई थी जो अन्य व्यवसायों विशेषकर छोटे व्यवसायों को मिलने की संभावना नहीं है। इसलिए, एक जीवंत व्यापारिक वातावरण बनाने के लिए भारत को स्पष्ट नीतिगत निर्माण और निर्बाध अनुमतियों की आवश्यकता है ताकि छोटे व्यवसाय जो आमतौर पर अधिक गतिशील होते हैं।

-सुनील कुमार महला

अनियंत्रित ओ,टी,टी प्लेटफॉम पर बढ़ती अभद्रता, किशोर मन में बढ़ता दुष्प्रभाव

डिजिटल युग ने मनोरंजन की दुनिया में आमूल चूल परिवर्तन कर दिया है। पहले जहां सिनेमा, दूरदर्शन और पारिवारिक धारावाहिक मनोरंजन के प्रमुख और आदर्श साधन थे, वहीं आज ओटीटी प्लेटफॉर्म ने हर व्यक्ति के हाथ में निजी मनोरंजन का खुला एवं मर्यादाविहीन संसार दे दिया है। मोबाइल फोन और सस्ती इंटरनेट सेवाओं ने वेब सीरीज और फिल्मों को घर-घर, गांव गांव तक पहुंचा दिया है। यह गंभीर परिवर्तन तकनीकी दृष्टि से जितना उपयोगी और आधुनिक दिखाई देता है, उतना ही चिंताजनक उसका दूसरा पक्ष भी है। अनेक ओटीटी मंचों पर अश्लीलता, अत्यधिक नग्नता, हिंसा, गाली-गलौज और विकृत संबंधों को जिस प्रकार परोसा जा रहा है, उसने विशेष रूप से टीनएजर युवक युवतियों की मानसिकता और सामाजिक सोच को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। और ऋणात्मक प्रभाव पैदा करना शुरू कर दिया है।

ओटीटी मंचों का मूल उद्देश्य मनोरंजन और रचनात्मक स्वतंत्रता था, किंतु धीरे-धीरे कुछ निर्माताओं ने लोकप्रियता और त्वरित आर्थिक लाभ के लिए उत्तेजना आधारित सामग्री को अधिक महत्व देना प्रारंभ कर दिया। आज अनेक वेब सीरीज ऐसी हैं जिनमें कहानी से अधिक महत्व अंतरंग दृश्यों, असंयमित भाषा और उच्छृंखल जीवनशैली को खोलकर परोसा जाता है। समस्या केवल नग्नता दिखाने की नहीं है, बल्कि उसे आधुनिकता, स्वतंत्रता और प्रगतिशीलता का प्रतीक बनाकर प्रस्तुत करने की प्रवृत्ति अधिक खतरनाक है।

युवा अवस्था स्वयं में संवेदनशील और जिज्ञासापूर्ण होती है। इस आयु में व्यक्ति अपने व्यक्तित्व, नैतिकता और सामाजिक व्यवहार का निर्माण कर रहा होता है। जब किशोर और युवा लगातार ऐसी सामग्री देखते हैं जिसमें संबंधों की गंभीरता के स्थान पर केवल शारीरिक आकर्षण को महत्व दिया जाता है, तब उनके मन में जीवन और रिश्तों के प्रति भ्रम उत्पन्न होने लगता है। धीरे-धीरे वे वास्तविक जीवन और आभासी मनोरंजन के बीच का अंतर समझने में कठिनाई अनुभव करने लगते हैं।

मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि लगातार उत्तेजक दृश्य देखने से युवा मस्तिष्क पर गहरा प्रभाव पड़ता है। इससे ध्यान भटकना, पढ़ाई में अरुचि, अवसाद, चिड़चिड़ापन और असंयमित व्यवहार जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। कई बार युवा इन वेब सीरीज के पात्रों को आदर्श मानकर उनके व्यवहार की नकल करने लगते हैं। परिणामस्वरूप सामाजिक मर्यादाएं और पारिवारिक संस्कार कमजोर पड़ने लगते हैं।

सबसे गंभीर और चिंताजनक बात यह है कि ओटीटी पर उपलब्ध सामग्री तक पहुंचना अत्यंत सुलभ और आसान है। मोबाइल पर कुछ क्लिक करते ही किशोर आयु के बच्चे भी ऐसी सामग्री देख सकते हैं जो उनके मानसिक विकास के लिए बहुत ही खतरनाक होती। अभिभावकों की अति व्यस्तता और डिजिटल जागरूकता की कमी के कारण बच्चे अक्सर बिना किसी निगरानी के इन मंचों का उपयोग करते हैं। यह स्थिति आने वाले समय में सामाजिक असंतुलन का कारण बन सकती है।

युवा वर्ग पर इसका प्रभाव केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक व्यवहार में भी दिखाई देने लगा है। रिश्तों के प्रति गंभीरता कम होना, महिलाओं को केवल आकर्षण की वस्तु के रूप में देखना, त्वरित सुखवाद की प्रवृत्ति और पारिवारिक मूल्यों से दूरी, ये सब धीरे-धीरे समाज में बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। प्रेम, त्याग, संवेदना और जिम्मेदारी जैसे मूल्यों की जगह क्षणिक आकर्षण और दिखावटी आधुनिकता ने लेना शुरू कर दिया है।

यह भी सत्य है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता किसी भी लोकतांत्रिक समाज की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। कला और साहित्य को अपनी बात कहने का अधिकार होना चाहिए। किंतु स्वतंत्रता और स्वच्छंदता में अंतर होता है। यदि मनोरंजन के नाम पर सामाजिक मर्यादाओं को लगातार कमजोर किया जाए, तो उसका प्रभाव अंततः समाज की नैतिक संरचना पर पड़ता है। इसलिए यह आवश्यक है कि रचनात्मक स्वतंत्रता के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व भी जुड़ा रहे।

सरकार और संबंधित संस्थाओं को ओटीटी सामग्री के लिए प्रभावी और स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाने चाहिए।कम आयु वर्ग के अनुसार सामग्री का वर्गीकरण कठोरता से लागू हो तथा अश्लीलता और अनावश्यक नग्नता पर स्पष्ट सीमाएं और नियंत्रण निर्धारित हों। केवल चेतावनी लिख देना पर्याप्त नहीं है। डिजिटल प्लेटफॉर्म को तकनीकी रूप से ऐसा तंत्र विकसित करना चाहिए जिससे कम उम्र के बच्चे वयस्क सामग्री तक आसानी से न पहुंच सकें।

इसके साथ-साथ अभिभावकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। केवल बच्चों को मोबाइल दे देना और फिर उनकी गतिविधियों से अनजान रहना उचित नहीं है। माता-पिता को बच्चों के साथ संवाद स्थापित करना चाहिए, उन्हें अच्छे और बुरे मनोरंजन के बीच का अंतर समझाना चाहिए तथा परिवार में सांस्कृतिक और नैतिक वातावरण को मजबूत बनाना चाहिए।

विद्यालयों और महाविद्यालयों में भी डिजिटल नैतिकता और मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए। युवाओं को यह समझाना आवश्यक है कि वास्तविक जीवन की सफलता केवल दिखावटी आधुनिकता या उत्तेजना में नहीं, बल्कि संयम, चरित्र, ज्ञान और संतुलित सोच में निहित होती है।

समाज को भी इस विषय पर गंभीरता से विचार करना होगा। यदि मनोरंजन के नाम पर सब कुछ स्वीकार कर लिया जाएगा, तो आने वाली पीढ़ियां धीरे-धीरे सांस्कृतिक जड़ों से कटती चली जाएंगी। भारतीय संस्कृति सदैव मर्यादा, परिवार, सम्मान और संतुलित जीवन मूल्यों की पक्षधर रही है। आधुनिकता का स्वागत होना चाहिए, किंतु ऐसी आधुनिकता जो मनुष्य को संवेदनहीन और दिशाहीन बना दे, वह अंततः समाज के लिए घातक सिद्ध हो सकती है।

अंततः यह कहना उचित होगा कि ओटीटी मंच आधुनिक तकनीक की उपयोगी देन हैं, परंतु उनका दुरुपयोग युवा पीढ़ी को मानसिक और सामाजिक रूप से भ्रमित कर सकता है। आवश्यकता संतुलन की है – जहां रचनात्मक स्वतंत्रता भी बनी रहे और सामाजिक मर्यादा भी सुरक्षित रहे। यदि समय रहते प्रभावी नियंत्रण, जागरूकता और नैतिक जिम्मेदारी नहीं अपनाई गई, तो इसका दुष्प्रभाव आने वाली पीढ़ियों के चरित्र और समाज की सांस्कृतिक आत्मा पर स्पष्ट रूप से दिखाई देगा।

-संजीव ठाकुर

कंपनियों के धन से अच्छी पत्रकारिता हो तो कोई बुराई नहीं

डेविड फ्रैंकल निर्देशित फिल्म 'द डेविल वेअर्स प्राडा 2' के बारे में चौंकाने वाली बात यह है कि यह फिल्म फैशन की दुनिया के बारे में नहीं बल्कि पत्रकारिता की रवायत को बचाने से जुड़ी है। वर्ष 2006 की उस सुपरहिट फिल्म का सीक्वल, जिसकी कहानी फैशन की दुनिया पर आधारित थी, बेहतरीन लेखन, तथ्यों और लोगों तक अनकही कहानियां पहुंचाने के माध्यम की स्तुति है। फिल्म की एक किरदार, ऐंडी सैक्स (ऐनी हैथवे) इस फिल्म में एक फैशन पत्रिका, 'रनवे' में फीचर संपादक के रूप में नजर आईं। पहली फिल्म में वह मिरांडा प्रिस्टली (मेरील स्ट्रीप) की सहयोगी थीं, जो एक सख्त लेकिन एक बेहद सफल संपादक की भूमिका में थीं।

निश्चित तौर पर अब कहानी वर्ष 2026 की है। डिजिटल दौर ने प्रकाशन संस्थानों की दुनिया पर व्यापक और गहरा असर डाला है। इन प्रकाशन कंपनियों के सलाहकार लागत घटाने, कर्मचारी और फीचर आदि को कम करने में लगे हुए हैं। काफी संघर्ष के बाद, सैक्स और प्रिस्टली को एक निवेशक मिल जाता है जो उस तरह की पत्रकारिता के लिए फंड देने को तैयार हैं जिसे वे करना चाहती हैं और इस तरह कहानी खुशनुमा मोड़ पर खत्म होती है।

हालांकि, वास्तविक दुनिया में देखा जाए तो अब तक यही दिखा है कि किसी बड़े निवेशक के जरिये किसी प्रकाशन संस्थान को बचाना, ज्यादातर मामलों में केवल एक अस्थायी उपाय है। अगस्त 2013 में, मशहूर निवेशक जेफ बेजोस ने वॉशिंगटन पोस्ट को 25 करोड़ डॉलर नकद में खरीद लिया। उन्होंने इसे डिजिटल बनाने के साथ ही इसे मुनाफे में लाने में सफलता पाई और बार-बार इसके संपादकीय रुख के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। लेकिन वर्ष 2024 के राष्ट्रपति चुनावों से पहले, परंपरा तोड़ते हुए उन्होंने कहा कि यह अखबार डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस का समर्थन नहीं करेगा। इसके अलावा कर्मचारियों में एक-तिहाई कटौती की गई और अखबार की संपादकीय नीति बदल गई।

अन्य निवेशकों ने भी स्थानीय समाचार पत्रों को खरीदते समय यही किया यानी लागत कम करने के साथ ही कर्मचारियों में कटौती की और ब्रांड मूल्य को लगभग शून्य के स्तर पर पहुंचा दिया। हालांकि, कुछ निवेशक ऐसे भी रहे जिन्होंने पत्रकारिता की गुणवत्ता और उसके दायरे को बढ़ाने में निवेश किया जैसे कि फेनवे स्पोर्ट्स ग्रुप के जॉन हेनरी ने 'द बॉस्टन ग्लोब' के जरिये ऐसा किया जिसे उन्होंने 2013 में खरीदा।

खबरों के कारोबार में लगातार गिरावट दिख रही है क्योंकि पाठक ऑनलाइन माध्यम में दिलचस्पी ले रहे हैं लेकिन कमाई वैसी नहीं बढ़ रही है। वर्ष 2000 में अमेरिकी समाचार पत्र बाजार में विज्ञापन और सब्सक्रिप्शन से लगभग 60 अरब डॉलर की कमाई होती थी और 6 करोड़ प्रतियां बिकती थीं लेकिन वर्ष 2022 में यह घटकर 20 अरब डॉलर और 2करोड़ प्रतियां रह गई हैं।

रॉयटर्स इंस्टीट्यूट फॉर स्टडी ऑफ जर्नलिज्म की वर्ष 2025 की डिजिटल न्यूज रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक समाचार पाठकों का लगभग एक-तिहाई हिस्सा हर हफ्ते फेसबुक (36 फीसदी) और यूट्यूब (30 फीसदी) के माध्यम से खबरें देखता है। इसके लिए इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप का इस्तेमाल लगभग 20 फीसदी लोग करते हैं। सर्वेक्षण में शामिल आधे से ज्यादा लोग (58 फीसदी) इस बात को लेकर चिंतित हैं कि ऑनलाइन खबरों के मामले में वे सच और झूठ के बीच कैसे फर्क कर पाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक यह चिंता अफ्रीका (73 फीसदी) और अमेरिका (73 फीसदी) में सबसे ज्यादा और पश्चिमी यूरोप (46 फीसदी) में सबसे कम है।

इंटरनेट, फिर स्ट्रीमिंग और अब शॉर्ट वीडियो ने खबरों के कारोबार और उपभोग के मॉडल को पूरी तरह बदल दिया। इसका कोई आसान सा समाधान नहीं दिखाई देता। कई गंभीर प्रकाशन संस्थाएं अब स्थानीय, क्षेत्रीय या राष्ट्रीय खबरों के बजाय लाइफस्टाइल, खानपान और सेलेब्रिटी से जुड़ी कहानियों पर जोर दे रहे हैं जिस पर खूब क्लिक मिले। अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए यह वित्तीय लिहाज से भी जरूरी हो गया है क्योंकि सोशल मीडिया मंच और शॉर्ट वीडियो ऐप ही अब मुख्य समाचार स्रोत हैं।

लेकिन किसी भी लोकतंत्र के सुचारु रूप से काम करने के लिए अच्छी पत्रकारिता बेहद जरूरी है जो आम जनता को हो रही घटनाओं की जानकारी दे। हालांकि यह पहले जितना लाभकारी नहीं है। इसका परिणाम, घाटा और कभी बेहद प्रतिष्ठित रहे ब्रांडों की मजबूरी में बिक्री के रूप में सामने आया है। जानकारी से लैस विचारों की कमी और बड़ी तकनीकी कंपनियों का समाचार की दुनिया में बढ़ता प्रभुत्व वास्तव में पाठकों, दर्शकों के एक जैसे विचारों वाले समूह बनने जैसी समस्या को जन्म देता है। इसका असर दुनिया में बढ़ते राजनीतिक और सामाजिक ध्रुवीकरण में देखा जा सकता है। यही कारण है कि 'द डेविल वेअर्स प्राडा 2' फिल्म देखने लायक हो सकती है। हालांकि यह फिल्म केवल एक हल बताती है कि बेहतर पत्रकारिता के लिए एक ऐसा निवेशक ढूंढ़ा जाए जो इसमें भरोसा करता हो।

दूसरी बात यह है कि समाचार ब्रांड को संपादकीय रूप से सुरक्षित और गुणवत्ता वाली पत्रकारिता में निवेश करने योग्य बनाने के लिए एक मजबूत स्वामित्व संरचना और संतुलन प्रणाली तैयार करना बेहद महत्त्वपूर्ण है। उदाहरण के तौर पर द गार्डियन को एक ट्रस्ट द्वारा नियंत्रित किया जाता है, जिसे विशेष रूप से इसके उदार-वामपंथी विचारधारा वाली पत्रकारिता मूल्यों की रक्षा के लिए गठित किया गया है। बीबीसी की फंडिंग ब्रिटेन के नागरिकों द्वारा टीवी सेट रखने पर लगाए जाने वाले लाइसेंस शुल्क से होती है।

द इकनॉमिस्ट ग्रुप को कई निवेशक नियंत्रित करते हैं, जिनमें एक्सॉर (एग्नेली फिएट परिवार का निवेश फर्म), कैडबरी और रॉथचाइल्ड परिवार और कर्मचारी आदि शामिल हैं। ब्रांड की वेबसाइट पर लिखा है, 'कंपनी में कोई भी व्यक्ति या समूह, बहुल हिस्सेदारी नहीं ले सकता और कोई शेयरधारक 20 फीसदी से अधिक वोटिंग अधिकार नहीं ले सकता। संपादक की नियुक्ति, ट्रस्ट में शामिल लोग करते हैं जो वाणिज्यिक, राजनीतिक और मालिकाना प्रभावों से स्वतंत्र हैं। इस तरह की संरचना सुनिश्चित करती है कि द इकनॉमिस्ट अपना स्वतंत्र दृष्टिकोण रख सके और यह परंपरागत सोच और सत्ता के केंद्रीकरण को चुनौती देने में स्वतंत्र हो। इसका उद्देश्य लोगों को सूचना देना है न कि किसी के निजी हितों को साधना।' आप द इकनॉमिस्ट के दृष्टिकोण से हमेशा सहमत नहीं हो सकते लेकिन यह वैश्विक घटनाओं और रुझानों की जानकारी देने में अहम भूमिका निभाता है।

वर्ष 2015 में फाइनैंशियल टाइम्स समूह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जॉन रिडिंग ने मुझसे कहा, 'फाइनैंशियल टाइम्स का शत-प्रतिशत स्वामित्व निक्केई के पास है और निक्केई का सौ फीसदी स्वामित्व इसके कर्मचारियों के पास है। ऐसे में हम कॉरपोरेट जगत के दबाव से स्वतंत्र होकर दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपना सकते हैं।' चाहे किसी प्रकाशन संस्था का स्वरूप लाभकारी हो या गैर-लाभकारी, स्वामित्व की संरचना और उसमें मौजूद संतुलन प्रणाली ही अच्छे ब्रांड को बनाए रखने में मदद करती है।

भारत में 400 से अधिक समाचार चैनल, सैकड़ों अखबार और कई समाचार वेबसाइट हैं और हमारा देश भी इन्हीं समस्याओं का सामना कर रहा है। कई मीडिया शोधकर्ता 'कॉरपोरेट स्वामित्व' को लेकर चिंता जताते हैं। लेकिन दुनिया भर के लगभग सभी मीडिया संगठन कॉरपोरेट जगत के स्वामित्व में हैं। वास्तव में, भारत में समाचार पत्र क्रांति उन उदार कंपनियों से शुरू हुई, जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान 'द हिंदू' या 'मलयाला मनोरमा' जैसे अखबारों को वित्तीय मदद दी। कंपनी के स्वामित्व में होना कोई समस्या नहीं है। असली जरूरत है एक अतिरिक्त सुरक्षा परत की जो अच्छी पत्रकारिता को वित्तीय और संपादकीय रूप से टिकाऊ बनाए।

-धनंजय राजौरा

टोंककला पटाखा फैक्ट्री विस्फोटः अमलतास हॉस्पिटल में 8 घायल भर्ती

वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने लिया उपचार व्यवस्थाओं का जायजा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमलतास हॉस्पिटल, बांगर में आज देवास जिले के टोंककला स्थित पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट में घायल 8 मरीजों को गंभीर अवस्था में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल में आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्थाएं तत्काल सक्रिय कर दी गई तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा घायलों का लगातार उपचार किया जा रहा है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए म.प्र. उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, हाटपिपलिया विद्यायक मनोज चौधरी, सोनकच्छ विधायक डॉ. राजेश सोनकर, देवास सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी, जिला अध्यक्ष राय सिंह सेंधव, अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी सज्जन सिंह वर्मा अमलतास हॉस्पिटल पहुंचे तथा घायलों की स्थिति एवं उपचार व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल प्रबंधन, चिकित्सकों एवं मेडिकल स्टाफ द्वारा दिखाई गई तत्परता, संवेदनशीलता एवं त्वरित उपचार व्यवस्था की सराहना की तथा गंभीर परिस्थितियों में अमलतास हॉस्पिटल द्वारा किए जा रहे प्रयासों को संतोषजनक बताया।

साथ ही उज्जैन संभाग के आयुक्त आशीष सिंह, पुलिस महानिरीक्षक (ढ्ढत्र) उज्जैन रेंज राकेश गुप्ता एवं उप पुलिस महानिरीक्षक (ष्ठढ्ढत्र) नवनीत सिंह भसीन, देवास जिला कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह, , सीएमएचओ डॉ. सरोजनी जेम्सबेक , डॉ. दीपक पिप्पल , एडीएम संतोष कुमार जैन, एएसपी जयवीर सिंह भदौरिया, तहसीलदार सुश्री सपना शर्मा सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी भी अस्पताल पहुंचे तथा घायलों की स्थिति एवं उपचार व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने चिकित्सकों से मरीजों के स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त की एवं उपचार व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

इसके अतिरिक्त एम.जी. हॉस्पिटल, देवास से डॉ. मनीषा मिश्रा एवं उज्जैन से डॉ. मुशी भी अमलतास हॉस्पिटल पहुंचे तथा मरीजों की स्थिति एवं उपचार व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। वर्तमान में भर्ती 8 मरीजों में से 5 मरीजों की स्थिति गंभीर बनी हुई है, जबकि 3 मरीजों की हालत स्थिर बताई जा रही है। चिकित्सकों ने उपचार व्यवस्थाओं को लेकर संतोष व्यक्त किया।

अमलतास हॉस्पिटल की चिकित्सक, नर्सिंग एवं मेडिकल स्टाफ की टीम पूरी मुस्तैदी, संवेदनशीलता एवं समर्पण के साथ घायलों के उपचार में निरंतर जुटी हुई है। डॉ. सोनाली अग्रवाल, डॉ. राहुल यादव, डॉ. राकेश रघुवंशी, डॉ. शुभम रघुवंशी, डॉ. अर्पिता जाट एवं डॉ. इच्छा तिवारी सहित विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा गंभीर रूप से घायल मरीजों का सतत उपचार एवं निगरानी की जा रही है। अस्पताल प्रबंधन द्वारा सभी आवश्यक संसाधन, आपातकालीन चिकित्सा सुविधाएं एवं विशेष उपचार व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गई हैं, ताकि प्रत्येक मरीज को त्वरित, सुरक्षित एवं सर्वोत्तम उपचार मिल सके।

अमलतास ग्रुप के चेयरमैन श्री मयंक राज सिंह भदौरिया द्वारा हादसे में घायल मरीजों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ एवं मृतकों के परिजनों को इस दुखद घड़ी में संबल प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गई। उन्होंने कहा कि अमलतास हॉस्पिटल पीड़ितों के उपचार एवं हरसंभव सहायता के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।

संभाग आयुक्त आशीष सिंह ने टोंककला में संचालित आतिशबाजी विनिर्माण/विक्रय फैक्ट्री में घटित घटना की मजिस्ट्रियल जांच संस्थित की

देवास संभाग आयुक्त आशीष सिंह ने जिले की तहसील टोंकखुर्द के ग्राम टोंककला में संचालित आतिशबाजी विनिर्माण/विक्रय फैक्ट्री में घटित घटना की मजिस्ट्रियल जांच संस्थित की है। मजिस्ट्रियल जांच के लिए अपर कलेक्टर उज्जैन अतेन्द्र सिंह गुर्जर, संचालक औद्योगिक स्वास्थय एवं सुरक्षा अधिकारी इंदौर श्रीमती नमिता तिवारी को नियुक्त किया है।

नियुक्त अधिकारी अग्नि दुर्घटना एवं विस्फोट के संभावित कारण, विस्फोटक नियम के विभिन्न प्रावधान के पालन कि स्थिति, नेशनल बिल्डिंग कोड-2016 के प्रावधान के पालन की स्थिति, घटना स्थल व जिले में अन्य जारी अनुज्ञप्तियों की स्थिति, दुर्घटना स्थल पर जारी किये गये अनुज्ञप्तियों की वस्तुस्थिति एक सप्ताह में संपूर्ण जांच कर तथ्यात्मक प्रतिवेदन संभाग आयुक्त को प्रस्तुत करेंगे।

कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत उच्च शिक्षा के लिए विद्यार्थियों को किया जा रहा जागरूक

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार सीहोर के प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस द्वारा कॉलेज चलो अभियान संचालित किया जा रहा है। कॉलेज की समिति द्वारा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से जोड़ने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। अभियान के अंतर्गत ड्रॉप आउट विद्यार्थियों एवं ऐसे छात्र-छात्राओं को चिन्हित किया जा रहा है जो किसी कारणवश आगे की पढ़ाई से वंचित है अथवा कॉलेज में प्रवेश लेने के प्रति जागरूक नहीं है।

प्राचार्य डॉ रोहिताश्व कुमार शर्मा ने बताया कि टीम द्वारा विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों से व्यक्तिगत संपर्क कर संवाद के माध्यम से उच्च शिक्षा के महत्व, रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों, शासकीय योजनाओं, छात्रवृत्तियों एवं भविष्य निर्माण की संभावनाओं की जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही स्कूलों में पहुंचकर कक्षा 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को कॉलेज में उपलब्ध विभिन्न विषयों, नवीन शिक्षा नीति, कौशल विकास आधारित पाठ्यक्रमों, व्यक्तित्व विकास कार्यक्रमों, कैरियर अवसरों एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी संबंधी सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की जा रही है।

अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक विद्यार्थी को उच्च शिक्षा से जोड़ना, ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करना तथा युवाओं को आत्मविश्वास एवं उज्ज्वल भविष्य की दिशा में अग्रसर करना है। महाविद्यालय में प्रवेश के लिए आ रहे विद्यार्थियों के लिए सेल्फी पॉइंट भी बनाया गया है, जो जागरूकता के साथ-साथ विद्यार्थियों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

अकार्यशील सहकारी समितियों को कारण बताओ नोटिस जारी

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रभारी उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं श्री सुधीर कैथवास द्वारा सीहोर जिले की 12 अकार्यशील सहकारी समितियों को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम के अंतर्गत कारण बताओ नोटिस जारी किया गया हैं। यह नोटिस उन समितियों को जारी किया गया है, जो लंबे समय से निष्क्रिय हैं तथा जिनके द्वारा अंकेक्षण एवं निर्वाचन जैसी आवश्यक प्रबंधकीय प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया जा रहा है।

प्रभारी उप पंजीयक श्री सुधीर कैथवास ने बताया कि कार्यालयीन अंकेक्षण कक्ष की रिपोर्ट के आधार पर यह पाया गया है कि संबंधित समितियां वर्षों से अकार्यशील हैं। ऐसी स्थिति मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम में वर्णित प्रावधानों के अंतर्गत आती है, जिसके कारण इन समितियों को परिसमापन में लाने की प्रक्रिया प्रस्तावित की गई है।

कारण बताओ नोटिस में संबंधित समितियों को तीन सप्ताह की अवधि में सप्रमाण उत्तर प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया है। निर्धारित अवधि में उत्तर प्राप्त नहीं होने अथवा उत्तर संतोषजनक नहीं पाए जाने की स्थिति में संबंधित समितियों के विरुद्ध परिसमापन की प्रस्तावित कार्रवाई की जाएगी।

कांटाफोड़ में इंदौर विभाग समरसता प्रमुख तन्नू शर्मा का भव्य स्वागत

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल के इंदौर विभाग समरसता प्रमुख तन्नू शर्मा के कांटाफोड़ नगर आगमन पर कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। उनके आगमन की सूचना मिलते ही नगर के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में कांटाफोड़ बस स्टैंड पर एकत्रित हो गए और स्वागत की तैयारियों में जुट गए। नगर में प्रवेश करते ही तन्नू शर्मा का ढोल-धमाकों, पुष्प वर्षा और जयघोष के साथ भव्य स्वागत किया गया। नगर के विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों द्वारा उनका आत्मीय अभिनंदन किया गया। बस स्टैंड पर पहुंचे तन्नू शर्मा का फूल-मालाओं से स्वागत कर सम्मान किया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह और ऊर्जा देखने को मिली। इस अवसर पर तन्नू शर्मा ने कार्यकर्ताओं से आत्मीय मुलाकात कर संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान संगठन की गतिविधियों एवं आगामी योजनाओं को लेकर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम के पश्चात तन्नू शर्मा इंदौर के लिए रवाना हुए। उनके स्वागत कार्यक्रम में सोनू सिंगनाथ, योगेश बड़ गुर्जर, अनिल मौर्य, सुजॉय मंडल, मोजीराम यादव, अरविंद राजपूत, सूर्या जामुनिया, रवि मोरी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

12वीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणाम में सतपुड़ा एकेडमी के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

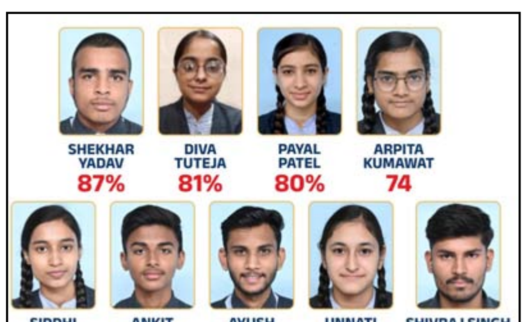

कक्षा 12वीं के विद्यार्थी शेखर यादव 87, दिवा टुटेजा 81, पायल पटेल 80, सिद्धी कुशवाह 74, अर्पिता कुमावत 74,अंकित त्रिपाठी 72, उन्नति पटेल 71,शिवराजसिंह पंवार 71,आयुष बरोड़ 71प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय की प्रवीण्य सूची में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया।

12वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय सफलता अर्जित कर विद्यालय की गौरवशाली परंपरा को कायम रखा।

विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर वैभव विहार शिक्षा समिति के अध्यक्ष एवं भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रायसिंह सेंधव, संस्था संचालक भानुप्रतापसिंह सेंधव, प्राचार्य वी.एस. जाब एवं समस्त स्कूल स्टाफ ने सभी विद्यार्थियों को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। विद्यालय परिवार ने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की लगन, शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सहयोग को दिया। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी दिनेश सांखला ने दी ।

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मक्सी रोड पर तुलजा विहार कॉलोनी स्थित सतपुड़ा एकेडमी के विद्यार्थियों ने 12वीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता अर्जित कर विद्यालय एवं शहर का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यार्थियों ने कठिन परिश्रम और संकल्प के साथ न केवल उत्तीर्णता प्राप्त की, बल्कि श्रेष्ठ अंक अर्जित कर उत्कृष्टता का परिचय दिया।

नगर की बेटी ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत किया शोध

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सच्ची लगन और दृढ़ संकल्प हो तो छोटे शहर की प्रतिभाएं भी विश्व पटल पर अपनी चमक बिखेर सकती हैं। इस बात को शाजापुर की होनहार और परिश्रमी सुरभि सोनी ने सच कर दिखाया है। अपनी मेहनत के दम पर पहले देश के सर्वोच्च शिक्षण संस्थान आईआईटी (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान) दिल्ली में जगह बनाई और अब सात समंदर पार स्पेन में अपने शोध कार्य (रिसर्च वर्क) का डंका बजाकर न सिर्फ शाजापुर, बल्कि पूरे मध्यप्रदेश और भारत का नाम रोशन किया।

सुरभि के उत्कृष्ट शोध कार्य को दुनिया की एक अत्यंत प्रतिष्ठित संस्था के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईकास्प 2026 में प्रस्तुत करने के लिए चुना गया था। गत दिनों 4 से 10 मई 2026 के बीच यूरोप के स्पेन स्थित बार्सिलोना शहर में आयोजित सम्मेलन में दिनेश कुमार भीकू भाई सोनी, सरिता सोनी की बेटी सुरभि ने अपने शोध को पूरी दुनिया के सामने पेश किया। इस अंतर्राष्ट्रीय यात्रा और उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें छात्रवृत्ति (स्कालरशिप) के रूप में आरएसटीए पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। सुरभि ने दुनिया भर से आए विशेषज्ञों के बीच अपने संस्थान आईआईटी दिल्ली और भारत का सफलतापूर्वक प्रतिनिधित्व किया।

कड़े संघर्ष से हासिल किया मुकाम- वर्तमान में सुरभि आईआईटी दिल्ली से सिग्नल प्रोसेसिंग विषय में पीएचडी (शोध उपाधि) कर रही हैं। अपने मजबूत आत्मबल और कड़े संघर्ष के बलबूते पर उन्होंने इस प्रतिष्ठित संस्थान में प्रवेश पाया और उच्च शिक्षा प्राप्त करते हुए यह बड़ी अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धि हासिल की है। बेटी के इस अविश्वसनीय कार्य पर आज उनके माता-पिता, पूरा परिवार और नगरवासी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

अपनी इस शानदार सफलता का श्रेय सुरभि ने ईश्वर के साथ-साथ अपने दादा-दादी, माता-पिता, सभी रिश्तेदारों, पड़ोसियों और शुभचिंतकों के आशीर्वाद को दिया है। उनका कहना है कि बड़ों के मार्गदर्शन और घर-परिवार के अटूट सहयोग के कारण ही वह आज इस मुकाम तक पहुंच पाई हैं।

ड्रग फ्री अभियान में मिली पुलिस को सफलता, 1 किलो गांजा के साथ दो आरोपी धराए

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। 2029 तक शाजापुर जिले को ड्रग फ्री बनाने का लक्ष्य लेकर एसपी द्वारा विशेष टीम का गठन किया गया है। जिसने दो दिन में ही सफलता अर्जित की और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से पुलिस ने 1 किलो गांजा भी बरामद किया है।

पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई की। पहली कार्रवाई सुनेरा थाना क्षेत्र में एबी रोड ब्रिज के पास की गई। पुलिस ने मोहन धोबी नाम के आरोपी को 440 ग्राम गांजे के साथ पकड़ा। दूसरी कार्रवाई कोतवाली थाना क्षेत्र में कृषि उपज मंडी के पास हुई। यहां पुलिस ने कैलाश कुशवाह को 550 ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। गुरुवार को उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया।

फर्जी बैंक अधिकारी ने खाते की एप्लीकेशन हटाने के नाम पर ठगे 2.47 लाख

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में लगातार दूसरे दिन साईबर ठगी का मामला सामने आया है और इस बार भी एक शिक्षक को शिकार बनाया गया है। जिनसे ठग ने फर्जी एसबीआई अधिकारी बनकर कॉल किया और खाते से एप्लीकेशन हटाने के नाम पर खाते की जानकारी जुटाई और अलग-अलग ट्रांजेक्शन कर खाते से 2 लाख 47 हजार से अधिक की राशि निकाल ली। सेवानिवृत्त शिक्षक ने इसकी शिकायत साइबर सेल को की है।

ठग ने खुद को एसबीआई बैंक अधिकारी बताकर 77 वर्षीय रिटायर्ड शिक्षक राजेंद्र कुमार भट्ट से 2 लाख 47 हजार 714 रुपए ठग लिए। पीड़ित ने बताया कि उन्हें व्हाट्सएप पर एसबीआई योनो के लोगो वाला मैसेज आया। इसके बाद ठग ने काल कर खुद को मुंबई की बांद्रा शाखा का बैंक अधिकारी बताया। ठग ने कहा कि खाते में एक एप्लीकेशन है, जिसे हटाना जरूरी है, नहीं तो पैसे कट जाएंगे। इसके बाद ठग ने एक फार्म भेजकर नाम, पता, अकाउंट नंबर और कार्ड की जानकारी भरवाई और पैसे निकाल लिए।

ओटीपी नहीं दिया फिर भी कट गई राशि- भट्ट ने बताया कि ओटीपी साझा नहीं होने के बावजूद अलग-अलग ट्रांजैक्शन कर खाते से रकम निकाल ली गई। क्योंकि उनको पता था कि ओटीपी नहीं देना चाहिए और वे इसी भ्रम में रहे और ठग ने बिना ओटीपी लिए उनके साथ फ्रॉड कर लिया। शिक्षक के अनुसार कुल मिलाकर 2 लाख 47 हजार 714 रुपये की ठगी हुई। जिसके बाद शिक्षक ने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत की।

तो मरने के बाद भी सबको तकलीफ दूंगा

वीडियो बनाकर युवक ने की फांसी लगाकर की आत्महत्या, मक्सी पुलिस कर रही मामले की जांच

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मक्सी के वार्ड क्र. 8 निवासी एक युवक ने अपने घर पर ही बिजली तार से लटककर आत्महत्या कर ली। युवक ने मरने के पहले अपने मोबाइल में एक वीडियो बनाया, जिसमें किसी लड़की पर गंभीर आरोप लगाए हैं। युवक ने अपने मामा से गुजारिश की है कि उसके साथ भी बुरा करना नहीं तो मैं मरने के बाद भी सभी को तकलीफ दूंगा।

मृतक की पहचान बजरंग मोहल्ला वार्ड क्रमांक 8 निवासी धभगिज कुंडलिया उर्फ नितिन (21) पिता सुनील कुंडलिया के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए। मरने से पहले युवक ने वीडियो बनाकर अपने दोनों मामा से गुजारिश की। उसने कहा, मामा श्री आपसे छोटी सी गुजारिश है... अगर मैं मर गया तो उसे छोड़ना मत। जैसे मेरी जिंदगी बर्बाद हुई है, उसकी भी कर देना। भांजे की आखिरी इच्छा पूरी कर देना, नहीं तो मुझे अपना भांजा मत बुलाना। जैसे तुम्हारा भांजा रोया है, उसे भी रुलाना और तड़पाना। पहली बार मैंने आपसे कुछ मांगा है। हाथ जोड़कर कह रहा हूं, मेरे मरने के बाद उसे छोड़ना मत। मम्मी की कसम है आपको... अगर उसे कुछ नहीं किया, उसे तकलीफ नहीं दी, तो मैं मरने के बाद भी सबको तकलीफ दूंगा।÷ युवक ने अपने छोटे भाई के लिए कहा कि देख भाई, तू अभी बच्चा है। मम्मी-पापा का ख्याल रखना। मेरा दिमाग खराब हो गया, मैं जिंदगी से हार गया। अब सबकी जिम्मेदारी तुझे निभानी है। मम्मी की एनिवर्सरी आने वाली है, उसे खुशी से मनाना।

पुलिस कर रही मामले की जांच- मक्सी थाना प्रभारी संजय वर्मा ने बताया कि पुलिस ने मृतक का मोबाइल जब्त किया है। जांच के दौरान मोबाइल में एक वीडियो मिला, जिसमें युवक किसी लड़की के बारे में बात कर रहा है। वीडियो में युवक कह रहा है कि मेरे जाने के बाद इस लड़की का जीवन बर्बाद कर देना। साथ ही उसने लड़की के दो मामाओं से भी गुहार लगाई है। पुलिस ने वीडियो को जांच में शामिल कर लिया है और मामले की हर पहलू से पड़ताल की जा रही है। फिलहाल पुलिस आत्महत्या के कारणों और वीडियो में लगाए गए आरोपों की सत्यता की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक युवक का शव घर के अंदर लाइट के तार से लटका हुआ था। मक्सी पुलिस ने घटनास्थल पर पंचनामा कार्रवाई पूरी की।

श्री मद्भागवत कथा के लिए भगवामय हुई रेलवे कालोनी

आज से बंटेगा कथा का प्रसाद, कलश यात्रा से होगी 15वें वर्ष की शुरूआत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। लगातार 14 वर्षो से नगरवासियों को भागवत का प्रसाद बांट रही श्री नित्येश्वर महादेव भागवत कथा समिति एवं सूर्या ग्रूप के युवाओं की टीम इस बार 15वे वर्ष में प्रवेश करने जा रही है। इस वर्ष भी रेलवे मैदान पर आज से 7 दिनों के लिए श्री मद्भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा, जहां ब्रह्मलीन श्री चेतनदास महाराज के शिष्य अनुजदास महाराज नगरवासियों को भागवत कथा का वाचन कर जीवन को धन्य करेंगे।

आयोजन की शुरूआत कलश यात्रा से होगी जो शुक्रवार को प्रातः 7.30 बजे रेलवे कालोनी स्थित श्री नित्येश्वर महादेव मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के विभिन्न मार्गो से होती हुई नहर के पास रेलवे मैदान कथा स्थल पहुंचेगी। जहां विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद सात दिनों तक प्रतिदिन शाम 7.30 बजे से रात 11 बजे तक कथा का अनुजदास जी महाराज द्वारा कथा का वाचन किया जाएगा। श्री नित्येश्वर महादेव मंदिर समिति व रेलवे कालोनी व सूर्या ग्रुप शाजापुर द्वारा नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में आकर धर्म का लाभ लेने का अनुरोध किया है।

एक माह से चल रही तैयारियां पूर्ण- लगातार 14 वर्षो से कथा का आयोजन कर रही समिति द्वारा इस वर्ष 15वे वर्ष को भी भव्य और आकर्षक बनाने की तैयारी की जा रही है, जिसमें समिति सदस्य पिछ्ले एक माह से लगे हुए हैं। जिनके अथक प्रयासों का परिणाम है कि पूरी कालोनी भगवा ध्वज से सजकर आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। वहीं नगरवासियों ने भी इस आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दिया है। जिसके चलते इस वर्ष भी नगरवासियों को श्रीमद्भागवत कथा का लाभ मिलेगा।

अस्पताल के कर्मियों ने कंपनी के खिलाफ खोला मोर्चा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला अस्पताल में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों ने गुरूवार को कंपनी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कर्मचारियो ने सिविल सर्जन को कंपनी की शिकायत करते हुए कई गंभीर आरोप लगाए हैं। इसके अलावा समय से वेतन देने व पीएफ जमा किए जाने की भी मांग की है। मामले में सिविल सर्जन ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

अस्पताल में तुलसियान कंपनी के लगभग 50 कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें कंप्यूटर ऑपरेटर, वार्ड बाय, सफाई कर्मी और सुरक्षा कर्मी शामिल हैं। इन कर्मचारियों ने बताया कि कंपनी पिछले दो महीनों से अस्पताल में सेवाएं दे रही है, लेकिन उन्हें निर्धारित वेतन का भुगतान नहीं किया जा रहा है। कर्मचारियों ने बताया कि अनुबंध के तहत पीएफ कटौती के बाद उनके खाते में 10,500 रुपये आने चाहिए लेकिन उन्हें केवल 8 से 9 हजार रुपए ही दिए जा रहे हैं। इसके अलावा हफ्ते में मिलने वाली चार छुट्टियों का पैसा भी काट लिया जाता है।

शिकायत करने पर मिलती है धमकियां- कर्मचारियों का आरोप है कि शिकायत करने पर उन्हें नौकरी से निकालने की धमकी दी जाती है, जिस कारण अधिकांश कर्मचारी खुलकर सामने आने से डर रहे हैं। सफाई कर्मचारियों ने इस संबंध में सिविल सर्जन को एक लिखित शिकायत भी सौंपी है। शिकायत में कहा गया है कि कंपनी समय पर वेतन का भुगतान नहीं करती और भविष्य निधि (पीएफ) भी नियमित रूप से नहीं काटा जा रहा है। कर्मचारियों ने मांग की है कि हर महीने की 1 से 10 तारीख के बीच वेतन सीधे उनके खातों में जमा किया जाए। एक कर्मचारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि शिकायत के बाद कंपनी ने उन्हें अब 9500 रुपये दे देंगे, ज्यादा शिकायत मत करो कहकर चुप कराने की कोशिश की। एक अन्य कर्मचारी ने बताया कि इस बार उसके खाते में केवल 8 हजार रुपए ही आए हैं।

कर्मचारियों का दावा, ठेकेदार ले रहा उनका पैसा- कर्मचारियों का दावा है कि हर महीने लगभग 1 से डेढ़ लाख रुपए की राशि वेतन कटौती के माध्यम से ठेकेदारों की जेब में जा रही है। इस संबंध में जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. बी.एस. मैना ने कहा कि कंपनी को दो बार नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि कर्मचारियों की शिकायत सही पाई जाती है, तो संबंधित कंपनी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सीबीएसई बोर्ड कक्षा 12वीं परीक्षा परिणाम में श्री महावीर हायर सेकेंडरी स्कूल ने इस वर्ष शानदार सफलता हासिल की

विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले में अपनी प्रतिभा का परचम लहराया

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कॉमर्स संकाय की छात्रा अनिष्का सोनी ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया तथा जिला मेरिट सूची में भी अपना स्थान सुनिश्चित किया। वहीं विज्ञान संकाय गणित समूह में वंशिका राठौर ने 88 दशमलव 2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। जीव विज्ञान समूह में शिवानी पोरवाल ने 81 प्रतिशत अंक अर्जित कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया।

कॉमर्स संकाय में मुफद्दल राजा और शिवम पोरवाल ने 92 दशमलव 4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। फलक खत्री ने 92 प्रतिशत, रक्षित शर्मा ने 91 प्रतिशत तथा यज्ञ दायमा ने 90 दशमलव 4 प्रतिशत अंक अर्जित किए। इसके अलावा मुस्तफा वोहरा, अंजलि कामरिया, कनुप्रिया मोदी, मानवी सोलंकी, अनुराग सिंह पवार, माही राठौड़, प्रियांशी शर्मा एवं प्रणयराजसिंह राठौड़ ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

विज्ञान संकाय गणित समूह में समायरा खान, मितांश खेतरा, कृष्णकांत सोनगरा एवं दीपेश सोनी ने श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त किए। वहीं जीव विज्ञान समूह में खुशी कुंवर राठौर, निधि व्यास, दामिनी अहिरवार, ऋषभ पुरोहित, मोहम्मद कासिफ मनिहार एवं सुधांश मईडा ने भी उत्कृष्ट अंक अर्जित कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यालय परिवार ने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के सहयोग तथा शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया है।

इस अवसर पर विद्यालय संस्था के श्री रमेश डूंगरवाल, डॉ. शिखर जैन, श्री सत्यनारायण काकाणी, श्री वैभव जैन, श्री धर्मचंद जैन, श्री सिरेमल भंडारी, श्री मनीष सेठिया, संजय डूंगरवाल, दीपिका डूंगरवाल, पवन कामरिया, प्राचार्य श्री मनोज शर्मा एवं समस्त विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। श्री महावीर हायर सेकेंडरी स्कूल में नवीन प्रवेश प्रारंभ हैं। क्षेत्र का एकमात्र सीबीएसई विद्यालय, जहाँ गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा एवं श्रेष्ठ परिणामों की निरंतर परंपरा जारी है।

क्षेत्र की युवा भारती प्रतिभा होने इस वर्ष 12th क्लास के सीबीएसई परिणाम में बाजी मारी

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र की युवा भारती प्रतिभा होने इस वर्ष 12th क्लास के सीबीएसई परिणाम में बाजी मारी है जिनमें सर्वाधिक अंक लाकर आर्यम वैभव जैन को 12th CBSE मे 93% एव मितेश सचिन जी पाटनी के 93.4% अंको में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है गौरतलब है यह दोनों बालक बचपन से ही आदित्य बिरला पब्लिक स्कूल ग्रासिम नागदा में पढ़ने जाया करते थे एक ही क्लास में तथा पड़ोस में ही रहने पर दिन प्रतिदिन उनकी पढ़ाई में नया निखार आता रहा हमारे संवाददाता से बातचीत में इन्होंने बताया कि मितेश पाटनी का लक्ष्य हॉवर्ड यूनिवर्सिटी से बिजनेस इकोनॉमिक्स में एमबीए डिग्री प्राप्त करना तथा आर्यम जैन का लक्ष्य चार्टर्ड अकाउंटेंट और उसके पश्चात सीएफओ की ओर है।

डॉ जयकिरण स्मृति सम्मान से सम्मानित हुई डॉक्टर प्रेमलता चुटेल

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। विक्रम विश्वविद्यालय हिंदी विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष सेवानिवृत्ति प्राध्यापक डॉक्टर प्रेमलता चुटेल को हिंदी सेवा के लिए किए गए कार्यों के संदर्भ में 2026 का डॉक्टर जयकिरण स्मृति सम्मान सम्मानित किया गया। 14 मई डॉ. जय किरण की जयंती के अवसर पर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बड़नगर में आयोजित समारोह में डॉक्टर प्रेमलता चुटेल का सम्मान किया गया इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य श्री सुनील कुमार उदिवाल ने की कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में माधव कॉलेज के प्राध्यापक केशव मणि शर्मा जी भी उपस्थित रहे कार्यक्रम के प्रारंभ में स्वागत भाषण ओर अतिथि परिचय महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा दिया गया । अतिथियों का सम्मान महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक डॉ किरण मंडलोई, डॉ नेहा डोडिया, डॉ शाहीन खान, डॉ कविता मंड्रे कविता नगर प्रोफेसर अनुराधा यादव प्रथम मोहित नगर प्रोफेसर पुष्पेंद्र परमार नितेश जोशी आदि के द्वारा किया गया अपने उद्बोधन में प्रोफेसर प्रेमलता चुटेल द्वारा नारी शक्ति अधिनियम के संदर्भ में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई महिलाओं के 33त्न आरक्षण को लेकर के भी आपके द्वारा विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम का सफल संचालन शासकीय महाविद्यालय लेकर सहायक प्राध्यापक श्री मोहित नागर द्वारा किया गया तथा आभार डॉ जयकिरण स्मृति संस्थान के नीतेश जोशी जय ने किया ।

कलेक्टर श्री नारायन ने ली विभिन्न विभागों के निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक

छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन ने विगत दिवस कलेक्टर कार्यालय के मिनी सभाकक्ष में विभिन्न विभागों के निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक ली। यह बैठक दो सत्रों में आयोजित की गई थी, जिसमें प्रथम सत्र में सड़क संबंधी विभागों में लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण, एम.पी.रोड डेव्लपमेण्ट कार्पोरेशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना आदि के अधिकारियों के साथ निर्माणाधीन कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा की गई, तो वहीं दूसरे सत्र में भवन एवं अन्य निर्माण कार्यों से संबंधित विभागों, जिनमें जनजातीय कार्य विभाग, म.प्र हाउसिंग बोर्ड, लोक निर्माण विभाग (भवन) आदि के अंतर्गत निर्माणाधीन और प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा की गई।

कलेक्टर श्री नारायन ने सभी निर्माण एजेंसियों को सख्त निर्देश दिये कि सभी निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूरे हों। जो कार्य समय सीमा निकल जाने के बाद भी पूरे नहीं हुए हैं, लापरवाह ठेकेदारों को टर्मिनेट और ब्लैकलिस्ट करने की कार्यवाही करें। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क विभाग अंतर्गत विलम्ब से चल रहे सड़क निर्माण कार्यों में संविदीकार के विरुद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री नारायन ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि ऐसे मार्ग जो पूर्णता की ओर हैं, उनको वर्षाकाल के पूर्व पूर्ण किया जाए एवं पुल निर्माण के कार्यों को भी वर्षाकाल के पूर्व यथासंभव पूर्ण करने के प्रयास गंभीरता से करें।

माहेश्वरी समाज बड़ावदा के चुनाव निर्विरोध संपन्न

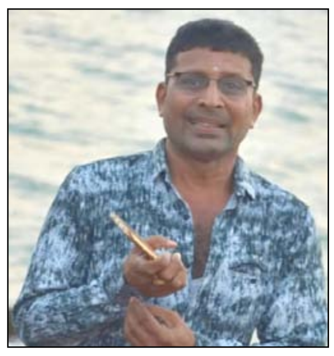

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माहेश्वरी समाज बड़ावदा के चुनाव मुख्य चुनाव अधिकारी श्री महेश सोडाणी, श्री गोविंद अजमेरा एवं पर्यवेक्षक श्री अनिल अजमेरा तथा जिला अध्यक्ष श्री मनोहर तोषनीवाल की उपस्थिति में संपन्न हुए। चुनाव प्रक्रिया के दौरान सभी पदाधिकारियों का चयन निर्विरोध एवं सर्वसम्मति से किया गया।

समाज की नवीन कार्यकारिणी में संरक्षक पद पर श्री जगदीश अजमेरा एवं श्री मांगीलाल अजमेरा को मनोनीत किया गया। अध्यक्ष पद पर श्री राजेंद्र मूंदड़ा को जिम्मेदारी सौंपी गई। उपाध्यक्ष पद पर श्री मनोज तोषनीवाल एवं श्री अजय सोडाणी का चयन हुआ। सचिव पद पर श्री दिनेश लड्ढा तथा कोषाध्यक्ष पद पर श्री सत्यनारायण अजमेरा एवं श्री कृष्ण गोपाल तोषनीवाल को नियुक्त किया गया।

इसी प्रकार सह सचिव पद पर श्री रमेश चंद्र अजमेरा, संगठन मंत्री पद पर श्री सुरेश अजमेरा, मांगलिक भवन संचालन हेतु श्री सुनील मूंदड़ा एवं प्रचार मंत्री पद पर श्री मुकेश लड्ढा को दायित्व सौंपा गया।

जिला सभा हेतु सदस्यों में श्री गोपाल तोषनीवाल, श्री उमेश लड्ढा, श्री राजेश काकाणी, श्री अजय सोडाणी, श्री गोविंद अजमेरा एवं श्री रमेशचंद्र अजमेरा का चयन किया गया।

स्थानीय कार्यकारिणी सदस्य के रूप में श्री विजय कुमार तोषनीवाल, श्री चेतन लड्ढा, श्री राजेंद्र कुमार अजमेरा, श्री सुरेंद्र काकाणी, श्री पंकज काबरा, श्री निलेश सोडाणी, श्री दिनेश मूंदड़ा, श्री महेश अजमेरा एवं श्री आशीष अजमेरा को शामिल किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का समाजजनों ने स्वागत करते हुए उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

वर्षों बाद जबलपुर को मिला पूर्ण नेतृत्वयुक्त विकास प्राधिकरण - लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जबलपुर विकास प्राधिकरण के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री संदीप जैन एवं उपाध्यक्ष श्री प्रशांत केशरवानी का शपथ ग्रहण एवं पदभार ग्रहण समारोह आज सिविक सेंटर स्थित वंदे मातरम चौक पर लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह के मुख्य आतिथ्य में भव्य एवं गरिमामय स्वरूप में आयोजित किया गया।

पूज्य संत जनों के सान्निध्य में आयोजित कार्यक्रम में मध्यप्रदेश तीर्थ स्थान क्षेत्र एवं मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री विनोद गोटिया, सांसद श्री आशीष दुबे, महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक सर्वश्री अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी, सुशील कुमार तिवारी इंदु, डॉ अभिलाष पांडे, नीरज सिंह एवं संतोष वरकड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकेश गोंटिया, प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी परांजपे, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री अखिलेश जैन, भाजपा नगर अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर, भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष श्री राजकुमार पटेल, नगर निगम अध्यक्ष श्री रिंकूज विज विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचासीन रहे। शपथ एवं पदभार ग्रहण कार्यक्रम का शुभारंभ पूज्य संतों के मंत्रोच्चार एवं अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

इसके पश्चात नाट्य लोक संस्था द्वारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की भावपूर्ण प्रस्तुति दी गई। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहा कि जबलपुर विकास प्राधिकरण में लंबे समय बाद अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष की नियुक्ति हुई है, जो शहर के विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल एवं शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने ऐसे कार्यकर्ताओं पर विश्वास व्यक्त किया है, जिनकी जनसेवा एवं संगठनात्मक प्रतिबद्धता सर्वविदित है।

भारतीय जनता पार्टी में कार्यों के मूल्यांकन की एक पद्धति है और उसी के आधार पर नेतृत्व मूल्यांकन करता है। हम कह सकते हैं कि हमारे नेतृत्व ने श्रेष्ठ मूल्यांकन करते हुए ये नियुक्तियाँ की हैं। इसलिए हम सभी को विश्वास है कि जबलपुर विकास प्राधिकरण अपने नाम के अनुरूप जबलपुर के विकास के साथ कदमताल करेगा। यह केवल कोई प्रशासनिक नियुक्ति नहीं है, यह जबलपुर के विकास को ऊंचाइयों पर ले जाते हुए, जनप्रतिनिधियों के सहयोग के साथ जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने वाला एक ऐसा उपक्रम है जिसकी वर्षों से प्रतीक्षा थी।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने बैठक सह वीडियो कॉफ्रेंस में अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

रायसेन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक सह वीडियो कॉफ्रेंस में सभी एसडीएम और राजस्व अधिकारियों के न्यायालयीन कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही बैठक में उन्होंने उपार्जन और सीएम हेल्पलाईन की भी समीक्षा की। राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सभी एसडीएम और तहसीलदारों को नामांतरण, बंटवारा तथा सीमांकन सहित अन्य राजस्व प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकृत करने और तीन माह से अधिक समय से लंबित प्रकरणों को शून्य करने का प्रयास करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही राजस्व वसूली कार्य में तेजी लाने को कहा। साथ ही सीएम मॉनिट, फार्मर रजिस्ट्री तथा जन आंकाक्षा पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों को गंभीरतापूर्वक निराकृत करने के निर्देश दिए। उच्च न्यायालय में लंबित प्रकरणों में समय से जबावदावा दर्ज कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। बैठक में उपार्जन के कार्यों की समीक्षा के दौरान सभी एसडीएम को खरीदी केन्द्रों का भौतिक निरीक्षण करने और उपार्जन नीति अनुसार खरीदी कार्य की मॉनीटरिंग करने के निर्देश देते हुए कहा वेयरहाउस में सुरक्षित भण्डारण, किसानों को त्वरित भुगतान तथा परिवहन के कार्य मे तेजी लाने निर्देश भी दिए। साथ ही कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने अप्रैल माह की सीएम हेल्पलाईन शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण कराने के निर्देश दिए। साथ ही 50 दिवस से अधिक समयावधि की शिकायतों का भी प्राथमिकता से निराकरण करने को कहा। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अपर कलेक्टर श्री मनोज उपाध्याय, सहित विकासखण्डों से एसडीएम, तहसीलदार अन्य अधिकारी वीडियो कॉफ्रेंस के द्वारा बैठक में उपस्थित रहे।

नयी श्रम संहिता से श्रमिकों, कामगारों, असंगठित क्षेत्र के मजदूरों का भविष्य असुरक्षित- डॉ संजीवा रेड्डी, राष्ट्रीय अध्यक्ष, इंटक

फेडरेशन के प्रतिनिधि मंडल ने इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष से की भेंट

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। आल इंडिया इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व राज्य सभा सदस्य डॉ जी संजीवा रेड्डी जी से और राष्ट्रीय महासचिव डॉ संजय सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष. सत्यजीत रेड्डी से दिल्ली स्थित इंटक के राष्ट्रीय मुख्यालय श्रम भवन में मध्यप्रदेश विधुत कर्मचारी संघ फेडरेशन, जबलपुर के महामंत्री राकेश डी पी पाठक, श्री एन के यादव, उमाशंकर मेहता, अफसार अहमद, गोपाल चौहान, रामेश्वर गांगे सहित अन्य फेडरेशन के साथी गणों ने भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर विशेष रूप से मध्यप्रदेश इंटक के उपाध्यक्ष रामराज्य तिवारी, इंटक सचिव नरेंद्र मिश्रा उपस्थित थे।

भेंटवार्ता में इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ जी संजीवा रेड्डी को फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक,एन के यादव, उमाशंकर मेहता और अन्य प्रतिनिधियों ने उनके सकारात्मक प्रयासों के फलस्वरूप दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा राष्ट्रीय इंटक के पक्ष में हुएं निर्णय के लिए बधाई दी। और नयी श्रम संहिता लागू होने,निजीकरण, बिजली कंपनियों के भविष्य, संविदा कर्मियों, आउट सोर्स कार्मिकों, कंपनी कैडर कार्मिकों, नियमित कर्मचारियों और पेंशनर्स की समस्यायों के विषय में मध्यप्रदेश विधुत कर्मचारी संघ फेडरेशन, जबलपुर द्वारा किए जा रहे कार्यों, प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी।इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ संजीवा रेड्डी से मागदर्शन प्राप्त किया। ?इस अवसर पर इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ संजीवा रेड्डी जी ने अपना आशीर्वाद देते हुए कहा कि श्रमिकों, कामगारों और विशेषकर असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की बेहतरी, सुरक्षा और सुरक्षित भविष्य के लिए श्रम संगठनों को और अधिक सुदृढ़ एवं सक्रियता के साथ काम करना होगा। क्योंकि नयी श्रम संहिता लागू होने से श्रमिकों, कामगारों और विशेषकर असंगठित क्षेत्र के मजदूरों का भविष्य असुरक्षित है।

श्रमिकों के हित व सुरक्षा के लिए नये श्रम संहिता का इंटक संयुक्त मोर्चा के साथ मिलकर पुरजोर,प्रभावी ढंग से विरोध कर रहा है।

फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक,एन के यादव, उमाशंकर मेहता ने मध्यप्रदेश विधुत कर्मचारी संघ फेडरेशन, जबलपुर द्वारा संविदा कर्मियों, आउट सोर्स कर्मचारियों, कंपनी कैडर कार्मिकों, नियमित कर्मचारियों और पेंशनर्स के हित में लगातार किए जा रहे प्रयासों, कार्यों की विस्तृत जानकारी रखी। फेडरेशन की पूर्व स्थिति और वर्तमान स्थिति की जानकारी दी। इस अवसर पर मध्यप्रदेश विधुत कर्मचारी संघ फेडरेशन, जबलपुर के प्रतिनिधियों ने इंटक के राष्ट्रीय नेता श्री अशोक सिंह जी, श्री रामचन्द्र खूंटियां जी, जी सत्यजीत रेड्डी, बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली सहित अनेक राष्ट्रीय नेता गणों से मुलाकात की। इस अवसर पर प्रदेश से आएं मध्यप्रदेश विधुत कर्मचारी संघ फेडरेशन, जबलपुर के अनेक प्रतिनिधि गण उपस्थिति थे। मध्यप्रदेश विधुत कर्मचारी संघ फेडरेशन जबलपुर के महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय डॉ जी संजीवा रेड्डी जी और इंटक के सभी राष्ट्रीय नेता गणों द्वारा दिए गए समय, मागदर्शन और आत्मीयता के लिए सभी का हृदय से आभार, धन्यवाद किया।

कलेक्टर श्री नारायन ने की राजस्व विभाग की मासिक समीक्षा

छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन की अध्यक्षता में आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में जिले के समस्त राजस्व अधिकारियों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजस्व विभाग से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए कलेक्टर श्री नारायन ने लंबित प्रकरणों के त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन जैसे प्रकरणों का निर्धारित समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। बैठक में अपर कलेक्टर श्री धीरेन्द्र सिंह, जिला मुख्यालय के संयुक्त कलेक्टर एवं डिप्टी कलेक्टर सहित जिले के सभी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, खनिज अधिकारी एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। पटाखा फैक्ट्री और गोदामों की करें संयुक्त जांच - कलेक्टर श्री नारायन ने एसडीएम छिंदवाड़ा, परासिया, जुन्नारदेव और चौरई को निर्देश दिए कि आपके क्षेत्रांतर्गत विस्फोटक नियम के अंतर्गत स्थापित स्टोर हाउस, थोक पटाखा गोदाम एवं पटाखे बनाने की फैक्ट्री की पुलिस के अधिकारियों के साथ संयुक्त जांच करें और सुरक्षा के इंतजाम सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि प्रायः देखने में आ रहा है कि अधिकांश अग्नि दुर्घटनायें विस्फोटक संस्थानों में सुरक्षा संबंधी व्यवस्थायें पूर्ण ना होने से हो रही हैं।

मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य पूर्ण करने पर कलेक्टर ने किया भेड़ाघाट एवं कटंगी के चार्ज अधिकारियों का सम्मान

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य प्रगति पर है। इस अभियान के तहत मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य पूर्ण होने पर कलेक्टर राघवेंद्र सिंह द्वारा नगर परिषद भेड़ाघाट के सीएमओ एवं चार्ज जनगणना अधिकारी विक्रम झारिया तथा नगर परिषद कटंगी की सीएमओ एवं चार्ज जनगणना अधिकारी एवं श्रीमती स्नेहा मिश्रा को गुरुवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में सम्मानित किया गया। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी राघवेन्द्र सिंह के निर्देशन तथा संयुक्त कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी ऋषभ जैन के मार्गदर्शन में जिले में जनगणना कार्य सुव्यवस्थित रूप से संचालित किया जा रहा है। जिले में कुल 36 जनगणना चार्ज के अंतर्गत 4 हजार 414 मकान गणना ब्लॉक बनाए गए हैं। इनमें ग्रामीण क्षेत्र के 2 हजार 441 तथा नगरीय क्षेत्र के 1 हजार 973 ब्लॉक शामिल हैं। कार्य के सुचारू संचालन हेतु जिले में 04 जिला मास्टर ट्रेनर्स, 36 चार्ज जनगणना अधिकारी, 98 फील्ड ट्रेनर्स एवं 664 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। इनके मार्गदर्शन में 3 हजार 930 प्रगणकों द्वारा आवंटित क्षेत्रों में एचएलबी की पहचान, ले-आउट मैप तैयार करने तथा एचएलओ-ऐप एवं सीएमएमएस पोर्टल के माध्यम से मकान सूचीकरण एवं गणना का कार्य किया जा रहा है। जिले में अब तक 1 हजार 808 मकान गणना ब्लॉकों का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

लक्ष्य स्पष्ट हो, तो हर सपना पूरा किया जा सकता है जबलपुर शासकीय आईटीआई के विद्यार्थी दे रहे देश के अलग-अलग राज्यों में सेवाएं

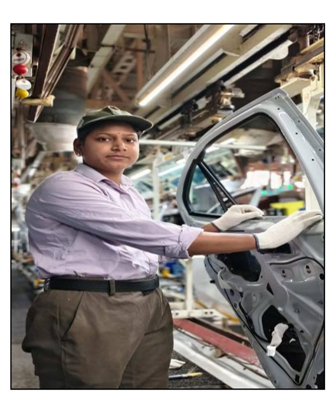

जबलपुर / दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय आईटीआई संस्थानों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं ने यह साबित कर दिया है कि मेहनत, सही मार्गदर्शन और कौशल आधारित शिक्षा के माध्यम से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। पीएम-सेतु (पीएम उन्नत आईटीआई योजना), और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजनाओं का लाभ लेकर कई विद्यार्थियों ने देश के प्रतिष्ठित संस्थानों और विभागों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। आज ये विद्यार्थी न केवल अपने परिवार का नाम रोशन कर रहे हैं, बल्कि अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणा बन रहे हैं। इन सफल विद्यार्थियों की कहानियाँ बताती हैं कि सीमित संसाधन कभी भी सफलता की राह में बाधा नहीं बनते। यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और निरंतर प्रयास जारी रहे, तो हर सपना पूरा किया जा सकता है। शिवांगी रजक बनीं ट्रेनिंग ऑफिसर जबलपुर में साधारण परिवार से आने वाली शिवांगी रजक ने वर्ष 2015 से 2017 के बीच शासकीय मॉडल आईटीआई से पढ़ाई की। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। प्रारंभिक असफलता के बाद भी उन्होंने निरंतर तैयारी जारी रखी और वर्ष 2025 में आईटीआई ट्रेनिंग ऑफिसर परीक्षा में महिला सामान्य वर्ग में प्रथम मेरिट प्राप्त कर चयनित हुईं। वर्तमान में शिवांगी रायसेन के गैरतगंज में अपनी सेवाएं दे रहीं हैं। वे अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों और विशेष रूप से जे.पी. पांडे सर के मार्गदर्शन को देती हैं। श्रीयांश का पर्सनल असिस्टेंट के पद पर हुआ चयन जबलपुर के श्रीयांश चतुर्वेदी ने शासकीय संभागीय आईटीआई जबलपुर से स्टेनोग्राफी एंड सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस (अंग्रेजी) ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त किया और अपने ट्रेड में टॉप रैंक हासिल की। प्रशिक्षण अधिकारी आशा भट्ट के मार्गदर्शन में उन्होंने 80 एवं 100 शब्द प्रति मिनट की स्टेनोग्राफी परीक्षाएँ उत्तीर्ण कीं। वर्तमान में वे केंद्र सरकार के ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, ऊर्जा मंत्रालय दिल्ली में महानिदेशक के पर्सनल असिस्टेंट के पद पर कार्यरत हैं तथा लगभग 73 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन प्राप्त कर रहे हैं। कार्तिकेय की भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर में टेकनीशियन के पद पर हुई नियुक?ति पान उमरिया निवासी किसान परिवार से आने वाले कार्तिकेय चौरसिया ने वर्ष 2019 से 2021 तक शासकीय मॉडल आईटीआई जबलपुर से प्रशिक्षण प्राप्त किया।

हायर सेकेंड्री में भी छाए नगर के विद्यार्थी, कौटिल्य एज्यूकेशन, इटर्नल और सहज के विद्यार्थियों ने किया नगर को गौरवान्वित, शत प्रतिशत रहा परीक्षा परिणाम

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। हर बार की तरह इस बार भी सीबीएसई परीक्षा में नगर के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया और नगर को गौरवान्वित करते हुए शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम दिया। छात्र-छात्राओं ने 90 से 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम श्रेणी में स्थान प्राप्त किया।

परीक्षा देने के बाद सभी को इंतजार था तो परिणाम का। जो बुधवार दोपहर को पूरा हुआ और इस दिन बोर्ड ने कक्षा 12वी का परिणाम घोषित किया। जिसे देखने के लिए बच्चे विद्यालय और कुछ ऑनलाईन सेंटरों पर पहुंचे। जहां कहीं गम तो कहीं खुशी की लहर देखने को मिली। जिन्होंने अपनी सफलता की खुशी अपने साथियों व शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ मनाई।

शत प्रतिशत रहा कौटिल्य एज्यूकेशन का परीक्षा परिणाम

एबी रोड स्थित कौटिल्य एज्यूकेशन एकेडमी का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। परीक्षा में शामिल सभी विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की थी। जिसमें 10 बच्चों को 90 प्रतिशत से अधिक अंक मिले थे। जबकि 20 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक व शेष विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण कर अपनी योग्यता साबित की। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय संचालक ब्रजेश यादव, संचालिका शशि यादव, प्राचार्य नरेंद्रसिंह डोडिया, उप प्राचार्य रामकृष्ण पाटीदार, प्रशासनिक समिति अधिकारी पंकज यादव, आर्यन यादव, कृष्णा गुप्ता, अर्पण पाटीदार, अपूर्व नागर, सुरेश मालवीय, अजय विश्वकर्मा, संगीता व्यास, नित्या अभिलाष ने हर्ष व्यक्त कर इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

इन्होंने बढ़ाया विद्यालय का गौरव

सोमवार को जारी कक्षा 12वी के परीक्षा परिणाम में विद्यालय के सुमित इटावदिया ने 91 प्रतिशत, परी जैन 90, नित्या मालवीय 89, रहमीन खान 88, आश्रुति मकवाना 86, भूमिका मेवाड़ा 85, दव्यंति पाटीदार 83, काव्यांश यादव 82 व अंजलि पाटीदार ने 81 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

इटर्नल ऑफ स्टडीज की नंदिनी गुप्ता ने 94 प्रतिशत अंकों के साथ रही प्रथम

इटरनल स्कूल ऑफ स्टडीज प्राचार्य सौदामिनी झाला ने बताया कि विद्यार्थियों ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न संकायों में उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर सफलता का परचम लहराया। उन्होंने बताया कि विज्ञान संकाय से नंदिनी गुप्ता ने 94.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में सर्वोच्च स्थान हासिल किया। इसी प्रकार विज्ञान संकाय में ही साफ़िया मंसूरी ने 93 प्रतिशत, आरव राठौर ने 93, लाक्षिता विश्वकर्मा ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। वाणिज्य संकाय में ही नैना शर्मा ने 93 प्रतिशत, जय भावसार ने 92.4 प्रतिशत, रुद्रांश सोलंकी ने 92.2 प्रतिशत तथा अंजली साकलिया ने 90.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। वहीं कला संकाय में आशी कासवा ने 92 प्रतिशत अंक अर्जित किए। उन्होंने बताया कि विद्यालय के 9 विद्यार्थियों ने 90 से 95 प्रतिशत के बीच, 9 विद्यार्थियों ने 85 से 90 प्रतिशत के बीच तथा 6 विद्यार्थियों ने 80 से 84 प्रतिशत के बीच अंक प्राप्त किए। शेष सभी विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय का मान बढ़ाया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ. सौदामिनी झाला, विशाल झाला ने सभी विद्यार्थियों को उत्कृष्ट परिणाम के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सहज के विद्यार्थियों ने भी बढ़ाया नगर का मान, शत प्रतिशत रहा परीक्षा परिणाम- दुपाड़ा रोड स्थित सहज पब्लिक स्कूल का परीक्षा परिणाम भी शत प्रतिशत रहा। बुधवार को जारी परीक्षा परिणाम में विद्यालय के सभी विद्यार्थी उत्तीर्ण रहे। विद्यालय प्राचार्य डॉ. अंकुर जैन ने बताया कि विद्यालय की अश्विनी चौहान ने 91.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं सचिन गुर्जर 91, मनस्वी भावसार ने 88, मीत शर्मा ने 86.2, पृथ्वीराज सिंह ने 85.4, अनामिका पाठक ने 83, रूचिता मालवीय 83, अनुष्का शर्मा 82, शिवम शर्मा 82, इशा राय ने 81.4 व अनंत तोमर ने 80 प्रतिशत अंकों के साथ नगर में उत्कृष्ट स्थान हासिल किया। विद्यार्थियों की इस सफलता पर संचालिका आशा जैन, उप प्राचार्य पूर्वी जैन ने हर्ष व्यक्त करते हुए इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

आईटीआई के जरिए युवाओं को मिल रहा रोजगार और बेहतर भविष्य

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुके हैं। ऐसे में शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। विदिशा जिले में संचालित 7 शासकीय आईटीआई में नवीन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। जिले की आईटीआई में वर्तमान उद्योगों की मांग के अनुसार विभिन्न तकनीकी व्यवसायों में प्रशिक्षण दिया जाता है, जिनमें इलेक्ट्रीशियन, फिटर, सोलर टेक्नीशियन, स्टेनो (हिंदी), इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक सहित कुल 16 व्यवसाय संचालित हैं। इन संस्थानों में कुल 1204 सीटों पर प्रवेश उपलब्ध हैं। आईटीआई से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले अनेक युवाओं ने आज शासकीय एवं निजी क्षेत्रों में सफलतापूर्वक रोजगार प्राप्त कर अपनी अलग पहचान बनाई है। संस्थानों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों के बेहतर भविष्य हेतु कैंपस प्लेसमेंट एवं रोजगार मेलों के माध्यम से शत-प्रतिशत प्लेसमेंट के लिए निरंतर प्रयास किए जाते हैं। आईटीआई केवल एक प्रशिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों को साकार करने का माध्यम बन चुका है। कम शुल्क में गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराना इसकी विशेषता है। आईटीआई की वार्षिक फीस लगभग 6500 है तथा पात्र विद्यार्थियों को शासन द्वारा छात्रवृत्ति का लाभ भी प्रदान किया जाता है।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना से आत्मनिर्भर बनीं मोहिनी गौंड़, संघर्ष से सफलता तक बाईसा कलेक्शन की प्रेरक यात्रा

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दृढ़ इच्छाशक्ति, मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर कोई भी व्यक्ति अपनी परिस्थितियों को बदल सकता है। इसका प्रेरणादायक उदाहरण हैं झाबुआ जिले की श्रीमती मोहिनी गौंड़, जिन्होंने मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना का लाभ लेकर स्वयं को आत्मनिर्भर बनाया और आज सफल व्यवसायी के रूप में पहचान बना रही हैं।

श्रीमती मोहिनी गौंड़ एक साधारण एवं मध्यमवर्गीय परिवार से संबंध रखती हैं। पहले उनके परिवार की आर्थिक स्थिति अधिक मजबूत नहीं थी, जिससे दैनिक आवश्यकताओं एवं खर्चों को पूरा करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने और आत्मनिर्भर बनने के उद्देश्य से उन्होंने स्वयं का व्यवसाय शुरू करने का निर्णय लिया।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना अंतर्गत वर्ष 2023-24 में उन्हें 5 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इस आर्थिक सहयोग से उन्होंने बाईसा कलेक्शन नाम से कपड़ों का व्यवसाय प्रारंभ किया। व्यवसाय की शुरुआत आसान नहीं थी। प्रारंभिक दौर में ग्राहकों को आकर्षित करना, बाजार में पहचान बनाना तथा व्यवसाय को व्यवस्थित रूप से संचालित करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और निरंतर मेहनत करती रहीं। अपने धैर्य, लगन और आत्मविश्वास के बल पर श्रीमती मोहिनी गौंड़ ने धीरे-धीरे अपने व्यवसाय को सफल बनाया। आज बाईसा कलेक्शन केवल एक दुकान नहीं, बल्कि उनके संघर्ष, आत्मविश्वास और सफलता की पहचान बन चुका है।

कॉलेज चलो अभियान के तहत स्कूलों में लगे प्रवेश मेले

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार तथा हायर सेकेंड्री परीक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस श्री नीलकंठेश्वर शासकीय महाविद्यालय, खंडवा द्वारा कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सोमपाल सिंह ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के महत्व तथा महाविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी देना है, ताकि अधिकाधिक विद्यार्थी महाविद्यालय में प्रवेश लेकर अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकें। उन्होंने विद्यार्थियों से समय पर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर उच्च शिक्षा के अवसरों का लाभ उठाने का आह्वान किया। इसी क्रम में गुरूवार को खंडवा स्थित रायचंद नागड़ा उत्कृष्ट विद्यालय, एवं महारानी लक्ष्मी बाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रवेश मेलों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में विद्यार्थियों को महाविद्यालय में उपलब्ध पाठ्यक्रमों, विषय संयोजनों, प्रवेश प्रक्रिया, छात्रवृत्ति योजनाओं एवं अन्य सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। ई-प्रवेश जिला नोडल अधिकारी प्रो. विकास वर्मा ने विद्यार्थियों को प्रवेश प्रक्रिया, महाविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों, महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं के साथ-साथ अन्य संकाय अथवा विषय में प्रवेश लेने के लिए चलित साक्षात्कार के संदर्भ में विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान की।

जान से मारने का भय दिखाकर पैसे की मांग करने वाले 2 आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

आरोपियों के विरूध्द पूर्व में कई अपराध पंजीबध्द आरोपी गुण्डा लिस्ट में शामिल

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा के कुशल निर्देशन में जिले में अपराधियों की धरपकड हेतु विशेष प्राथमिकता दी जा रही है । इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय (ग्रामीण) अभिषेक रंजन, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बड़नगर महेन्द्र सिंह परमार के मार्गदर्शन मे थाना बडनगर के थाना प्रभारी बडनगर निरी. अशोक कुमार पाटीदार व टीम व्दारा दिनांक 14.04.2026 को जान से मारने का भय दिखाकर गाली गुप्ता एवं लठ लेकर अवैध रूप से पैसे की मांग करने वाले 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया ।

घटना का विवरण- दिनांक 17.02.2026 को फरियादीया गोपाल कुंवर पति धीरज सिंह जाति राजपुत उम्र 30 साल निवासी ग्राम रसुलाबाद ने रिपोर्ट किया कि दिनांक 16.02.2026 को पडोसी बबलु उर्फ हिम्मत सिंह मेरे घर आया और मेरे घर के दरवाजे पर लात मारकर चिल्लाचोंट कर रहा था और डरा धमका कर भय दिखाकर बोला कि मै यहा का गुण्डा हुं तुझे इस गांव में रहना है तो मुझे हर महिने 1500 रूपये देने पडेगे और मुझे मां बहन की नंगी नंगी गालियां दी मैने गाली देने से मना किया तो मुझे बबलु ने एक लात की मारी जो मेरे पेट में लगी अगर तुने पैसे नही दिये तो तुझे जान से खतम कर दूंगा बाद रिपोर्ट पर से अपराध 79/2026 धारा - 308(5),115(2),296(b),351(3) BNS का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया ।

घटना क्र 02- दिनांक 24.02.2026 को फरियादीया जशोदा बाई पति मदनलाल पंवार जाति मोगिया उम्र 35 साल निवासी ग्राम सनावदा ने रिपोर्ट किया कि दिनांक 24.02.2026 रात करीब 02.00 बजे की बात है लालसिंह पिता कृष्णलाल पंवार जाति मोगिया निवासी सनावदा का लठ लेकर आया और मेरा दरवाजा जोर जोर से ढाकने लगा मै दरवाजा खोलकर बाहर आई तो लालसिंह लठ लेकर मुझे मारने दोडा और बौला कि मुझे शराब पीने के लिये पैसे चाहिये तो तु दे नही देगी तो तुझे जान से खतम कर दूंगा । रिपोर्ट पर से अपराध 91/2026 धारा - 308(5) BNS का पंजीबध्द पर कर विवेचना में लिया गया ।

पुलिस कार्यवाही - प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी बडनगर व्दारा कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम बनाकर आरोपियो की लगातार पतारसी की जा रही थी आरोपीगण घटना के बाद से ही फरार थे जिन्हे पुलिस टीम व्दारा आज दिनांक 14.04.2026 को आरोपी हिम्मत सिंह उर्फ बबलु पिता भेरू सिंह जाति राजपुत उम्र 30 साल निवासी ग्राम रसुलाबाद एवं आरोपी लालसिंह उर्फ लाला पिता कृष्णलाल पंवार जाति मोगिया उम्र 32 साल निवासी सनावदा को दबीश देकर बडनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट पेश किया जहा से आरोपियों को जेल भेजा गया।

अपराधिक रिकार्ड - आरोपीगण हिम्मत सिंह उर्फ बबलु पिता भेरू सिंह जाति राजपुत उम्र 30 साल निवासी ग्राम रसुलाबाद एवं आरोपी लालसिंह उर्फ लाला पिता कृष्णलाल पंवार जाति मोगिया उम्र 32 साल निवासी सनावदा के आदत अपराधी है आरोपी हिम्मत सिंह उर्फ बबलु थाना बडनगर का लिस्टेट गुण्डा है एवं आरोपी लालसिंह के विरूध्द भी पूर्व के कई अपराध पंजीबध्द है जिसे गुण्डा सूची में शामिल किया गया ।

1 आपराधिक रिकार्ड - हिम्मत सिंह उर्फ बबलु पिता भेरू सिंह जाति राजपुत उम्र 30 साल निवासी ग्राम रसुलाबाद

2 आरोपी लालसिंह उर्फ लाला पिता कृष्णलाल पंवार जाति मोगिया उम्र 32 साल निवासी सनावदा के विरूध्द पंजीबध्द अपराधिक रिकार्ड

सराहनीय भूमिका- उक्त प्रसंशनीय कार्य में- थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार पाटीदार, उनि सोभाग सिंह, सउनि राजेन्द्र सिंह हाडा, प्र.आर. हेमराज खरे, रामनारायण चौहान , नारायण सरा , अश्विन पाठक, सुर्यकुमार की सराहनीय भुमिका रही।

नशा कारोबारियों पर सुसनेर पुलिस का शिकंजा, लगातार हो रही कार्रवाई

तीन वर्षों में नशे के खिलाफ सबसे ज्यादा कार्रवाई, सुसनेर पुलिस की सक्रियता से अपराधियों में हड़कंप

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना सुसनेर में नशे के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार तेज होता जा रहा है। थाना प्रभारी अक्षय सिंह बैस के नेतृत्व में पुलिस द्वारा अवैध नशे के कारोबारियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। 16 फरवरी से लेकर अब तक पुलिस ने कुल 24 से अधिक कार्रवाई करते हुए अवैध शराब, गांजा एवं अन्य मादक पदार्थों के कारोबार में संलिप्त आरोपियों पर शिकंजा कसा है। पुलिस की लगातार कार्रवाई से नशा कारोबारियों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। वहीं आमजन में सुरक्षा और विश्वास का माहौल मजबूत हुआ है। जानकारी के अनुसार पिछले तीन वर्षों में थाना क्षेत्र में नशे के खिलाफ सबसे अधिक कार्रवाई वर्तमान कार्यकाल में हुई है। थाना प्रभारी अक्षय सिंह बैस द्वारा पदभार संभालने के बाद से ही अपराध नियंत्रण और अवैध गतिविधियों पर विशेष फोकस किया जा रहा है। पुलिस टीम लगातार मुखबिर तंत्र सक्रिय कर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है। क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर नशे का कारोबार करने वालों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक कई मामलों में आरोपियों के कब्जे से अवैध शराब, गांजा और अन्य मादक पदार्थ भी जब्त किए गए हैं। कार्रवाई के दौरान कई आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया जहां से उन्हें जेल भेजा गया। लगातार हो रही कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध नशे के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगता दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि थाना प्रभारी अक्षय सिंह बैस ने चार्ज संभालते ही जिले की सबसे बड़ी जुआ कार्रवाई को अंजाम देकर सुर्खियां बटोरी थीं। पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 32 लोगों को गिरफ्तार किया था। इस कार्रवाई में भारी मात्रा में नगदी एवं जुआ सामग्री भी जब्त की गई थी। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उन्हें जेल भेजा गया था। इस कार्रवाई के बाद जिलेभर में सुसनेर पुलिस की सक्रियता की चर्चा हुई थी। क्षेत्र के नागरिकों का कहना है कि पिछले कुछ महीनों में पुलिस की सक्रियता पहले की तुलना में काफी बढ़ी है। देर रात गश्त, संदिग्ध व्यक्तियों की जांच एवं लगातार दबिश की कार्रवाई से अपराधियों में डर का माहौल बना हुआ है। वहीं युवाओं को नशे से बचाने के लिए भी पुलिस द्वारा जागरूकता गतिविधियों पर जोर दिया जा रहा है।

थाना प्रभारी अक्षय सिंह बैस का कहना है कि सुसनेर क्षेत्र में किसी भी प्रकार के अवैध कारोबार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नशे के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आमजन से भी अपील की है कि क्षेत्र में कहीं भी अवैध गतिविधि दिखाई देने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके।

नरवाई की आग बनी आफतः गौशाला में धधकी भीषण आग, 60 ट्रॉली गेहूं का भूसा जलकर राख

संजय शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड नारायणखेड़ी। नारायणखेड़ी में गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब खेत में जलाई गई नरवाई की आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव निवासी दिनेश पिता रुग्गा जी द्वारा अपने खेत में नरवाई जलाई जा रही थी। इसी दौरान तेज हवा के कारण आग फैलते हुए चेतन बैरागी की निजी गौशाला श्री वैष्णव गिर गौशाला, नारायणखेड़ी तक पहुंच गई।

देखते ही देखते आग ने गौशाला परिसर में रखे गेहूं के भूसे के विशाल स्टॉक को अपनी चपेट में ले लिया। बताया जा रहा है कि गौशाला में लगभग 50 से 60 ट्रॉली गेहूं का भूसा रखा हुआ था, जो पूरी तरह जलकर राख हो गया। आग इतनी भीषण थी कि दूर-दूर तक धुएं के गुबार दिखाई देने लगे और ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई।

घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक लाखों रुपए के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि नरवाई जलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। वहीं गौशाला संचालक चेतन बैरागी ने प्रशासन से नुकसान का उचित मुआवजा देने की मांग की है।

चिंता की बात यह है कि मुआवजा तो मिल जाएगा, लेकिन गौशाला में मौजूद गायों को खिलाने के लिए अब भूसे की व्यवस्था कैसे होगी। इतनी बड़ी मात्रा में भूसा जल जाने से पशुओं के चारे का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

उद्यमी महिलाओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की तस्वीर बदल रही है मुख्यमंत्री की स्वरोजगार योजनाएं

धार/दैनिक मालवा हेराल्ड। इसमें कतई कोई शक नहीं हैं कि मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना और स्व-सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं आत्मनिर्भरता की नई ऊंचाइयों को छू रही हैं बल्कि ग्रामीण इलाको की अर्थव्यवस्था को मज़बूत कर कर्मठ और लगनशील बेरोजगारो को रोजगार भी दे रही है। इसका ताजा उदाहरण है धार जिले के विकासखंड उमरबन के ग्राम मलनगांव की निवासी श्रीमती सुनीता धांगड़ का हैं । आर्थिक तंगी से जूझने वाली 9 सदस्यों वाले संयुक्त परिवार की सुनीता आज एक सफल डेयरी उद्यमी बतौर हर माह 1 लाख रूपये से लेकर 1 लाख 50 हजार रूपये तक की आय अर्जित कर रही है *स्व-सहायता समूह से मिली सुनीता को नई दिशा* सुनीता ने बताया कि परिवार की आय खेती और सीमित पशुपालन तक ही सीमित थी, जिससे गुजर-बसर करना चुनौतीपूर्ण था। वर्ष 2015 में उन्होंने बाबा रामदेव स्व-सहायता समूह से जुड़कर अपनी किस्मत बदलने का निर्णय लिया। समूह से मिले 50 हजार रुपये के प्रारंभिक ऋण से उन्होंने एक भैंस खरीदी और दूध विक्रय का कार्य प्रारंभ किया। *सरकारी योजनाओं का मिला सहयोग और अधिकारियो का मिला मार्गदर्शन* प्रारंभिक सफलता से उत्साहित होकर सुनीता ने मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना का लाभ लिया। उन्होंने 2 लाख रुपये का ऋण प्राप्त कर तीन उच्च नस्ल की भैंसें खरीदी। सरकारी मार्गदर्शन से उन्होंने न केवल दूध उत्पादन बढ़ाया बल्कि पशुओं के लिए आधुनिक शेड का निर्माण भी किया।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

बारुद बनी मौत

टोंककलां की फैक्ट्री में केमिकल मिलाते वक्त हुआ विस्फोट

3 मजदूरों की मौत, 25 घायल, कई गंभीर- महिलाओं के लापता होने की भी आशंका

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास जिले के टोंककलां क्षेत्र में गुरुवार सुबह हुए भीषण धमाके ने पूरे इलाके को दहला दिया। पटाखा निर्माण फैक्ट्री में सुबह करीब 11ः30 बजे ऐसा विस्फोट हुआ कि फैक्ट्री के टीन शेड हाईवे तक जा गिरे और कई मजदूर हवा में उछलकर दूर जा गिरे। हादसे के बाद घटनास्थल चीख-पुकार और अफरा-तफरी से भर गया।

इस खतरनाक हादसे में प्रशासन ने तीन मजदूरों धीरज, सनी और सुमित की मौत की पुष्टि की। वहीं हादसे में करीब 25 लोग घायल हुए हैं, जिनमें 13 की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में रेफर किया गया है। कई मजदूर बुरी तरह झुलस गए हैं, जबकि तीन महिलाओं के लापता होने की सूचना ने प्रशासन की चिंता और बढ़ा दी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक धमाका इतना तेज था कि शवों के टुकड़े 20 से 25 फीट दूर तक जा गिरे। आसपास के मकान तक हिल गए और लोग घरों से बाहर निकल आए। हादसे के समय फैक्ट्री के भीतर 15 से 20 मजदूर काम कर रहे थे। लंच से कुछ मिनट पहले हुए विस्फोट ने सबकुछ तबाह कर दिया। कर्मचारियों का खाना तक पहुंच चुका था, लेकिन धमाके के बाद हर तरफ सिर्फ धुआं, चीखें और भगदड़ दिखाई दी। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री में 200 से अधिक महिलाएं कार्यरत थीं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दो केमिकल मिलाकर बारूद तैयार किया जा रहा था। इसी दौरान मात्रा का संतुलन बिगड़ गया और जोरदार विस्फोट हो गया। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन, पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंच गए। कलेक्टर, एडीएम, एसडीएम समेत कई वरिष्ठ अधिकारी राहत और बचाव कार्य में जुटे रहे। संभागायुक्त आशीष सिंह के मौके पर पहुंचते ही गुस्साए लोगों ने उन्हें घेर लिया और जोरदार नारेबाजी करते हुए फैक्ट्री की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक फैक्ट्री करीब एक साल पहले शुरू हुई थी। अचानक हुए धमाके के बाद लोग पतरे और मलबे के साथ हवा में उड़ते दिखाई दिए। कई मजदूरों को संभलने तक का मौका नहीं मिला।

सीएम ने दिए जांच के आदेश- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हादसे पर गहरा दुख जताते हुए वरिष्ठ अधिकारियों और गृह सचिव को तत्काल मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए हैं। साथ ही प्रभारी उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा को भी हालात की निगरानी करने को कहा गया है। राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने और घायलों का निशुल्क इलाज कराने की घोषणा की है।

फैक्ट्री धमाके की बड़ी बातें

-सुबह 11ः30 बजे हुआ जोरदार विस्फोट
-3 मजदूरों की मौत, 25 लोग घायल
-13 घायलों की हालत गंभीर
-तीन महिलाओं के लापता होने की सूचना
-शवों के टुकड़े 25 फीट दूर तक गिरे
-टीन शेड हाईवे तक उड़कर पहुंचे
-केमिकल मिलाने के दौरान हुआ हादसा
-भीड़ ने अफसरों को घेरकर जताया आक्रोश

पति से विवाद के बाद पत्नी ने लगाई फांसी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पानबिहार चौकी क्षेत्र के ग्राम बांदका बड़ला में रहने वाली सुभावनी बाई पति विशाल गुजरिया ने रात में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजन उज्जैन लेकर आए थे। डॉक्टरों ने मृत घोषित कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। गुरुवार सुबह सामने आया कि फांसी लगाने वाली सुभावनी का मोबाइल नहीं देने पर पति से विवाद हुआ था। जिसके चलते उसने आत्मघाती कदम उठाया है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा है। वहीं एक अन्य मामले में नीलगंगा थाना क्षेत्र के इंदौर रोड मार्ग पर बन रहे युनिटी मॉल में काम कर रहे मजदूर की दूसरी मंजिल से गिरने पर मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृतक मजदूर का नाम मुनिंदर पिता पुलिंदर 26 साल निवासी पंजाब सामने आया है। मामले में मर्ग कायम कर शव पोस्टमार्टम कक्ष में रखा गया है। परिजनों के आने पर पोस्टमार्टम कराया जाएगा। विदित हो कि सिंहस्थ को लेकर चल रहे कामों में बाहर के मजदूर काम कर रहे हैं। पूर्व में भी कई मजदूर की निर्माण कार्य के दौरान मौत हो चुकी है।

देवास से 6 साल बाद गिरफ्त में आया डकैती का मुख्य आरोपी

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नवधा एग्रो टेक फैक्ट्री में 6 साल पहले चौकीदार को बंधक बनाकर सात बदमाशों ने डकैती को अंजाम दिया था। पुलिस ने छह बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया था। एक बदमाश लगातार फरार चल रहा था। जिसकी गिरफ्तारी पर इनाम घोषित किया गया था। फरार बदमाश को मंगलवार-बुधवार रात देवास से गिरफ्तार कर लिया गया। बड़नगर थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार ने बताया कि 24 दिसंबर 2020 को आधी रात में ग्राम मौलान स्थित नवधा एग्रो टेक फैक्ट्री में 2 व्यक्ति पानी पीने के बहाने आये थे, चौकीदार ने उन्हे रोका तो दोनों के अन्य साथी भी तलवार-कट्टे से लैस होकर फैक्ट्री में घुस गये थे। बदमाशों ने चौकीदार को बंधक बनाकर फैक्ट्री के शटर का ताला काटा गया था और गोदाम में रखी 50 बोरी नट बोल्ट, 50 नग थ्रेशर पुली, पाइप काटने का कटर, 40 बोरी सोयाबीन, खाली गैस टंकी, डीपी ऑयल, 3 सीसीटीवी कैमरे और डीवीआर लूट लिया था। मामले में चौकीदार की सूचना पर धारा 458, 380 का प्रकरण दर्ज कर जांच के बाद धारा 395 और 411 का इजाफ किया। छह बदमाशों को कुछ दिन बाद गिरफ्तार कर लिया गया था। मामले में फारुख पिता अहमद हुसैन निवासी रसूलपुर जिला देवास लगातार फरार चल रहा था। जिसकी गिरफ्तारी पर 10 हजार का इनाम घोषित किया गया। 6 साल बाद खबर मिली कि बदमाश फारुख अपने घर रसूलपुर आया हुआ है। तत्काल एक टीम देवास रवाना की गई और रात में उसे घेराबंद कर हिरासत में लिया। जिसे बड़नगर लाने के बाद बुधवार दोपहर कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया है। बदमाश के खिलाफ पूर्व में भी चोरी, लूट और डकैती के 7 संगीन मामले दर्ज है।

हत्या के आरोप में मां-बेटे को आजीवन कारावास

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। 2 साल पहले हुई युवक की हत्या के मामले में न्यायालय ने सुनवाई पूरी होने पर फैसला सुनाते हुए मां बेटे को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मिडिया सेल प्रभारी कुलदीप सिंह भदौरिया ने बताया कि दिनांक 19 अप्रैल 2024 को फरियादी लोकेश गोरकर ने नीलगंगा थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि भैरु महाराज के मन्दिर के पीछे से गाली गलौच की आवाज सुनी देखा तो राजा अहिरवार निवासी जबरन कालोनी बन्टी को चाकू से चमका रहा था रोहित पासी ने उनका बीच बचाव कर राजा को वहा से भगाया तभी अचानक चिन्टु कुशवाह के मकान में किराये से रहने वाली रेखा बाघेला ने ईट से बंटी पर हमला किया। रेखा बाघेला बन्टी से झुमाझटकी करने लगी तभी वहा रेखा बाघेला के लड़के अंकित बाघेला और दीपक बाघेला हाथ मे चाकू लेकर आ गये और बन्टी को गंदी गंदी गलियां देकर बोलने लगे कि तुझे जान से खत्म कर देंगे। ऐसा कहकर अचानक चाकूओ से बन्टी को जान से मारने की नियत से कई वार किये जिससे बन्टी के शरीर पर कई जगह चोंट लगी और वह रोड पर गिर पड़ा। फिर उसे टीकू उर्फ मोहित परमार और पंकज तोमर बन्टी को उठाकर टीकू की बोलेरो जीप से अस्पताल ले गये। जहाँ डॉक्टरों ने बन्टी को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले में धारा 302,34 भादवि का पंजीबद्ध कर अनुसंधान में लिया गया। आरोपियों को गिरफ्तार कार्यालय में पेश किया गया जहां 2 साल तक चली सुनवाई के बाद प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश पी.सी. गुप्ता ने फैसला सुनाते हुए रेखा पति दिनेश वाघेला 41 वर्ष और दीपक उर्फ रजनीश पिता दिनेश वाघेला 20 वर्ष निवासीगण भोई मोहल्ले के पास ग्राम रूई जिला उज्जैन को धारा 302 भादवि में आजीवन कारावास से दण्डित किया गया। प्रकरण में नितेश कृष्णन विशेष लोक अभियोजक के तर्कों से सहमत होकर माननीय न्यायालय द्वारा आरोपीगणों को दण्डित किया गया।

सोने की चमक फीकी... उज्जैन के सराफा बाजार में सन्नाटा

पीएम की अपील, बढ़ती कीमतें और इंपोर्ट ड्यूटी के कारण दुकानों पर कम हुई भीड़

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कभी ग्राहकों की चहल-पहल से गुलजार रहने वाला शहर का सराफा बाजार इन दिनों सुस्त नजर आ रहा है। सोने-चांदी की लगातार बढ़ती कीमतों, अंतरराष्ट्रीय हालात और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोना खरीदने से बचने की अपील का असर अब सीधे बाजार पर दिखाई देने लगा है। शहर के प्रमुख सराफा बाजारों में ग्राहकी 30 से 40 प्रतिशत तक घट गई है, जिससे खासकर छोटे व्यापारी चिंता में आ गए हैं।

उज्जैन में गुरुवार को सोना करीब 1 लाख 57 हजार 500 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया। महंगे दामों ने आम ग्राहकों को बाजार से दूर कर दिया है। पटनी बाजार, फ्रीगंज और नयापुरा जैसे प्रमुख बाजारों में पहले जहां दोपहर बाद भीड़ उमड़ती थी, वहीं अब कई दुकानें घंटों खाली दिखाई दे रही हैं। सराफा व्यवसाई संजय सोनी के मुताबिक पहले ही सोने-चांदी के बढ़ते भाव से बाजार मंदी की मार झेल रहा था। ऊपर से प्रधानमंत्री की अपील और सोने पर इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ने से ग्राहकी और कमजोर हो गई। उन्होंने कहा कि सोने पर आयात शुल्क 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत किए जाने से कीमतों में और तेजी आई है, जिसका सबसे ज्यादा असर छोटे व्यापारियों पर पड़ा है। व्यापारियों के अनुसार पहले शहर के प्रमुख बाजारों में रोजाना करीब एक किलो तक सोने की बिक्री हो जाती थी, लेकिन अब खरीदारी काफी घट गई है। खासकर छोटे गहनों और सामान्य ग्राहकी में गिरावट आई है। हालांकि बड़े निवेशकों और हाई वैल्यू खरीदारी का सिलसिला अभी भी जारी है, लेकिन मध्यम और छोटे ग्राहकों ने फिलहाल दूरी बना ली है।

सराफा कारोबारियों का मानना है कि यदि बाजार को राहत देनी है तो लोगों को पुराने सोने की रि-साइक्लिंग के लिए प्रोत्साहित करना होगा। इससे ग्राहकों पर नया सोना खरीदने का दबाव कम होगा और छोटे व्यापारियों का कारोबार भी चलता रहेगा।

व्यापारियों का कहना है कि यदि आने वाले महीनों में यही स्थिति बनी रही तो शहर के कई छोटे सराफा कारोबारियों पर आर्थिक संकट गहरा सकता है। फिलहाल बाजार में चमक तो है, लेकिन खरीदारों की कमी से कारोबार की रौनक फीकी पड़ गई है।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत बावड़ी में श्रमदान किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड घटिया जिला उज्जैन के घटिया सेक्टर के ग्राम रलायता हेवत में जल गंगा संवर्धन अभियान के द्वितीय चरण अंतर्गत प्राचीन बावड़ी में प्रस्फुटन समिति एवं ग्रामवासियों के सहयोग से श्रमदान किया गया। इसके पश्चात ग्राम बैठक को संबोधित करते हुए जिला समन्वयक श्री जय दीक्षित ने जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में जल स्त्रोतों की साफ सफाई एवं गहरीकरण अति आवश्यक हो गया है क्योंकि भू जल तेजी से नीचे की ओर जा रहा हैं। हम जमीन से जितना पानी निकाल रहे है उतना वापस जमीन में नहीं डाल रहे हैं जिसके परिणाम स्वरूप जल संकट की भयावह स्थिति उत्पन्न हो रही है।

शिप्रा नदी किनारे कब्जों पर हाईकोर्ट की नाराजगी

200 मीटर के दायरे में बने होटल-रिसॉर्ट, मठ और कॉलोनियों पर मांगा पूरा हिसाब- 15 जून तक नगर निगम को देना होगा कार्रवाई का जवाब

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। एक तरफ शिप्रा नदी को साफ और निर्मल बनाने के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं, दूसरी तरफ उसी नदी के किनारों पर अवैध निर्माणों का जाल फैलता जा रहा है। होटल, रिसॉर्ट, आश्रम, मठ, स्कूल और कॉलोनियों के रूप में 200 से ज्यादा निर्माण खड़े हो चुके हैं। अब इस मामले में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए उज्जैन नगर निगम से सीधा जवाब मांग लिया है।

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने नगर निगम को निर्देश दिए है कि शिप्रा नदी के दोनों किनारों पर 200 मीटर के दायरे में हुए सभी अतिक्रमणों और निर्माणों की पूरी जानकारी कोर्ट के सामने पेश की जाए। साथ ही यह भी बताया जाए कि इन अवैध निर्माणों को हटाने के लिए अब तक क्या कार्रवाई हुई।दरअसल यह मामला वर्ष 2023 में दायर एक जनहित याचिका से जुड़ा है। याचिका में आरोप लगाया गया था कि नदी किनारे ग्रीन बेल्ट और सिंहस्थ की संरक्षित जमीन पर लगातार कब्जे किए गए। कई जगह व्यावसायिक होटल और रिसॉर्ट तक संचालित हो रहे हैं। इतना ही नहीं, इन निर्माणों का गंदा पानी और सीवरेज सीधे शिप्रा में छोड़ा जा रहा है, जिससे नदी का पानी प्रदूषित हो रहा है।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने साफ कहा कि नदी तट के पास व्यावसायिक गतिविधियों और रिसॉर्ट निर्माण को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने नगर निगम को निर्देश दिए हैं कि 15 जून तक अतिक्रमणों की सूची तैयार कर कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट पेश करें। तब तक संबंधित स्थानों पर किसी भी तरह की व्यावसायिक गतिविधियां संचालित नहीं होने देने को भी कहा गया है। कोर्ट ने नदी निधि विकास योजना से संबंधित रिपोर्ट भी तलब की है। माना जा रहा है कि अगली सुनवाई में नगर निगम को यह बताना पड़ेगा कि आखिर वर्षों से हो रहे इन अवैध निर्माणों पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई। इस पूरे मामले ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि सिंहस्थ और ग्रीन बेल्ट जैसी संवेदनशील जमीनों पर आखिर इतने बड़े निर्माण कैसे खड़े हो गए। अब सबकी नजर 15 जून की सुनवाई पर टिकी है, जहां नगर निगम की कार्रवाई और जवाब दोनों की परीक्षा होगी।

जेल वारंट जारी होते ही डॉक्टर की बिगड़ी तबीयत

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 11 साल की बालिका का अपेंडिक्स ऑपरेशन हुआ था। जिसकी मौत हो गई। परिजनों के हंगामे के बाद पुलिस ने डॉक्टर और निजी क्लीनिक संचालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया था। डॉक्टर और संचालक की गिरफ्तारी कर पुलिस ने कोर्ट में पेश किया जहां से जेल भेजने के आदेश जारी किए गए। यह सुन डॉक्टर की तबीयत बिगड़ गई। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

9 अप्रैल को मंछामन स्थित जनसेवा नोबल पॉली क्लनिक में राघवी क्षेत्र की रहने वाली 11 वर्षीय बालिका दीपिका पिता मेहरबान डाबी का डॉ. देवेश तिवारी और क्लीनिक संचालक राजेश चौहान ने अपेंडिक्स का ऑपरेशन किया था। कुछ देर बाद ही बालिका की मौत हो गई थी।

परिजनों के हंगामे के बाद नीलगंगा पुलिस ने दोनों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। न्यायालय में पेश करने पर दोनों को जेल भेजन के आदेश जारी कर दिए गए। जिसके बाद डॉ. तिवारी का बीपी हाई हो गया। जिसे चरक अस्पताल लाया गया जहां आईसीयू में उपचार के लिए भर्ती किया गया। डॉक्टर का पुलिस अभिरक्षा में उपचार चल रहा है।

चरक अस्पताल में लिफ्ट देखने पहुंचे सीईओ, मेडिकल बनवाने आए छात्र भटकते मिले

अस्पताल में अव्यवस्थाएं आई सामने-अनुपस्थित डॉक्टरों को नोटिस के निर्देश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चरक अस्पताल में गुरुवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब जिला पंचायत सीईओ श्रेयांस कुमट अचानक निरीक्षण के लिए पहुंच गए। वे अस्पताल की लंबे समय से बंद पड़ी लिफ्ट की स्थिति देखने पहुंचे थे, लेकिन मौके पर पहुंचते ही अस्पताल की कई अव्यवस्थाएं सामने आ गई। निरीक्षण के दौरान कुछ विभागों में डॉक्टर ड्यूटी से गायब मिले, वहीं मेडिकल बनवाने आए छात्र इधर-उधर भटकते नजर आए।

सुबह करीब 8 बजे पहुंचे सीईओ ने सबसे पहले लिफ्ट की स्थिति देखी। अस्पताल में लंबे समय से लिफ्ट बंद होने की शिकायतें मिल रही थीं। उन्होंने मौके पर ही पीडब्ल्यूडी विभाग को मरम्मत कार्य तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। बताया गया कि एक-दो दिन में लिफ्ट शुरू कर दी जाएगी। निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में मेडिकल परीक्षण के लिए पहुंचे विद्यार्थियों की भीड़ अव्यवस्थित हालत में मिली। इस पर सीईओ ने खुद व्यवस्था संभाली और डॉक्टरों को लाइन में लगवाकर प्रक्रिया व्यवस्थित करवाई।

जांच के दौरान डेंटल और मनोचिकित्सा विभाग में कुछ डॉक्टर अनुपस्थित पाए गए। इसकी जानकारी मिलते ही अस्पताल प्रशासन में खलबली मच गई। सूचना मिलते ही आरएमओ डॉ. चिन्मय चिंचोलिकर, डॉ. निधि जैन और अस्पताल प्रबंधक हिमानी चौहान भी तत्काल अस्पताल पहुंच गए। सीईओ ने अस्पताल में चल रहे निर्माण कार्य और सीवर लाइन के काम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण और सीवर कार्य जल्द पूरा किया जाए ताकि मरीजों और उनके परिजनों को परेशानी न हो।सीईओ श्रेयांस कुमट ने कहा कि ड्यूटी से गायब मिले डॉक्टरों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही अस्पताल की व्यवस्थाओं में जल्द सुधार लाने के लिए संबंधित विभागों को सख्त निर्देश दिए गए है।

उज्जैन जिले में अनुसूचित जनजाति युवाओं के लिए स्वरोजगार योजनाएं संचालित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2026-27 में उज्जैन जिले अंतर्गत अनुसूचित जनजाति वर्ग के युवकों एवं व्यक्तियों को सफल उद्यमी के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न स्वरोजगार योजनाएं संचालित की जा रही है। इन योजनाओं के माध्यम से अनुसूचित जनजाति वर्ग के पात्र युवक-व्यक्तियों को बैंकों के जरिए स्वरोजगार स्थापित करने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना- भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत आवेदक का उज्जैन जिले (म.प्र.) का मूल निवासी होना आवश्यक है। आवेदक अनुसूचित जनजाति वर्ग का होना चाहिए तथा सक्षम अधिकारी द्वारा जारी जाति प्रमाण पत्र आवश्यक होगा। न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8वीं कक्षा उत्तीर्ण निर्धारित की गई है। परिवार की वार्षिक आय 12 लाख रुपये से अधिक नहीं होना चाहिए तथा आवेदक की आयु आवेदन दिनांक को 18 वर्ष से 45 वर्ष के बीच होना आवश्यक है। साथ ही आवेदक किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक, वित्तीय संस्था अथवा सहकारी बैंक का चूककर्ता (डिफॉल्टर) नहीं होना चाहिए। किसी शासकीय योजना अंतर्गत पूर्व से सहायता प्राप्त व्यक्ति इस योजना के लिए पात्र नहीं होगा।

योजना के अंतर्गत उद्योग (विनिर्माण/मैन्युफैक्चरिंग) इकाई के लिए 1 लाख रुपये से 50 लाख रुपये तक तथा सेवा (सर्विस) इकाई एवं खुदरा व्यवसाय (रिटेल ट्रेड) के लिए 1 लाख रुपये से 25 लाख रुपये तक की परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। वितरित अथवा शेष ऋण पर 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान अधिकतम 7 वर्षों तक नियमित ऋण भुगतान की शर्त पर देय होगा।

इसी प्रकार टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के अंतर्गत केवल नवीन स्वरोजगार स्थापना के लिए लाभ दिया जाएगा। इस योजना में आवेदक की आयु आवेदन दिनांक को 18 से 55 वर्ष के बीच होनी चाहिए तथा आवेदक आयकरदाता नहीं होना चाहिए। आवेदक स्वयं किसी बैंक अथवा वित्तीय संस्था जैसे MFI, NBFC, SFB, PACS आदि का डिफॉल्टर नहीं होना चाहिए और वर्तमान में राज्य अथवा केंद्र सरकार की किसी अन्य स्वरोजगार योजना का हितग्राही नहीं होना चाहिए।

25-26 मई को होगी शिप्रा तीर्थ परिक्रमा, मुख्यमंत्री करेंगे 300 फीट चुनरी अर्पित

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धर्म, संस्कृति और जल संरक्षण के संदेश के साथ 25 और 26 मई को शिप्रा तीर्थ परिक्रमा और गंगा दशमी उत्सव आयोजित किया जाएगा। इस दौरान चुनरी अर्पण के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भी शामिल होंगे।

महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक श्री राम तिवारी ने बताया कि संस्कृति विभाग और शिप्रा लोक संस्कृति समिति के आयोजन में धार्मिक आस्था के साथ सांस्कृतिक रंग भी देखने को मिलेंगे। कार्यक्रम की शुरुआत 25 मई को रामघाट से शिप्रा तीर्थ परिक्रमा के साथ होगी। दूसरे दिन 26 मई को सुबह 9 बजे यात्रा पुनः प्रारंभ होगी। आयोजन के दौरान भजन, लोक संगीत, नौसेना बैंड और सुगम संगीत की प्रस्तुतियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेंगी। शिप्रा लोक संस्कृति समिति के सचिव नरेश शर्मा ने बताया कि 25 मई की शाम 6 बजे भजन संध्या आयोजित होगी, जिसमें श्रेयश शुक्ला एवं साथी तथा संजो बघेल एवं साथी प्रस्तुति देंगे। वहीं 26 मई को दोपहर 4 बजे भारतीय नौसेना के बैंड की सिम्फनी प्रस्तुति होगी। शाम 7.30 बजे भजन जैमिंग और केशव बैंड का कार्यक्रम होगा, जबकि रात 8.30 बजे प्रसिद्ध लोक गायिका मैथिली ठाकुर अपने साथियों के साथ सुगम संगीत प्रस्तुत करेंगी। आयोजन में 26 मई की शाम 5 बजे रामघाट पर होने वाला विशेष कार्यक्रम रहेगा। इसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल होकर मां शिप्रा को 300 फीट लंबी चुनरी अर्पित करेंगे। इस दौरान शिप्रा नदी संरक्षण का संदेश दिया जाएगा।

इसके पहले 17 से 26 मई तक प्रतिदिन शाम 5 बजे नारद कथा गायन परंपरा के तहत पं. ढोली बुवा द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जा रही हैं। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रमों के माध्यम से शिप्रा तट की महिमा, जल संरक्षण और सांस्कृतिक चेतना को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

मा. मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन की मंशा अनुसार जलगंगा संवर्धन अभियान अन्तर्गत नगर निगम द्वारा वर्षा जल संचयन एवं भूजल पुनर्भरण अभियान के तहत किये जा रहे सकारात्मक कार्य

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पृथ्वी पर जल सबसे महत्वपूर्ण संसाधनों में से एक है, इसीलिए, जीवन के लिए जल संरक्षण अपरिहार्य है। वर्तमान समय में घटते भूजल स्तर, अनियमित वर्षा, बढ़ते शहरीकरण तथा जल संकट की चुनौतियों को देखते यह अनमोल संसाधन संरक्षित रहे इसके लिये मा. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी मध्यप्रदेश शासन दृढसंकल्पित है मा. मुख्यमंत्री की संकल्पना अनुसार मध्यप्रदेश शासन द्वारा जल जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य जन सहयोग से जल स्त्रोतों (नदियों, तालाबों, बावड़ियों) का संरक्षण, जीर्णोद्धार, साफ-सफाई और पौधारोपण करना है,

मा. मुख्यमंत्री जी की मंशानुरूप मध्यप्रदेश शासन द्वारा चलाए जा रहे जलगंगा संवर्धन अभियान अन्तर्गत नगर पालिक निगम उज्जैन द्वारा महापौर श्री मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन एवं निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा के नेतृत्व में व्यापक स्तर पर वर्षा जल संचयन एवं भूजल पुनर्भरण अभियान संचालित किया जा रहा है। यह अभियान केवल जल संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य की जल सुरक्षा सुनिश्चित करने, शहरी जलभराव कम करने, भूजल स्तर सुधारने तथा पर्यावरणीय संतुलन स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उज्जैन नगर निगम द्वारा अल्प अवधि में उल्लेखनीय कार्य करते हुए मात्र 2 माह के भीतर लगभग 660 वर्षा जल संचयन एवं रिचार्ज संरचनाओं का निर्माण, सुधार एवं पुनर्स्थापन किया गया है। यह कार्य शहर के विभिन्न शासकीय भवनों, सार्वजनिक परिसरों, उद्यानों, विद्यालयों, सड़कों, कॉलोनियों, पार्किंग क्षेत्रों, जलभराव स्थलों एवं खुले क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर किया गया है।

नगर निगम उज्जैन द्वारा अपनाया गया मॉडल विशेष रूप से उथले जलभृत एवं गहरे जलभृत दोनों स्तरों पर भूजल पुनर्भरण को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। इस समन्वित तकनीकी मॉडल के माध्यम से वर्षा जल को सतह पर रोककर, फिल्टर कर तथा वैज्ञानिक संरचनाओं द्वारा भूमि के भीतर पहुँचाकर प्राकृतिक जलभृतों को पुनर्जीवित किया जा रहा है।

1. रूफटॉप रेनवॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम- भवनों की छतों पर गिरने वाले वर्षा जल को पाइपलाइन के माध्यम से संग्रहित कर फिल्ट्रेशन यूनिट से गुजारते हुए संग्रहण टैंक, रिचार्ज पिट अथवा रिचार्ज वेल तक पहुँचाया जाता है। इसमें लीफ फिल्टर, सैंड-ग्रेवल फिल्टर एवं फर्स्ट फ्लश सिस्टम का उपयोग किया जाता है, जिससे स्वच्छ जल का पुनर्भरण संभव हो सके।

2. रिचार्ज पिट सिस्टम- रिचार्ज पिट उथले जलभृत पुनर्भरण की अत्यंत प्रभावी प्रणाली है। इसमें निर्धारित आकार के गड्ढे को बोल्डर, गिट्टी, रेत एवं फिल्टर मीडिया से भरकर वर्षा जल को धीरे-धीरे भूमि में रिसाया जाता है। यह प्रणाली आवासीय क्षेत्रों, पार्कों एवं खुले स्थलों के लिए उपयुक्त है।

3. रिचार्ज ट्रेंच सिस्टम- लंबी एवं संकरी खाइयों के माध्यम से बड़े क्षेत्र से आने वाले अपवाह जल को संग्रहित एवं फिल्टर कर भूमि में प्रवाहित किया जाता है। यह प्रणाली सड़क किनारे, पार्किंग क्षेत्रों एवं बड़े परिसरों में जलभराव रोकने तथा भूजल पुनर्भरण बढ़ाने में अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रही है।

4. परकोलेशन टैंक- परकोलेशन टैंक सतही जल को अस्थायी रूप से संग्रहित कर धीरे-धीरे भूमि में अवशोषित करने की तकनीक है। यह विशेष रूप से खुले क्षेत्रों एवं ग्रामीण परिक्षेत्रों में उपयोगी है तथा भूजल स्तर सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

5. चेक डैम- छोटे नालों एवं जल प्रवाह मार्गों पर निर्मित चेक डैम पानी की गति को नियंत्रित करते हैं, जिससे जल का फैलाव बढ़ता है और मिट्टी में अवशोषण अधिक होता है।